जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

A Jaipur Launch of Plain-Spoken Feeling

The book launch doubled as a quiet Teacher's Day. Singh thanked Suresh Mathur and Jaipur professors, Rajul Bhargava, Mini Nanda, Rimika Singhvi, Sudha Rai. Prof. Rajul Bhargava called the book 'a tunnel that opens into a rose garden'

Middle Ages was the poulaine

क्या नीतीश कुमार, लालू यादव का प्रस्ताव स्वीकार करेंगे, साल भर के लिए मु.मंत्री पद संभालेंगे

लालू यादव की सोच है कि अगर नीतीश ने पाला बदला तो अतिरिक्त लाभ यह होगा कि केन्द्र में मोदी सरकार भी संकट में आ जाएगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवंबर। सारी नज़रें अब नीतीश कुमार पर टिकी हैं, उस व्यक्ति पर जो 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद एक बार फिर "राजा" बनना चाहता है।

उन्हें कभी "सर्वाइवर इन चीफ़" तो कभी "पलटू राम" कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने बार-बार अपनी राजनीतिक निष्ठा बदली है, कभी भाजपा के साथ, फिर लालू यादव के साथ, फिर दोबारा भाजपा के साथ, और यह सिलसिला जारी रहा है।

इस बार भी वे भाजपा के साथ गठबंधन में रहते हुए लालू यादव के साथ बातचीत में जुटे हैं। लेकिन भाजपा द्वारा अब तक उन्हें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित न करने से तनाव और असंतोष का माहौल बन गया है। अगर भाजपा और जद (यू) का प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा, तो इसका एक बड़ा कारण कार्यकर्ताओं में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री प्रत्याशी न बनाए जाने से उपजा आक्रोश भी हो सकता है, और इसकी जिम्मेदारी भाजपा पर आ सकती है।

लालू यादव की ओर से नीतीश कुमार के लिए प्रस्ताव अब भी खुला है,

- जैसा कि विदित ही है, दिल्ली में मोदी सरकार को जीवित रहने के लिए चंद्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार का समर्थन अनिवार्य है।
- ऐसा माना जा रहा है कि जदयू व भाजपा का सपोर्ट बेस काफी सिकुड़ा है। हालांकि, एग्ज़िट पोल कुछ भी आकलन लगा रहे हों, दोनों पार्टी गत चुनाव के मुकाबले काफी कमज़ोर होंगी, इस बार।
- एनडीए के लिए यह शुभ समाचार नहीं है।
- अतः एनडीए को यदि बहुमत नहीं मिल पाया तो लालू के नीतीश कुमार को दिए गए प्रस्ताव में काफी दम आ जाएगा।

वे आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन में शामिल हों और एक साल के लिए मुख्यमंत्री बनें। इसके बाद तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे और नीतीश कुमार के बेटे को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। लालू यादव की गणना यह है कि अगर नीतीश कुमार पाला बदलते हैं तो इसका सीधा असर नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार पर पड़ेगा। भाजपा ने पिछला लोकसभा चुनाव 240 सीटों के साथ जीता था, जबकि एग्ज़िट पोल्स ने उसके लिए 400 सीटों का अनुमान लगाया था, इसलिए अब भाजपा अपनी सरकार को बचाए रखने के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर निर्भर है।

भाजपा पिछले छह महीनों से बिहार चुनाव को सूक्ष्म स्तर पर नियंत्रित करने में लगी हुई है और हर हाल में सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है।

लेकिन ज़मीनी स्तर पर लोगों का कहना है कि, भाजपा और जद (यू) दोनों के समर्थन आधार में बड़ी गिरावट आई है। यह सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए बुरी खबर है, भले ही एग्ज़िट पोल्स एक चमकीली तस्वीर पेश कर रहे हों। इतिहास बताता है कि बिहार के मामले में एग्ज़िट पोल्स शायद ही कभी सही साबित हुए हों।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार की जान ली

जयपुर, 13 नवम्बर। हरमाड़ा थाना इलाके के सीकर हाईवे पर गुरुवार को फिर एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक की जान ले ली और दूसरे को गंभीर रुप से घायल कर दिया। हादसे के बाद डंपर चालक गाड़ी छोड मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भिजवाया। वहीं, मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर

- जयपुर-सीकर हाईवे पर बाइक को कुचलने के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग गया।

पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

दुर्घटना थाना वेस्ट में तैनात हेड कॉन्स्टेबल भरत सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश निवासी सोनू (30) अपने साथ गौरीशंकर (29) निवासी बरवाड़ा सामोद निवासी के साथ सोलर प्लांट लगाने का काम करता है। दोनों दोस्त गुरुवार सुबह साढ़े 10 बजे अपने किसी काम से सीकर हाईवे पर स्थित टोडी मोड़ तिराहे से होते हुए चौमू से जयपुर आ रहे थे। इसी दौरान टोडी मोड़ पर तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से बाइक को जोरदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर सरकार नहीं बनी तो नीतीश का हम क्या करेंगे'

भाजपा में इस असमंजस की स्थिति को लेकर काफी सोच व चिंतन चल रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। बिहार में 14 नवंबर को होने वाली मतगणना से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व में असमंजस और बेचैनी का माहौल है। चिंता इस बात की है कि अगर पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर नहीं उभरती, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कैसे निपटा जाए।

अत्यधिक महत्वपूर्ण बिहार विधानसभा चुनाव को भाजपा के लिये प्रतिष्ठा की लड़ाई माना जा रहा था, लेकिन इसके नतीजे आने से पहले ही पार्टी के राज्य और केन्द्रीय नेतृत्व के बीच रणनीति, नेतृत्व और भविष्य के गठबंधनों को लेकर पुराने मतभेद, अप्रत्याशित रुप से, फिर उभर आए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, "नीतीश फैक्टर" ने बिहार भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) दोनों के भीतर गहरी हलचल पैदा कर दी है। अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि मुख्य विवाद उस राजनीतिक जोखिम को लेकर है, जो भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा न बनाकर उठाया, जबकि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता और मतदाता जमीनी स्तर पर उनके जबरदस्त समर्थक थे।

- इस संभावना से भाजपा नेतृत्व में भी मतभेद उभरने लगे हैं, पार्टी की चुनावी रणनीति को लेकर।
- साथ ही भाजपा व आरएसएस में भी इस विषय से खिंचाव पैदा हो रहा है कि क्या नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट नहीं करने का निर्णय सही था।
- भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने पक्का मन बना लिया था कि नीतीश को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहिए और भाजपा को बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए।
- भाजपा के रणनीति विशेषज्ञ भी अब यह स्वीकार कर रहे हैं कि अगर आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती है और कांग्रेस का प्रदर्शन भी कुछ बेहतर होता है तो मोमैन्टम तेजस्वी यादव के पक्ष में हो जाएगा, इसलिए आरजेडी बड़ा आक्रामक रूख अपना रही है और भाजपा को किसी भी तरह से राजनीतिक चालबाजी का मौका नहीं देना चाहती तथा जल्द से जल्द बहुमत प्रदर्शित करना चाहती है।

पटना में भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने स्वीकार किया कि नेतृत्व ने शायद नीतीश कुमार की निरंतर राजनीतिक प्रासंगिकता को कम करके आंका। उन्होंने कहा, "केन्द्रीय नेतृत्व बिहार में भाजपा की स्वतंत्र पहचान स्थापित करने के लिए कटिबद्ध था।" लेकिन अब पीछे मुड़कर देखें तो नीतीश को अलग रखना महंगा साबित हो सकता है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि अगर नतीजों के बाद संख्या बल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सख्त सुरक्षा इंतजामात के बीच सुबह आठ बजे मतगणना शुरु होगी पटना में

भाजपा ने जीत की खुशी में आयोजित होने वाले आयोजनों के लिए भारी मात्रा में लड्डुओं का ऑर्डर दिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले, जहाँ एक ओर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, वहीं, दूसरी ओर जश्न की तैयारियाँ भी जोरों पर हैं। भाजपा ने अपनी संभावित जीत के जश्न के लिए लड्डुओं का ऑर्डर दे दिया है।

पटना में माला बेचने वाले भी उम्मीद कर रहे हैं कि जीत चाहे किसी भी पक्ष की हो, उनका कारोबार तो अच्छा ही रहेगा।

मतगणना शुक्रवार, 14 नवंबर को सुबह 8 बजे शुरु होगी। अगर एग्ज़िट पोल सही साबित हुए और सत्तारुढ़ एनडीए (जेडीयू-भाजपा गठबंधन) की लहर चली, तो शुरुआती रुझान जल्द ही

- माल बनाने वाले भी बहुत खुश हैं, चाहे जो जीते और जो हारे, उनका धंधा खूब चलेगा शुक्रवार को।
- सुरक्षा व्यवस्था दो चक्रों में की गई है, अंदर का चक्र केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल को सौंपा गया है तथा बाहरी चक्र राजकीय पुलिस संभालेगी।
- वोटिंग मशीनें डबल लॉक सिस्टम से सुरक्षित कर स्ट्राँग रूम में रखी गई हैं तथा 7.4 करोड़ मतदाताओं का निर्णय दोपहर तक सामने आ जाएगा।

साफ हो सकते हैं।

इसी बीच, विपक्ष ने गुरुवार को एक बार फिर "चुनावी गड़बड़ी" की आशंका जताई है और कहा है कि हाल के समय में एग्ज़िट पोल तो कई बार गलत साबित हुए हैं।

नतीजे तय करेंगे कि क्या राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार एक बार फिर शपथ लेंगे, या फिर विपक्षी महागठबंधन, जिसमें इंडिया ब्लॉक की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नई भर्ती में 2021 के अभ्यर्थियों को आयु में छूट नहीं

जयपुर, 13 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेपर लीक से प्रभावित एसआई भर्ती-2021 में शामिल रहे अभ्यर्थियों को साल 2025 की भर्ती में आयु सीमा में छूट देने के संबंध में एकल पीठ की ओर से दिए आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। अदालत

- हाई कोर्ट की खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश पर रोक लगाई।

ने माना कि एकलपीठ की ओर से अपने आदेश में की गई टिप्पणियां अनावश्यक थीं। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए दिए।

अपील में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि एकलपीठ के समक्ष केवल यह विचारणीय बिंदु था कि एसआई भर्ती-2021 में शामिल हुए अभ्यर्थियों को नई भर्ती में आयु सीमा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी सरकार की लाल किले के पास हुए आतंकवादी विस्फोट पर प्रतिक्रिया कुछ ज्यादा संयमित नहीं थी?

द वायर के संपादक सिद्धार्थ वर्धराजन ने इस संयमित प्रतिक्रिया का कारण ट्रंप व अमेरिका की अपरिपक्व सोच बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। दिल्ली में सोमवार को लाल किले के पास हुये बम विस्फोट में 13 लोगों की मौत के बाद मोदी सरकार की प्रतिक्रिया बेहद संयमित रही। मंगलवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में केवल एक सामान्य प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें न तो किसी संगठन का नाम लिया गया, न ही किसी देश पर उंगली उठाई गई। यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस कड़े बयान से बिल्कुल अलग थी, जो उन्होंने 12 मई को "ऑपरेशन सिंदूर" को "रोकने" के तुरंत बाद दिया था:

"पहला, अगर भारत पर आतंकी हमला होता है, तो उसका माकूल जवाब दिया जाएगा...

"दूसरा, भारत किसी भी तरह के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत उन आतंकी ठिकानों पर सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा, जो परमाणु धमकियों की आड़ में विकसित हो रहे हैं...

"तीसरा, हम आतंकवाद को पोषित करने वाली सरकार और आतंक के सूत्रधारों के बीच कोई फर्क नहीं करेंगे।

- शायद सरकार को आशंका थी कि यह कहना मुश्किल है कि ट्रंप इस विध्वंसकारी गतिविधि का कौन सा पहलू पकड़ कर अनर्गल बयानबाजी शुरु कर दें, जैसा ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुआ था।

"द वायर" के सम्पादक सिद्धार्थ वरदराजन लिखते हैं, दिल्ली धमाके के बाद दिखाई गई इस संयमित प्रतिक्रिया का कारण शायद यह है कि घटना की पूरी तस्वीर अभी साफ़ नहीं है। हालाँकि यह सवाल भी उठता है कि अगर स्थिति इतनी अस्पष्ट थी तो प्रधानमंत्री ने पहले से इतना आक्रामक और अव्यावहारिक रुख क्यों अपनाया था। वे यह भी लिखते हैं कि यह इसलिए भी हो सकता है कि प्रधानमंत्री को पता है कि जब भारत ने पहले पहलगाम हमले के बाद सैन्य कार्रवाई की थी तो विश्व समुदाय, खासकर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति, ने कैसी प्रतिक्रिया दी थी।

सरकार की चुप्पी के बावजूद, मीडिया के कुछ हलकों में "तुर्की एंगल" को लेकर अटकलें शुरू हो गईं। इस पर अंकारा (तुर्की) ने कड़ा बयान जारी करते हुए "भारत और तुर्की के द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही दुष्प्रचार मुहिम" की कड़ी निंदा की।

विजयता सिंह कहती हैं, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जिस "आतंकी मॉड्यूल" की जांच की जा रही है, उससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने लद्दाख में 1962 से बंद एयर बेस चालू किया

नयी दिल्ली, 13 नवम्बर। भारत ने पूर्वी लद्दाख में अपनी सैन्य तैयारियों को पुख्ता करते हुए चीन के साथ 1962 की लड़ाई के बाद से बंद पड़े सामरिक रूप से महत्वपूर्ण न्योमा एयर बेस को एक बार फिर से सक्रिय रूप से चालू कर दिया है।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बुधवार को खुद वहां जाकर

- वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सामारिक रुप से महत्वपूर्ण एयर बेस का उद्घाटन किया।

इसका उद्घाटन किया। एयर चीफ मार्शल वायु सेना के भारी भरकम मालवाहक विमान सी-130 जे से वहां उतरे और एयर बेस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ वायु सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख भी थे।

दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश सरकार इस्लामिक ताकतों के आगे झुकी तथा फरवरी 2026 में चुनाव कराने की घोषणा की

बांग्लादेश की इस्लामिक ताकतें नहीं चाहती थीं कि अन्य राजनीतिक दलों को मौका मिले चुनाव प्रचार करने का या संगठित होने का और यकायक चुनाव करा दिये जाएं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवंबर। पड़ोसी देश बांग्लादेश फरवरी 2026 में आम चुनाव कराने जा रहा है। इसी के साथ एक "राष्ट्रीय चार्टर" पर जनमत संग्रह भी कराया जाएगा। फरवरी में चुनाव कराने की इस अचानक घोषणा से कई लोग हैरान हैं, क्योंकि इसके लिए तैयारी का समय बहुत कम बचा है।

वर्तमान अंतरिम सरकार, जिसके मुखिया मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस हैं, एक तरह से बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामिक ताकतों के दबाव में झुकती दिख रही है, क्योंकि इन्हीं तत्वों ने जल्दी चुनाव कराने की मांग की थी, ताकि मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियाँ अचंभे में पड़ जाएँ और तैयारी न कर सकें।

भारत के दृष्टिकोण से बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से चुनी गई सरकार का गठन स्वागत योग्य होगा, लेकिन अंतरिम सरकार के कुछ कदम, खासकर इस्लामिक और आतंकी संगठनों को फिर से बांग्लादेश में पैर जमाने की अनुमति देना, भारत के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता का कारण बन रहे हैं।

हाल की रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी मसूद अजहर का एक शीर्ष सहयोगी हाल ही में बांग्लादेश में था। उसने भारत-बांग्लादेश सीमा के कुछ हिस्सों का दौरा भी किया, संभवतः भारत के खिलाफ किसी गतिविधि की योजना के लिए।

- जैसा कि विदित ही है, प्रमुख राजनीतिक पार्टी अवामी लीग पर अभी भी प्रतिबंध लगा हुआ है तथा राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने का मौका नहीं दिया गया है उन्हें।
- गत वर्ष विद्यार्थियों के एक आंदोलन में अवामी लीग की सरकार का तख्ता पलट कर नया भ्रष्टाचार युक्त सिस्टम स्थापित करने का संकल्प लिया था।
- अभी छात्र आंदोलन भी चुनाव करवाने के पक्ष में नहीं हैं व नया संविधान बनाना चाहते हैं, जिससे बहु जाति, बहु धर्म, बहु भाषा से सुसज्जित राष्ट्र बने बांग्लादेश।
- पर, किसकी चलेगी, राष्ट्रवादी छात्र आंदोलन की या इस्लामिक ताकतों की, जो पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से सहयोग करना चाहती है, इस्लामिक एकता के नाम पर।

ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान भी बांग्लादेश में अपने भारत-विरोधी षड्यंत्रों के लिए फिर से प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

वर्तमान सत्तारूढ़ तत्व कट्टर भारत-विरोधी हैं और उन्होंने पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठनों को बांग्लादेश में अपनी पकड़ मज़बूत करने में मदद दी है।

इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी ने मांग की है कि बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तभी संभव हैं, जब आवामी लीग पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए। अवामी लीग, जिसने देश की आज़ादी के बाद अधिकांश समय शासन किया, को सरकार के खिलाफ सफल जनविद्रोह के बाद प्रतिबंधित कर दिया गया था।

पिछले वर्ष हुए छात्र आंदोलन ने अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया और प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया। शेख हसीना भारत में शरण लेकर अब यहीं रह रही हैं। बांग्लादेश सरकार ने भारत से उन्हें सौंपने की मांग की है, ताकि उनके विरुद्ध चल रहे मुकदमे की सुनवाई आगे बढ़ाई जा सके।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन और व्यापक हिंसा के बाद, आंदोलनकारी छात्र नेताओं और अन्य समूहों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुणे में 25 गाड़ियां टकराईं, 9 की मौत

पुणे, 13 नवम्बर। पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ट्रक सबसे पहले एक कार से टकराया। कार आगे जा रहे कंटेनर से भिड़ गई और

- ब्रेक फेल होने से ट्रक कार से टकराया, जो कंटेनर से टकराई और आग लग गई, फिर और गाड़ियां टकराती गईं।

उसमें आग लग गई। ट्रक भी जल गया।

हादसे में कार सवार 5 लोग जिंदा जल गए। ट्रक ड्राइवर समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनर और ट्रक के बीच दब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

ज्ञानी जन विवेक से सीखते हैं, साधारण मनुष्य अनुभव से, अज्ञानी पुरुष आवश्यकता से और पशु स्वभाव से। –कौटिल्य

ईज ऑफ जस्टिस के बिना अधूरी है, ईज ऑफ डूईंग तथा ईज ऑफ लिविंग की परिकल्पना

दिनांक 8-9 नवम्बर, 2025 को दिल्ली में नालसा (नेशनल लिगल सर्विसेज ऑथोरिटी) द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली की प्रिमीसेज में आयोजित किया जाता था। चर्चा का विषय था 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र को सशक्त बनायें'। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। अपने उद्घाटन भाषण में मोदी ने कहा, 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र की दृढ़ता तथा कानूनी प्रक्रिया से सम्बन्धित यह कार्य प्रणाली न्यायिक व्यवस्था को शक्तिशाली धरातल देगा अतः आयोजन के हेतु आप सबको बधाई देता हूँ। साथ ही मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईज ऑफ जस्टिस के बिना ईज ऑफ डूईंग और ईज ऑफ लिविंग तभी संभव है जब ईज ऑफ जस्टिस अर्थात् न्याय आसानी से अन्तिम व्यक्ति तक पहुँच सके। मोदी ने ईज ऑफ जस्टिस पर यह भी घोषित किया कि कानून की भाषा सरल सुगम्य होनी चाहिये ताकि न्याय प्राप्त करने वाला व्यक्ति इसे समझ सके।

राष्ट्रीय अधिवेशन में जस्टिस सूर्यकान्त की उपस्थिति बहुत ही प्रभावशाली थी। अपने Valedictory भाषण में उन्होंने ईज ऑफ जस्टिस की बहुत सुन्दर व्याख्या की। जस्टिस सूर्यकान्त नालसा के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। उनका कहना है कि नालसा ने न्याय की चाह को देश के कोने-कोने तक पहुँचाया है। वहाँ तक पहुँचाया है जहाँ वे लोग हैं, जो देश की निगाहों में खो चुके थे, जिनकी आवाज अनसुनी थी।

राष्ट्रीय अधिवेशन दो दिन का था। कई विषयों पर चर्चायें इन दो दिनों में की गईं। जस्टिस सूर्यकान्त ने ऑपनिंग सेशन्स में "Institutional Defence for Inclusive Justice" विषय पर चर्चा प्रारम्भ करते हुये नालसा की भूमिका को सराहा। उन्होंने पेनल लॉयर्स (PLVS) द्वारा कानूनी सहायता दिये जाने को अभूतपूर्व कर्म की संज्ञा दी।

जस्टिस सूर्यकान्त के अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और जस्टिस विक्रमनाथ का भाषण भी बहुत प्रभावशाली व ज्ञानवर्धक था। ईज ऑफ जस्टिस की भूमिका का विस्तार से उन्होंने विवेचन किया था उनका कहना था न्याय के दरवाजे सबके लिये खुले हैं, यहाँ धर्म जाति आदि के भेदभाव का कोई बंधन नहीं है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने जो नालसा के Patron-in-Chief हैं, ने उन न्यायायिक अधिकारियों को जो डेपूटेशन पर भेजे जाते हैं, आव्हान करते हुये कहा कि न्याय आसान हो, तब ही सम्भव है, जब वह संवेदनशील और मानवीय होकर न्याय चाहने वालों तक सुगम व त्वरित गति से पहुँचाया जा सके।

न्याय केवल वह न्याय नहीं है जो विवाद होने पर दो पक्षों में के मध्य न्यायालय करता है। संविधान के प्रियम्बल में तीन प्रकार के न्याय की बात कही गई है सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय। इसे क्रमशः हम देखें तो पायेंगे कि सामाजिक न्याय की प्रथम आवश्यकता तथा आर्थिक न्याय दूसरे और राजनीतिक न्याय तीसरे स्थान पर रहता है।

राष्ट्रीय अधिवेशन में, जिसका उल्लेख ऊपर किया है देश के प्रधानमंत्री और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट शब्दों में स्वीकार किया है कि न्याय की भाषा वही हो जो न्याय पाने वाले को समझ में आये। संविधान की 8वीं अनुसूची में दी गई भाषायें ही भारत की भाषायें हैं इनमें विदेशी भाषा अंग्रेजी का कोई स्थान नहीं है। फिर अंग्रेजी अभी तक क्यों?

इस देश में पैदा होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मूल अधिकार दिये हैं, जिनका उल्लेख संविधान के तीसरे अध्याय में दिये हैं। ये राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक अधिकार हैं। दूसरे व तीसरे अधिकारों का उल्लेख संविधान के चतुर्थ चेप्टर में दिये हैं। इनकी पूर्ति करना राज्य का कर्त्तव्य है।

आरक्षण का अधिकार सामाजिक न्याय का एक पहलु है। संविधान ने अनुच्छेद 14 में घोषित किया कि राज्य देश में किसी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता से या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, या जन्म स्थान लिंग के आधार पर विभेद का प्रतिषेध किया गया है।

न्याय आसान तभी होगा जब न्याय सभी को मिले, जिसे नागरिक अपनी भाषा में समझे। जीवन को आसान बनाने के हेतु न्याय में सुगमता और पहुँच तथा त्वरित जरूरी है।

मोदी जी ने सही कहा है कि न्याय में सुगमता सुनिश्चित हो, न्याय सभी के लिये हो, समय पर मिले, हर व्यक्ति तक पहुँचे वह भी सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से बिना भेदभाव किये। न्याय प्रत्येक पीडित व्यक्ति को उसकी अपनी भाषा में मिले।

हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को जहाँ 7 माननीय जज एक बात कहते हैं तो 6 न्यायाधीश दूसरी बात। जब इस पहेली का निर्णय बडे-2 न्यायाधीश भी नहीं कर पाये हैं तो एक बिना लिखा व्यक्ति क्या उस निर्णय को समझ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की पीठ के कई निर्णय हैं जहाँ वे आपस में सहमत नहीं है, फिर गरीब के पास साधन कहाँ है कि जीवन भर मुकदमा लड़ता रहे? वह तो भूखा ही कोर्ट गया था भूखा ही मर जावेगा।

वर्तमान समय में सुप्रीम कोर्ट ने 80000 से ज्यादा निर्णयों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कराया है। यह एक सराहनीय कदम है। पुराने सैकड़ों कानूनों को समाप्त किया है नये युग के हेतु नये कानून बनाये हैं 1949 में जब आजादी के बाद राजस्थान राज्य बना, उस समय राजस्थान हाईकोर्ट की भाषा हिन्दी थी (देखिये राजस्थान हाईकोर्ट ऑर्डिनेन्स, 1949)। आज भी देश के हाईकोर्ट्स व सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी ही है। हाँ राजस्थान में 1987 के बाद से हिन्दी में कुछ नगण्य निर्णय हुये हैं। किन्तु सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी है। अनुच्छेद 348 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट्स में प्रयोग की जाने वाली अंग्रेजी भाषा रखी गई है किन्तु यह प्रतिबंध स्थायी नहीं है, संसद कानून बनाकर हिन्दी को उसका स्थान दे सकती है। हिन्दी राज्य भाषा है, इसमें कोई शंका नहीं है। (पढ़िये अनुच्छेद 343)।

उपरोक्त राष्ट्रीय सम्मेलन ने सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश और नये होने वाले मुख्य न्यायाधीश व अन्य न्यायाधीशों ने तथा पी एम मोदी ने एक स्वर में कहा है कि न्याय आसान हो वह तभी हो सकता है जब न्याय प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाषा में समझे। फिर समझ से परे है कोर्ट्स की भाषा अंग्रेजी क्यों है, क्यों नहीं संसद इस हेतु कानून बना दे? संविधान के अनुच्छेद 120 में संसद की भाषा हिन्दी 26 जनवरी 1965 के बाद हो चुकी है तो फिर विलम्ब क्यों? राष्ट्रीय अधिवेशन में, जिसका उल्लेख ऊपर किया है देश के प्रधानमंत्री और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट शब्दों में स्वीकार किया है कि न्याय की भाषा वही हो जो न्याय पाने वाले को समझ में आये। संविधान की 8वीं अनुसूची में दी गई भाषायें ही भारत की भाषायें हैं इनमें विदेशी भाषा अंग्रेजी का कोई स्थान नहीं है। फिर अंग्रेजी अभी तक क्यों? लेखक के कहने का यह अभिप्राय नहीं है कि अंग्रेजी के प्रयोग को तत्काल समाप्त कर दिया जावे। हाँ, इसका प्रयोग प्रारम्भ कर दिया जावे और 15 वर्ष की अवधि के बाद सुप्रीम कोर्ट का कार्य पूर्ण रूप से हिन्दी में स्वतः हो।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भगवान बिरसा मुंडा और गोविंद गुरु : जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता चेतना के अमर प्रतीक

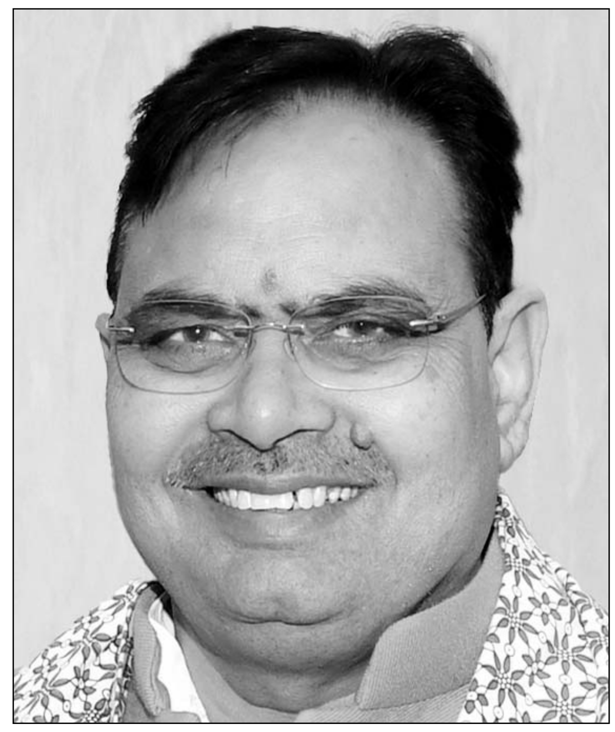

भजनलाल शर्मा

भारत का स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आदिवासी समाज ने अपने साहस, स्वाभिमान और अदम्य इच्छाशक्ति से अंग्रेज साम्राज्य की नींव हिला दी। इनमें भगवान बिरसा मुंडा का नाम सर्वोपरि है। बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में ही आदिवासी चेतना, स्वतंत्रता और संस्कृति की मशाल जलाकर एक अमर अध्याय रचा।

झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातु गांव में 15 नवंबर 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा ने यह दिखा दिया कि आयु नहीं, उद्देश्य की गहराई ही इतिहास रचती है। मात्र 25 वर्ष की आयु में वे ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक विराट आंदोलन के जनक बने। उन्होंने आदिवासी समाज को 'उलगुलान' अर्थात महान जनविद्रोह के लिए संगठित किया। यह केवल अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की पुनः प्राप्ति का आंदोलन था।

बिरसा मुंडा का उदघोष अबुआ दिशुम, अबुआ राजअर्थात हमारा देश, हमारा राज आदिवासी अस्मिता की पहचान बन गया। उन्होंने अंग्रेजों के आदिवासियों की पारंपरिक खुंटकटी व्यवस्था समाप्त करने के भूमि कानूनों को चुनौती दी। आदिवासियों की भूमि बाहरी जमींदारों और महाजनों के कब्जे में चली गई थी। बिरसा ने इस अन्याय के विरुद्ध स्वराज का शंखनाद किया।

उनका संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक भी था। उन्होंने 1895 में एकेश्वरवाद पर आधारित बिरसाइत धर्म की स्थापना की। उन्होंने अपने अनुयायियों को अंधविश्वास, शराब, जादू-टोना और पशु बलि जैसी कुरीतियों से मुक्त होकर सत्य, संयम और सेवा का मार्ग अपनाने का संदेश दिया। उनका संदेश था कि ईश्वर हर मनुष्य में विद्यमान है, सच्ची पूजा सेवा में है। उन्होंने औषधीय जड़ी-बूटियों से लोगों का उपचार किया। उन्हें आत्मनिर्भरता सिखाई और आत्मसम्मान की भावना जगाई। उनके विचारों ने आदिवासी समाज को यह विश्वास दिया कि वे स्वयं अपने भाग्य के निर्माता हैं। ब्रिटिश सरकार ने 3 फरवरी 1900 को गिरफ्तार कर उन्हें रांची जेल में बंद कर दिया। मात्र 25 वर्ष की आयु में 9 जून 1900 को उनकी रहस्यमय मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद भी आंदोलन की लहर नहीं थमी। उनकी स्मृति में छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट, 1908 लागू हुआ। आदिवासियों की भूमि की रक्षा के लिए यह ऐतिहासिक कानून सिद्ध हुआ।

बिरसा मुंडा की रांची के कोकर में स्थित समाधि पर हजारों लोग हर वर्ष उन्हें नमन करते हैं। उनकी तस्वीर संसद भवन में स्थापित है और उनके जन्मदिन 15 नवंबर को भारत सरकार ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना आरंभ किया है। यह केवल उन्हें श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक आदिवासी वीर को सम्मान देने का प्रतीक है।

राजस्थान की जनजातीय चेतना : गोविन्द गुरु का आंदोलन

बिरसा मुंडा के समानांतर, राजस्थान की भूमि पर भी गोविन्द गुरु के नेतृत्व में एक ऐसी ही तेजस्वी क्रांति हुई और वे बांसवाड़ा-डूंगरपुर क्षेत्र में जनजातीय समाज के पथप्रदर्शक बने। उन्होंने भील, गरासिया और अन्य जनजातियों में व्याप्त अंधविश्वास, मद्यपान और शोषण के खिलाफ आंदोलन चलाया। गोविन्द गुरु ने भगत आंदोलन के माध्यम से आदिवासियों को अपनी भूमि, जल और जंगल की रक्षा स्वयं करने का संदेश दिया। उन्होंने सत्य, संयम और एकता को जीवन का आधार बनाया। उनका आंदोलन धीरे-धीरे सामाजिक सुधार से बढ़कर स्वतंत्रता संग्राम का रूप ले गया।

गोविन्द गुरु के नेतृत्व में मानगढ़ पहाड़ी पर 17 नवंबर 1913 को हजारों भील पुरुष, महिलाएं और बच्चे स्वतंत्रता के लिए एकत्र हुए। अंग्रेज सेना ने इस शांतिपूर्ण सभा पर गोलियां चला दीं और सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों घायल हुए। यह घटना राजस्थान का जलियांवाला बाग कहलाती है। गोविन्द गुरु को आजीवन कारावास दिया गया, लेकिन उनकी चेतना ने आदिवासी समाज को सदा के लिए जागृत कर दिया।

राजस्थान के मोती भाई, कालूजी, नाथू जी और जोगिया भील सहित अन्य भील नेताओं ने भी स्थानीय स्तर पर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। यह संघर्ष किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और न्याय की पुकार था। आज भी मानगढ़ पहाड़ी जनजातीय शौर्य और बलिदान का पवित्र तीर्थ है।

आज जब भारत विकास के नए अध्याय लिख रहा है, बिरसा मुंडा के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठे हैं। उनका सन्देश प्रकृति के साथ सामंजस्य, संस्कृति के प्रति सम्मान और समाज के प्रति संवेदना और सतत विकास की असली नींव का था।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान और जनजातीय दर्पण जैसे अनेक कार्यक्रम आरंभ किए हैं। यह सभी कार्यक्रम बिरसा मुंडा की प्रेरणा से ही जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर हैं।

भगवान बिरसा मुंडा और गोविन्द गुरु जैसे जननायक केवल इतिहास के अध्याय नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने यह सिखाया कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, संस्कृति और न्याय की चेतना है। उनके संघर्ष ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की आज़ादी की जड़ें गांवों, वनों और पर्वतों की मिट्टी में भी गहराई से धंसी हुई है। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनकी उस लौ को सदैव प्रज्वलित रखें जो जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ मानवता, समानता और स्वराज की राह दिखाती है। भगवान बिरसा मुंडा केवल धरती आबा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के अमर दीप हैं।

–भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

औपनिवेशिक शोषण के विरोध व आदिवासी पहचान के प्रतीक बिरसा मुंडा को पीएम मोदी की सच्ची श्रद्धांजलि

राजस्थान सहित देशभर में धरती आबा अभियान से जनजाति वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, राजस्थान देश में नम्बर-1

कुंजीलाल मीणा, आईएएस

15 नवम्बर को जब हम जनजातीय गौरव दिवस मना रहे हैं, महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा को याद करना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। "धरती आबा" यानी धरती के पिता के नाम से प्रसिद्ध बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में राष्ट्र और जनजाति समुदाय के लिए जो कार्य किए, वे सदियों तक प्रेरणा देते रहेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड के उलिहातू गाँव में हुआ था। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही आदिवासी समाज पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और ईसाई मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को महसूस किया। बिरसा मुंडा का जीवन ब्रिटिश उपनिवेशवाद, साहूकारों के शोषण और जमींदारी प्रथा के क्रूर गठजोड़ के खिलाफ एक अटूट संघर्ष था। उन्होंने देखा कि किस तरह उनकी मुंडा जनजाति की खुंटकट्टी (सामुदायिक स्वामित्व) कृषि प्रणाली को छीना जा रहा है और उन्हें बेगार (बंधुआ मजदूरी) करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 19वीं शताब्दी के अंत तक ब्रिटिश शासन ने अपने क्रूर वन कानूनों (जैसे भारतीय वन अधिनियम 1865 और 1878) के माध्यम से आदिवासियों को उनकी पारंपरिक वन भूमि से वंचित कर दिया। उन्होंने जंगलों को व्यावसायिक लाभ के लिए आरक्षित वन घोषित कर दिया जिससे आदिवासियों को लकड़ी काटने, मवेशी चराने, वनोत्पाद इकट्ठा करने या पारंपरिक शिकार करने से रोक दिया गया। इससे आदिवासियों की आजीविका और उनकी प्राचीन जीवनशैली पर सीधा हमला हुआ। बिरसा मुंडा ने इस शोषणकारी नीति और पर्यावरणीय विनाश के खिलाफ पुरजोर आवाज़ उठाई। उनका मानना था कि भूमि, जल और जंगल पर आदिवासियों का सामूहिक अधिकार है और इन संसाधनों का उपयोग केवल सतत और न्यायपूर्ण तरीके से ही किया जाना चाहिए, न कि अनियंत्रित दोहन के लिए।

इस शोषण के विरुद्ध उन्होंने उलगुलान (महान विप्लव) आन्दोलन का आव्हान किया। यह केवल भूमि के लिए विद्रोह नहीं था, जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के पैतृक अधिकार, उनकी संस्कृति और उनकी पहचान को बचाने की लड़ाई थी। बिरसा ने आदिवासियों को एकजुट किया, उनके बीच व्याप्त जाति और उपजाति के भेदों को मिटाया और उन्हें यह एहसास दिलाया कि वे भी सम्मान और अधिकारों के पात्र हैं। उन्होंने अपने लोगों को यह सिखाया कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना और अपनी गरिमा के लिए लड़ना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने आदिवासियों को उनकी पारंपरिक न्यायिक प्रणाली, जैसे पड़ा पंचायत और मानकी-मुंडा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने विवादों का निपटारा स्वयं कर सकें और बाहरी अदालतों पर निर्भर न रहें। उनका अबुआ राज (अपना राज) का विचार केवल ब्रिटिश शासन से राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था, बल्कि एक ऐसे समाज की कल्पना थी जहाँ सभी को समान अधिकार मिलें, जहाँ किसी भी प्रकार का शोषण न हो और जहाँ हर व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जी सके।

बिरसा मुंडा ने अपने अनुयायियों को संगठित किया, उन्हें शस्त्रों के बजाय आत्म-विश्वास और सत्यनिष्ठा का बल दिया। 1897-1900 का बिरसा आंदोलन ब्रिटिश दमनकारी नीतियों एवं सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक प्रत्यक्ष और सशक्त चुनौती थी, जिसमें आदिवासियों ने अपने अधिकारों के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध संगठित विरोध किये। जनवरी, 1900 में डोम्बरी पहाड़ी पर जन सभा को संबोधित करते वक्त अंग्रेज सेना के साथ बिरसा मुंडा का टकराव हुआ एवं फरवरी में चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से अंठोजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने कैद कर रांची कारागार में रखा, जहाँ अंठोजों द्वारा इस आदिवासी महानायक को कई कठोर याजनाऐं देते हुए अन्ततः कारागार में बिरसा मुंडा जी की रहस्यमी परिस्थितियों में 9 जून, 1900 को मृत्यु हो गई।

बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं थे, अपितु एक दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। उन्होंने देखा कि जनजाति समुदाय में असंगठन, अशिक्षा, आर्थिक तंगी का गलत लाभ उठाते हुए ईसाई मिशनरियों द्वारा भोले-भाले आदिवासियों का धर्मान्तरण किया जा रहा है एवं आदिवासियों को उनकी गौरवशाली प्राचीन परम्पराओं से विमुख किया जा रहा है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को उनके धर्म एवं परम्पराओं से जोड़ने के लिए कमर कसी एवं लगभग 1894-95 के आसपास बिरसा ने एक आध्यात्मिक और सामाजिक-धार्मिक आंदोलन की शुरुआत की, जिसे बिरसाइत पंथ के नाम से जाना जाता है।

यह पंथ मूल मुंडा परंपराओं और एकेश्वरवाद का एक अनूठा संगम था, जिसमें केवल सिंगबोंगा (सूर्य देवता) की पूजा पर जोर दिया गया और जनजाति समुदाय में साफ-सफाई, शुद्धता तथा नैतिकता को जीवन का आधार माना गया। उन्होंने जनजातीय समुदाय को अंधविश्वासों, पशु बलि और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का उपदेश दिया। उनका यह प्रयास दिखाता है कि उन्होंने केवल बाहरी शत्रुओं से नहीं बल्कि आंतरिक बुराइयों से भी लड़ने का बीड़ा उठाया था। बिरसा मुंडा की शहादत के वर्षों बाद भी, उनका संदेश आज भी गूँजता है। उनके संघर्ष ने जनजातीय समुदायों को अधिकार और न्याय के लिए लड़ना सिखाया। उनकी प्रेरणा से ही, देश में वन अधिकार अधिनियम ,पेसा कानून और जनजातीय हितों की सुरक्षा के लिए कई संवैधानिक प्रावधान लागू हुए हैं।

बिरसा मुंडा हमें सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व संसाधनों या उम्र से नहीं, बल्कि साहस, नैतिकता और अपने लोगों के प्रति समर्पण से मापा जाता है। आज के भारत में, जब हम समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, तब हमें बिरसा मुंडा के उस सपने को याद रखना होगा जिसमे एक एक ऐसा समाज-निर्माण करने कि अभिलाषा है जहाँ हर व्यक्ति को गरिमा और स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार हो, और जहाँ प्रकृति का सम्मान सर्वोपरि हो। आइए, हम सब धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलें और उनके न्यायपूर्ण तथा समतावादी समाज के सपने को साकार करने में अपना योगदान दें।

भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल, ज़मीन की रक्षा के लिए जो आवाज़ उठाई, वह सिर्फ विद्रोह नहीं, आत्मसम्मान की आवाज थी। टंट्यया भील, गोविंद गुरु और काली बाई जैसे योद्धाओं ने राजस्थान में इसी आवास को विस्तार से गूंज दी, इस मिट्टी को अपने लहू से सींचा ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी पहचान न भूलें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं बिरसा की विरासत के संरक्षक :- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस सच्चाई को गहराई से समझा कि भारत की आत्मा उसकी जनजातियों में बसती है। सरकार विरासत भी, विकास भी के सिद्धांत पर काम कर रही है ताकि जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए धरती आबा अभियान शुरू किया। जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के लिए देशभर में संचालित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है।

धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम-जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है। इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं। राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं।

मिशन के उद्देश्यों में व्यक्तिगत अधिकारों, हकों और प्रमुख सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दस्तावेजों और लाभों की घर-घर डिलीवरी सुनिश्चित करना, सामुदायिक लामबंदी के माध्यम से सहभागी शासन को बढ़ावा देना शामिल है।इसके साथ ही जनजातीय युवाओं को डिजिटल योद्धा और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले के रूप में सशक्त बनाना, गांव और बस्ती स्तर पर एससीडी स्क्रीनिंग, जागरूकता और परामर्श भी मिशन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहा। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिरसा मुंडा के जन्म के 150 साल बाद उनकी विरासत, उनके स्वप्न, उनकी आंकांक्षाओं को राष्ट्रीय चेतना से एकाकार कर उनके सच्चे अनुयायी की भूमिका अदा की है।

कुंजीलाल मीणा, आईएएस,
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग,
राजस्थान

राशिफल

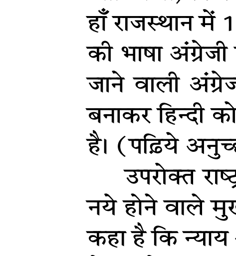

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 14 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:21 तक, वैधृति योग शनिवार प्रातः 6:26 तक, वणिज करण दिन 12:12 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:51 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9:21 तक है। भद्रा दिन 12:12 से रात्रि 12:50 तक रहेगी। बुध आज पश्चिम में दिन 1:28 पर होगा। आज वैधृति पुण्य, भगवान महावीर तप, कल्याणक दिवस है। आज जवाहरलाल नेहरू जयन्ती और बाल दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:10 तक, लाभ-अमृत 8:10 से 10:51 तक, शुभ 12:11 से 1:32 तक, चर 4:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:33 तक

मेष परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

वृष घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

मिथुन परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या एवं व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बन सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह व्यावसायिक प्रयासों में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी एवं धन हानि हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मीन विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

प्रधानाचार्य और अधीक्षक अब नहीं कर सकेंगे प्राइवेट प्रेक्टिस

मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने लिया निर्णय

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की मंजूरी के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, अतिरिक्त प्रधानाचार्य एवं संबद्ध अस्पतालों में अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए नियमों में बदलाव करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये दिशा-निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

चिकित्सा मंत्री खींवसर ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में मरीज भार अत्यधिक होने के साथ ही यहां प्रशासनिक कार्यों की अधिकता रहती है और विशेष परिस्थितियों में कार्य सम्पादन किया जाता है। ऐसे में मेडिकल कॉलेजों में पूर्णकालिक रूप से दक्ष एवं कुशल प्रशासक होना आवश्यक है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने विस्तृत विचार विमर्श के बाद प्रधानाचार्यों, अतिरिक्त प्रधानाचार्यों एवं अधीक्षकों के चयन एवं नियुक्ति के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, इस जनहितैषी निर्णय से स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा।

विभागाध्यक्ष एवं यूनिट हैड भी नहीं बन सकेंगे

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि परिपत्र के अनुसार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। वे अपने आचार्य या वरिष्ठ आचार्य जैसे पदीय कर्तव्यों के लिए एक चैथाई से ज्यादा समय नहीं देंगे।

■ **मेडिकल कॉलेज प्रधानाचार्य, अतिरिक्त प्रधानाचार्य एवं अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए नई गाइडलाइन जारी**

चयनित प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक को विभागाध्यक्ष या यूनिट हैड बनने की अनुमति नहीं होगी। इसके लिए उन्हें आवेदन पत्र के साथ इस संबंध में घोषणा पत्र भी देना होगा। उन्हें यह भी शपथ पत्र देना होगा कि वे पीएमसी के पद पर पूर्णकालिक रूप से कार्य करेंगे।

समिति करेगी चयन, अधिकतम आयु 57 वर्ष

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि राजकीय एवं राजमेस चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक पद के लिए वरिष्ठ आचार्य के पद पर कार्यरत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन के अनुसार पात्र शिक्षक ही आवेदन कर सकेंगे। यदि महाविद्यालय में पात्र चिकित्सक-शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, तो केंद्र या राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत पात्र चिकित्सक भी आवेदन कर सकेंगे। इस पद पर नियुक्ति मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से की जाएगी। समिति में कार्मिक विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव तथा राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय या मारवाड़ चिकित्सा महाविद्यालय के कुलपति सदस्य होंगे। इस पद पर आवेदन के लिए अधिकतम आयु सीमा 57 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रधानाचार्य के पद हेतु अधीक्षक या अतिरिक्त प्रधानाचार्य के पद पर 3 वर्ष का कार्य अनुभव एवं विभागाध्यक्ष के पद पर 2 वर्ष का अनुभव आवश्यक होगा।

प्रधानाचार्य का स्थानांतरण भी संभव

परिपत्र के अनुसार समिति द्वारा प्रधानाचार्य पद के लिए 3 चिकित्सा अधिकारियों का पैनल बनाया जाएगा। सक्षम स्तर से पैनल के अनुमोदन के उपरांत चयनित अधिकारी को प्रधानाचार्य के पद पर पदस्थापित किया जाएगा। राज्य हित में इन चयनित प्रधानाचार्यों को अन्य मेडिकल कॉलेज में भी स्थानांतरित किया जा सकेगा। इनका कार्यकाल प्रथमतः 3 वर्ष का होगा। इनके कार्यकाल में 2 वर्ष की अभिवृद्धि प्रशासनिक विभाग के अनुमोदन उपरांत की जा सकेगी। प्रधानाचार्य द्वारा पद पर कार्य करने में असमर्थता व्यक्त करने या उस पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अकुशलता एवं गंभीर आरोप होने पर राज्य सरकार द्वारा संबंधित जिला कलेक्टर, संभागीय आयुक्त या अन्य सक्षम अधिकारी अथवा समिति से जांच करवाई जा सकेगी।

वरिष्ठतम आचार्य बनेंगे अधीक्षक

इसी प्रकार अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए जारी परिपत्र के अनुसार एकल विशिष्टता युक्त शैक्षिणक चिकित्सालयों में संबंधित विशिष्टता के वरिष्ठ आचार्य को अधीक्षक नियुक्त किया जाएगा। यदि वरिष्ठ आचार्य द्वारा पद ग्रहण करने में लिखित रूप से असमर्थता व्यक्त की जाती है अथवा राज्य सरकार द्वारा उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता है, तो उसी संस्थान में कार्यरत अगले वरिष्ठ आचार्य को अधीक्षक नियुक्त करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बहुविशिष्टता वाले शैक्षिणक चिकित्सालयों में अधीक्षक की नियुक्ति चयन समिति की अनुशंसा के आधार पर की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में गठित इस समिति में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त, अतिरिक्त निदेशक (अस्पताल प्रशासन एवं एकेडमिक) एवं संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य सदस्य के रूप में शामिल होंगे। समिति द्वारा पात्र आवेदकों का साक्षात्कार लेकर नियुक्ति हेतु नामों का पैनल तैयार किया जाएगा, जिसमें से राज्य सरकार किसी एक चिकित्सक को अधीक्षक नियुक्त करेगी।

अन्य कॉलेज के चिकित्सक भी कर सकेंगे आवेदन

बहु विशिष्टता युक्त चिकित्सालयों के अधीक्षक पद पर नियुक्ति हेतु संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यरत विषयों के वे वरिष्ठ आचार्य या आचार्य पात्र होंगे, जो कम से कम 5 वर्ष की सेवा इन पदों पर पूर्ण कर चुके होंगे।

इनके उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में जो इस योग्यता के सबसे करीब हो, उनका चयन किया जा सकेगा। अगर मेडिकल कॉलेज में पात्र चिकित्सक उपलब्ध नहीं होंगे तो केंद्र या राज्य सरकार के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत पात्र चिकित्सक को आवेदन की अनुमति होगी। अधीक्षक के पद पर आवेदन करने वाले चिकित्सकों को इस पद पर पूर्णकालिक कार्य करने का शपथ पत्र देना होगा। वे अपने पदीय कर्तव्यों पर एक चैथाई से अधिक समय व्यतीत नहीं कर सकेंगे तथा एचओडी एवं यूनिट हैड के साथ ही निजी प्रैक्टिस भी नहीं कर सकेंगे। इनकी नियुक्ति प्रथमतः 3 वर्ष के लिए की जाएगी, जिसे प्रशासनिक विभाग के अनुमोदन से 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा।

अधिकतम 5 अतिरिक्त प्राचार्य बना सकेंगे

वर्तमान में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में अतिरिक्त प्रधानाचार्य के पदों एवं कार्यों के संबंध में एकरूपता नहीं है। इसे देखते हुए अब यह निर्धारित किया गया है कि किसी भी मेडिकल कॉलेज में 5 से अधिक अतिरिक्त प्रधानाचार्य नहीं होंगे। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में विभिन्न कार्यों के कुशल संचालन हेतु इनके दायित्व भी निर्धारित किए गए हैं।

ये एकेडमिक, रिसर्च एवं फैकल्टी अफेयर्स, स्टूडेंट अफेयर्स, प्रशासन तथा क्लिनिकल एवं हॉस्पिटल सेवाओं से संबंधित दायित्व संभालेंगे। सभी अतिरिक्त प्रधानाचार्य, प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक के निर्देशन में कार्य करेंगे तथा इन पदों पर नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर वरिष्ठ आचार्यों में से की जाएगी। इनकी नियुक्ति प्रथमतः 3 वर्षों के लिए की जाएगी। यदि किसी अतिरिक्त प्रधानाचार्य की सेवाएं असंतोषजनक पाई जाती हैं तो उसे समय से पहले भी हटाया जा सकेगा।

तीन साल की सेवा संतोषजनक पूर्ण करने वाले अधिकारी को सक्षम स्वीकृति उपरांत एक-एक वर्ष की अवधि के लिए तीन बार पुनर्नियुक्त किया जा सकेगा।

राजस्थान का 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

सीकर के बजरंग लाल जैथू ने प्रथम और श्रीगंगानगर के खरलां जल उपभोक्ता संगम ने हासिल किया तृतीय पुरस्कार

जयपुर (कासं)। राजस्थान के जल संरक्षण और संचयन के कार्य राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रहे हैं। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा घोषित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कारों-2024 में खरलां जल उपभोक्ता संगम, श्रीगंगानगर ने सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ श्रेणी में तृतीय एवं बजरंग लाल जैथू (सीकर) ने जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम पुरस्कार (पश्चिम क्षेत्र) प्राप्त किया है। इनके अतिरिक्त बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी ने स्कूल और कॉलेज के अलावा सर्वश्रेष्ठ संस्थान की इनसाइड कैंपस उपश्रेणी में द्वितीय-संयुक्त, अंबुजा फाउण्डेशन, जयपुर ने सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है। सीकर के बजरंगलाल जेठू वर्ष 1993 से जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। उन्होंने जल संसाधनों के जीर्णोद्धार, पुनर्स्थापन और संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। इसके अलावा, स्कूलों, उद्यानों और श्मशान जैसे सार्वजनिक स्थानों पर जल संरक्षण के विभिन्न नवाचार भी किए हैं। वहीं, श्रीगंगानगर के खरलां जल उपभोक्ता संगम ने नहरों व खालों की सफाई, लोगों को वसूली कैंप के प्रति जागरूक करना, काश्तकारों के हित में उनको नई तकनीक से अवगत करवाने जैसे उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इन कार्यों के माध्यम से आमजन में जल के महत्व के प्रति जागरूकता आई है।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विजेताओं को बधाई दी**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश की जल संरक्षण और इसके संचयन के क्षेत्र में नई पहचान बन रही है। राज्य सरकार ने प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर जल संरक्षण और संचयन के कार्यों को नई दिशा दी है। इसके तहत जलाशयों की मरम्मत, सफाई, जल निकासी व्यवस्था में सुधार, अतिक्रमण हटाना, बांध क्षेत्रों में श्रमदान, पौधारोपण, जल संग्रहण और जल संरक्षण संरचनाओं सम्बंधित कार्य किए गए हैं। इसके साथ ही, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए संयुक्त विजेताओं सहित 46 विजेताओं की घोषणा की है। ये पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ विद्यालय या महाविद्यालय, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ, सर्वश्रेष्ठ संस्थान (विद्यालय या महाविद्यालय के अलावा), सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज और जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति सहित 10 श्रेणियों में दिए जाएंगे।

स्वदेशी अपनाएंगे, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा : दिया कुमारी

''आत्मनिर्भर भारत'' संकल्प अभियान के तहत जयपुर में महिला सम्मेलन आयोजित हुआ

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से "आत्मनिर्भर भारत संकल्प" अभियान के तहत आयोजित विराट महिला सम्मेलन गुरुवार को राजापार्क स्थित भाटिया भवन में आयोजित हुआ। समारोह में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई।

उन्होंने कहा कि जब हम अपने भारत में बने हुए चीजों को खरीदेंगे तभी हमारा देश आत्म निर्भर बन सकेगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने महिलाओं के विकास के लिए अनेक योजना रखी है जिसकी जानकारी आप सभी को होनी चाहिए। 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं को राजनीति में आने के बहुत अवसर मिलेंगे। पंचायती राज, निगम चुनाव, विधानसभा, लोकसभा राज्यसभा सभी जगह महिलाओं का बोलबाला रहेगा।

दिया कुमारी ने कहा कि 19 नवंबर को घूमर महोत्सव आयोजित होने जा रहा हैं। ज्यादा से ज्यादा संख्या में रजिस्ट्रेशन कर महिलाओं को इसमें हिस्सा लेना है। विद्याधर नगर विधानसभा के फुटबॉल ग्राउंड में 3 से 4 बजे की बीच होगा। यह सातों संभाग के मुख्यालय पर आयोजित होगा। उन्होंने सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर भारत का संकल्प भी दिलाया।

भाजपा जयपुर शहर की ओर से आयोजित महिला सम्मेलन में शरीक हुई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को पदाधिकारियों ने उनका चित्र भेंटकर स्वागत किया।

इस अवसर पर जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि भारत के विश्व गुरु बनाना है, तो हमें वसुधैव कुटुंबकम की भावना से काम करना होगा।

जहां विश्व शक्ति बनने के बात आती है, तो वहां अहंकार होता है। जब विश्व गुरु बनने की बात आती है तो वहां वसुधैव कुटुंबकम की भावना आती है। 140 करोड़ भारतीयों को मजबूत बनाने का संकल्प है।

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि सरकार की ओर से महिलाओं के लिए उज्ज्वला योजना, हर घर नल अभी चल रही है जिसके माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग मिल रहा है।

महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग, भाजपा प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, जयपुर शहर के सह प्रभारी नरेश बंसल, तथा भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडन ने भी शिरकत की।

ऋण वसूली अधिकरण ने लगाई लोक अदालत

जयपुर। सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 14 नवम्बर को ऋण वसूली अधिकरणों में लंबित मुकदमों के निपटान के लिए विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया गया। जयपुर स्थित ऋण वसूली अधिकरण के लालकोठी शॉपिंग सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर स्थित कार्यालय में भी विशेष लोक अदालत आयोजित हुई।

इस लोक अदालत को सफल बनाये जाने के लिए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा भी सभी बैंकों के चैयरमैन, प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे सभी इस लोक अदालत में सक्रिय योगदान प्रदान करे एवं अधिकतम प्रकरणों के निस्तारण हेतु अपने अधिनस्थ सभी अधिकारियों को भी सकारात्मक सहयोग हेतु निर्देशित करें ।अधिकरण के पीठसीन अधिकारी विमल गुप्ता द्वारा सभी बैंकों के महाप्रबन्धक व उच्चाधिकारियों के साथ बैठक भी आयोजित की। जिसमें सभी बैंक अधिकारियों द्वारा इस लोक अदालत में अधिकतम प्रकरणों के निस्तारण कर लोक धन की वसूली के लिए अधिकतम प्रयास किये जाने का आश्वासन दिया गया है। लोक अदालत के लिए डीआरटी बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा भी कोशिशें की जा रही है।

मनरेगा में फार्म पॉण्ड श्रेणी के अंतर्गत हो सकेगा टांका निर्माण का कार्य

जयपुर (कासं)। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत फार्म पॉण्ड श्रेणी में टांका निर्माण के कार्य किए जा सकेंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुरोध को केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वीकार किया है।

मुख्यमंत्री ने गत माह केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री से मुलाकात कर निजी कृषि भूमि पर टांका निर्माण कार्य पूर्व की भांति जारी रखने का आग्रह किया था। श्री शर्मा ने कहा कि रेगिस्तानी जिलों में टांका निर्माण जल सुरक्षा, कृषि विकास और जलवायु अनुकूल आजीविका के लिये अत्यन्त उपयोगी, सस्ता और टिकाऊ समाधान है।

■ **केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अनुरोध स्वीकार किया**

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए फार्म पॉण्ड का निर्माण महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत अनुमत कार्य है। योजना से संबंधित दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए टांका निर्माण कार्य को फार्म पॉण्ड श्रेणी के तहत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य और केन्द्र की डबल इंजन की सरकार कृषि क्षेत्र में निरंतर दूरगामी निर्णय ले रही है, जिससे किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है।

विविधताओं को कैसे संभालना है, यह भारत को पूरी दुनिया को सिखाना है : मोहन भागवत

उन्होंने कहा कि ''संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना संघ के बारे में राय मत बनाइए, संघ से जुड़ने के लिए शाखा में आइए, जो अनुकूल लगे वह काम आप कर सकते हैं। संघ पूरे समाज को संगठित करना चाहता है।''

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने कहा है कि विविधताओं को कैसे संभालना है, यह हमें दुनिया को सिखाना है क्योंकि दुनिया के पास ऐसा तंत्र नहीं है जो भारत के पास है। वे गुरूवार को को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर 100 वर्ष की संघ यात्रा श्रंखला के अंतर्गत कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर के पृथ्वीराज चौहान सभागार में उद्यमी संवाद "नए क्षितिज की ओर.." कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश के प्रमुख उद्यिमयों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना संघ के बारे में राय मत बनाइए। संघ से जुड़ने के लिए शाखा में आइए, जो आपको अनुकूल लगे वह काम आप कर सकते हैं। संघ पूरे समाज को ही संगठित करना चाहता है। पूरा समाज संघ बन जाए यानी प्रमाणिकता से निस्वार्थ बुद्धि से सब लोग देश के लिए जिएं।

सरसंघचालक ने कहा कि संघ के 100 वर्ष की यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम कोई सेलिब्रेशन नहीं है बल्कि आगे के चरण की दृष्टि से अपने कार्य की वृद्धि का विचार करने के लिए ये कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और विश्वगुरु बनाना किसी एक व्यक्ति के वश में नहीं है। नेता, नारा, नीति, पार्टी, सरकार, विचार, महापुरुष, अवतार और संघ जैसे संगठन इसमे सहायक हो सकते हैं परन्तु मूल कारण नहीं बन सकते। यह सबका काम है और इसके लिए सबको साथ लेकर चलना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने गुरूवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में उद्यमियों से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना किसी एक विषय को लेकर नहीं हुई। संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार क्रांतिकारी थे। वे इंडियन नेशनल कांग्रेस के बहुत सक्रिय कार्यकर्ता थे। उसके आंदोलनों में संघ स्थापना के पहले और एक बार स्थापना के बाद दो बार जेल गए। जो देश हित और समाज हित में चल रहा था उसमें वह सक्रिय रहे। असहयोग आंदोलन में उन पर राजद्रोह का अभियोग लगा। उन्होंने बचाव में पक्ष रखना चुना क्योंकि इससे दोबारा भाषण का मौका मिलता । उनके बचाव भाषण को सुनकर जज को कहना पड़ा कि उनका बचाव भाषण पहले भाषण से भी अधिक राज द्रोही है। डॉ. हेडगेवार ने अनुभव किया कि समाज में डेढ हजार साल से जो दुर्गुण आ रहे थे उन्हें दूर करना जरूरी है। उन्हें महसूस हुआ कि संपूर्ण हिन्दू समाज को संगठित किए बिना भारत इस पुरानी बीमारी से मुक्त नहीं होगा। इसलिए उन्होंने एक दशक तक विचार और प्रयोगों के बाद संघ की स्थापना की।

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ किसी को नष्ट करने के लिए नहीं बना है। भारत वर्ष में हमारी पहचान हिन्दू है। हिन्दू शब्द सबको एक करने वाला है। हमारा राष्ट्र संस्कृति के आधार पर एक है न कि

■ **भागवत ने कहा कि ''सहकार, कृषि और उद्योग हमारे विकास के आधार स्तंभ है।''**

राज्य के आधार पर। पुराने समय में जब राज्य अनेक थे तब भी हम एक देश थे, पराधीन थे तब भी एक देश थे। उन्होंने कहा कि समाज की स्वस्थ अवस्था का नाम समाज का संगठन है।

उन्होंने कहा कि सहकार, कृषि और उद्योग हमारे विकास के आधार स्तंभ हैं। कृषि, व्यापार, उद्योग परस्पर साथ आकर परस्पर निर्भर होकर तीनों एक साथ प्रगति करें। छोटे और मध्यम उद्योग अर्थव्यवस्था को विकेंद्रित करते है।

इन उद्योगों को अपने देश के अंदर सुचारू रूप से चलने का वातावरण देना ये बड़े उद्योगों का काम है। छोटे उद्योगों को रोजगार, कौशल, उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाना चाहिए। यह करते समय व्यापार और खुशी इन दोनों का ध्यान रखना चाहिए। खुशी आधारित उद्योगों से देश में वास्तविक समृद्धि मिलेगी।

इससे पूर्व राजस्थान क्षेत्र संघचालक रमेश चंद्र अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेमंत सेठिया ने किया।

जोधपुर में छापा मारने पहुंची डीजीजीआई की टीम पर हमला, एक गिरफ्तार

जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क पर छापा मारने पहुंची जयपुर की टीम से ट्रांसपोर्टर और उसके स्टाफ ने धक्का-मुक्की की, दो कंप्यूटर व सीपीयू छीन लिए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में गुरुवार सुबह डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) की टीम पर हमला हो गया। जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क पर छापा मारने पहुंची जयपुर की टीम से ट्रांसपोर्टर और उसके स्टाफ ने धक्का-मुक्की की, दो कंप्यूटर सीपीयू छीन लिए। ट्रक से टक्कर मारकर सरकारी गाड़ी को क्षतग्रस्त कर दिया। पुलिस ने एक व्यक्ति को अरेस्ट किया है।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया सुबह 7:15 बजे डीजीजीआई की टीम इंडस्ट्रियल एरिया सेकेंड फेज में स्थित बिश्नोई रोड लाइंस पर पहुंची। ऑफिस पर ताला लगा था, डीजीजीआई की टीम बाहर इंतजार कर रही थी। तभी सुनील विश्नोई नामक व्यक्ति आया, ऑफिस खोला और दो सीपीयू ले जाने लगा। (डीजीजीआई) की टीम ने रोकने की कोशिश की तो उसने धक्का-मुक्की की। ट्रक से डीजीजीआई की गाड़ी को टक्कर मारी, इसी दौरान एक ऑटो रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। ट्रांसपोर्टर पुखराज खावा और उसके स्टाफ ने धक्का-मुक्की और हाथापाई करते हुए सीपीयू छीन लिए। आरोपियों ने एक सीपीयू को अपने साथी की कार में रखवाकर वहां से भगा दिया। दूसरा सीपीयू टीम से छीनकर एक ट्रक में रख लिया और भाग गए। भागते समय डीजीजीआई की टीम की गाड़ी जो ट्रक के ठीक सामने खड़ी थी, उसके टक्कर मार दी।

- **डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट से जुड़े जीएसटी चोरी नेटवर्क पर कार्रवाई करने जोधपुर पहुंची थी**

विभागीय सूत्रों के अनुसार अन्य फर्मों के बारे में भी छानबीन की जा रही है। मौके से पकड़े गए सुनील विश्नोई की ट्रांसपोर्ट कंपनी में और हमला करवाने में भूमिका के बारे में पड़ताल जारी है। आशंका जताई जा रही है कि मौके से जो सीपीयू ले गए, उनमें जरूरी डेटा हो सकता है।

डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट से जुड़े जीएसटी चोरी नेटवर्क पर कार्रवाई करने जोधपुर पहुंची थी। ट्रांसपोर्ट कंपनी की दो या तीन फर्मों से फर्जी बिल्टी जारी करने के साथ ही बोगस बिलिंग से जीएसटी चोरी का आरोप था। टीम को सूचना मिली थी कि फर्जी बिलिंग के जरिए करोड़ों की जीएसटी की चोरी की जा रही है। (डीजीजीआई) लंबे समय से नेटवर्क पर नजर रख रही थी।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने डीजीजीआई की टीम से घटना की जानकारी ली और आसपास के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान हो सकेगी और कार-ट्रक के नंबर मिल सकेंगे।

मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (चिकित्सा शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत ब्रांड स्पेशियलिटी- पेडियाट्रिक्स तथा एनेस्थिसियोलॉजी विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त परीक्षा अंतर्गत इन विषयों की परीक्षा का आयोजन 4 जुलाई 2025 को किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 14 से 16 नवंबर 2025 को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षाओं के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाईन ही प्रविष्ट करे।

दहेज को लेकर विवाहिता से मारपीट, घर से निकाला

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई कस्बा निवासी रेनू कुमारी ने दहेज की मांग करने व मारपीट कर प्रताड़ित करने व घर से निकालने का आरोप लगाते हुए अपने पति सहित ससुरालजनों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता रेनू कुमारी पुत्री भावसिंह की 22 फरवरी 2023 में चिकसाना थाना क्षेत्र के गांव बछामदी नोह निवासी जयवीर सोलंकी से शादी हुई। शादी के बाद ही ससुरालजन, दहेज में 15 लाख रुपए की मांग करते हुए मारपीट कर विवाहिता को प्रताड़ित करने लगे। इतना ही नहीं, ससुरालजनों ने पीड़ित महिला को घर से निकाल दिया। पीड़िता का आरोप है कि, मंगलवार को पीड़िता के भाई व अन्य रिश्तेदारों ने समझाइश करने का प्रयास किया।

डूंगरपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि. डूंगरपुर
पता-मालपुर रोड इन्दिरा कॉलोनी डूंगरपुर (राज.)
क्रमांक :- 2025/Oct/SPL-100 दिनांक :- 31/10/2025
ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26
डूंगरपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड अन्तर्गत Supply of high quality grocery items हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 31.10.2025 को प्रातः 06.00 pm बजे तक ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें बेवसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।
उपापन हेतु NIB Code - CCF2526A0017, UBN No. CCF2526GLOB00017
राज.संवाद/सी/25/13780 महाप्रबंधक

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER & PROJECT MANAGER WATERSHED CELL CUM DATA CENTER ZILA PARISHAD TONK
File No. :- ( )/1901 Date :- 11/11/2025
NOTICE INVITING BID
NIB No. 20/2025-26
Bids for Construction of Kachcha & Pasture works (02 Package) of total estimated value INR 88.78 lacs under PMKSY-2.0 Block Malpura Distt. Tonk are invited from interested bidders up to 06.00 PM [time], 22-11-2025 [date]. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state and department website **(https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).**
UBN 1. WSC2526WSOB01621, 2. WSC2526WSOB01622
Raj.Samwad/C/25/13791 SE & PM, WCDC, ZILA PARISHAD, TONK

फैक्टरी में श्रमिक की मौत, परिजनों ने हंगामा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पुर थाना क्षेत्र स्थित संगम इंडिया फैक्टरी में एक श्रमिक की मौत हो जाने के बाद आक्रोशित परिजनों और समाज जनों ने मुआवजे की मांग को लेकर एमजी हॉस्पिटल मोर्चरी के बाहर हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर मामले को शांत करवाया।

पुर थाना प्रभारी पुष्पा कसौटिया ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के चावंडिया गांव का रहने वाला राजेंद्र कुमार पिछले चार-पांच साल से संगम इंडिया फैक्टरी में काम कर रहा था। 8 नवंबर की रात करीब आठ बजे वह फैक्टरी गया, लेकिन अगले दिन सुबह पांच बजे बेहोश मिला, जिसे फैक्टरी कर्मचारी ने ही एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। हालत में सुधार नहीं होने पर 10 नवंबर को दोपहर में उन्हें शहर के ही एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित समाज और साथी श्रमिकों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामा के बाद फैक्टरी प्रबंधन के साथ जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के प्रतिनिधि अजय पांचाल, मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना के प्रतिनिधि अमर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन सिंहज़ कन्हैयालाल तेली और एडवोकेट ओमप्रकाश तेली के बीच वार्ता का दौर चला। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम करने के लिए तैयार हुए और मृतक राजेंद्र का पोस्टमार्टम हुआ। मृतक तीन बेटियों का पिता था। सबसे बड़ी 10 साल की, उस छोटी 4 साल की और सबसे छोटी बेटी 6 माह की है। ऐसे में पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए फैक्टरी प्रबंधन ने उचित मुआवजे पर सहमति बनाई और मामला शांत हो पाया।

- **पुलिस मौके पर पहुंची, समझाइश कर मामले को शांत कराया**

पॉक्सो के दोषी को 20 साल का कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। नाबालिग के अपहरण, दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में दोषी आरोपी को पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने 20 साल का कठोर कारावास और 59 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने बताया कि 31 जुलाई 2024 को प्रार्थी ने फूलिया कलां थाने पर रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि उसके घर पर घोड़ी को ट्रेंड करने के लिए एक व्यक्ति योगेश उर्फ नारायण पुत्र सोहनलाल दमानी आता था, इसलिए वह पूरे परिवार से परिचित था। वह प्रार्थी की नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर अपहरण कर अपने साथ ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता की तलाश कर दस्तयाब किया तो पीड़िता ने पुलिस को बताया कि नारायण ने घोड़ी को ट्रेंड करने का काम किया, तब वह 15-20 दिन उनके घर पर ही रहा, इस दौरान इंस्टाग्राम पर उन दोनों की दोस्ती हो गई और फिर वह शादी का झांसा देने लगा।

पथराव मामले में दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और उसकी कार पर पथराव के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को डिटेन किया है। आरोपियों ने लूट की मंशा से इस वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर कस्बे में जुलूस भी निकाला।

पुलिस ने आरोपियों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर जुलूस निकाला।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि यह घटना 9 नवंबर की रात की है। न्यू हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 7, डूंगरपुर निवासी मेहुल चौबीसा अपने भाई यनिश चौबीसा और इन्फ्लूएंसर ऋतिक राठौड़ के साथ रतनपुर से डूंगरपुर लौट रहे थे। बलवाडा के पास कार रोककर वे बाथरूम के लिए उतरे। इसी दौरान पीछे से एक पत्थर आकर मेहुल चौबीसा के सिर पर लगा, जिससे उनके सिर से खून बहने लगा। अचानक हुए इस पथराव से घबराकर मेहुल कार की ओर भागे। जैसे ही वे कार लेकर निकलने लगे, तभी कार पर अचानक पथराव शुरू हो गया, जिससे कार के आगे और पीछे के शीशे टूट गए। सभी लोग इस घटना से घबरा गए और घायल मेहुल को लेकर तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने करोली फला नवाघरा निवासी सुरेश कटारा और धनपाल कटारा को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर लूट की मंशा से वारदात को अंजाम देना कबूल किया। आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और अपने शौक पूरे करने के लिए लूट की नीयत से पत्थरबाजी की इस घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इन आरोपियों को लड़कियों के कपड़े पहनाए। उनके गले में आज के बाद हम पत्थरबाजी नहीं करेंगे और पत्थरबाजी मत करो, जैसे नारे लिखी तख्तियां डालकर कस्बे में जुलूस निकाला।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/1931 दिनांक :- 12/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/37/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था जो निविदा की निर्धारित शर्तो को पूर्ण करती है, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।
UBN No. : JOD2526SLOB00433
राज.संवाद/सी/25/13753 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक- दिनांक-28.10.2025
Notice Inviting Bid: 21/2025-26
Bid for the "Various Civil Works" are invited from interested bidders from 01.11.2025 (09.30 AM) to 17.11.2025 (06.00PM) & Open date 18.11.2025 (11.00 AM), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 289.26 Lakh.
UBN NO. PWD2526WSOB16235, PWD2526WSOB16236, PWD2526WSOB16237, PWD2526WSOB16238, PWD2526WSOB16240, PWD2526WSOB16241, PWD2526WSOB16242, PWD2526WSOB16243, PWD2526WSOB16244, PWD2526WSOB16245, PWD2526WSOB16247, PWD2526WSOB16251, PWD2526WSOB16254, PWD2526WSOB16256
Executive Engineer
DIPR/C/16612/2025 PWD City Division, Bikaner

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)
(अस्पताल चौराहा, जोधपुर रोड, जालोर-343001)
Tel.- (02973) 222270 E-mail : mbjalore24@yahoo.in
क्रमांकः नपजा/SBM/2025-26/5482 दिनांकः 08.11.2025
निलामी सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद जालोर के सिवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट के सोधित पानी को सिचाई कार्यो के लिए सार्वजनिक निलामी सूचना ठेका वर्श 2025-26 हेतु दिनांक 24.11.2025 व 25.11.2025 को दोपहर 3.00 बजे से 5.00 तक निलामी की जायेगी।
अतः इच्छुक व्यक्ति/ठेकेदार निर्धारित दिनांक को नगर परिशद कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित अमानत राशि 10000.00 रूपये जमा करवाकर अपने नाम से बोली लगाकर ठेका ले सकते है। ठेके की शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय तथा विभागीय पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।
निलामी स्थल :- कार्यालय नगर परिषद जालोर
UBN - DLB2526A7859 आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/13687 नगरपरिषद,जालोर

हथियार उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। शहर के गोविंद गुप्ता हॉस्पिटल के पास खड़े हुए ऑनलाइन माध्यमों से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले आरोपी कृष्णावतार उर्फ कृष्णा (30) पुत्र हीरोसिंह निवासी हथैनी, चिकसाना (भरतपुर) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अवैध हथियारों की आपूर्ति कर अपहरण, लूट, डकैती, वाहन चोरी, जमीन कब्जा व हत्या जैसे गंभीर अपराधों में प्रयुक्त हथियार उपलब्ध कराता था। आरोपी से गहन पूछताछ कर उसके नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों का भी पता लगाया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 12 नवम्बर को गोविंद गुप्ता हॉस्पिटल के पास से आरोपी को गिरफ्तार करने सहित उससे बरामद हुए स्काई रंग का आईफोन 15 में विभिन्न प्रकार के अवैध हथियारों के फोटो पाए गए। साथ ही व्हाट्सएप चैट्स में कई मोबाइल नंबरों से हथियार और कारतूसों की खरीद-फरोख्त से संबंधित बातचीत, फोटो और वीडियो मिले थे। कुछ चैट्स में हथियारों की कीमतें और डिलीवरी की जानकारी भी दर्ज गई थी। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चौकीदार की संदिग्ध मौत

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के बलवाड़ा गांव स्थित एक फॉर्म हाउस में चौकीदार की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। चौकीदार को बेहोशी की हालत में पाया गया था, जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

बलवाडा निवासी बेटे दिनेश बरंडा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उसके पिता कांति बरंडा गांव में एक फॉर्म हाउस पर चौकीदारी का काम करते थे। दिनेश और उसके दो भाई अहमदाबाद में रहते हैं, जबकि पिता कांतिलाल और बहन पायल घर पर ही रहते हैं। दिनेश ने बताया कि बुधवार शाम उसके पिता रोज की तरह फॉर्म हाउस पर गए थे। कुछ देर बाद बहन पायल उन्हें देखने गई तो कांतिलाल बेहोशी की हालत में जमीन पर गिरे हुए मिले। परिजनों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

कार से 43 किलो डोडा-पोस्त बरामद

पुलिस ने कार सवार युवक को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती डांगियावास पुलिस थाना क्षेत्र में पीथासनी पुल पर पुलिस ने नाकाबंदी कर एक कार को रूकवाया। कार की तलाशी ली गई तब उसमें 43 किलो से ज्यादा से डोडा-पोस्त मिला। पुलिस ने कार में सवार युवक को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पाली जिले के रायपुर थाने में भी मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज है।

डांगियावास थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि पीथासनी पुल से होकर एक स्वीफ्ट निकलने की संभावना है, इसमें अवैध रूप से डोडा-पोस्त लादा गया है। इस पर थानाधिकारी ने मय जाब्ते ने पुल पर नाकाबंदी की और स्वीफ्ट कार को रूकवा कर तलाशी ली। कार में तीन प्लास्टिक कट्टे मिले, जिनमें दो पूरे भरे थे और एक आधा खाली था। कट्टों में अवैध डोडा-पोस्त मिला। इसका वजन किए जाने पर यह 43 किलो 250 ग्राम निकला।

थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में बाबलों का बास फिटकासनी निवासी महेंद्र पुत्र खमाराम विश्नौई को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ रायपुर पाली में भी एक प्रकरण अब तक सामने आया है।

डॉक्टर से मारपीट, तीन हिरासत में

करौली, (निसं)। मंडरायल उप जिला चिकित्सालय में बुधवार देर रात मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। इलाज के लिए पहुंचे एक युवक ने ड्यूटी पर तैनात डॉ. से बदसलुकी कर मारपीट की। उसके साथियों ने अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की। डीएसपी अनुज शुभम ने बताया कि रात करीब 8:15 बजे आरोपी बंटी जाटव उपचार के लिए अस्पताल आया था। इलाज के दौरान उसने डॉ. संदीप कुमार से अभद्रता की। कुछ देर बाद आरोपी के करीब 12 साथी भी अस्पताल पहुंच गए और मिलकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस घटना में डॉ. संदीप को हल्की चोटें आईं। सूचना मिलते ही डीएसपी अनुज शुभम सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों ने चिकित्सक और स्टाफ से जानकारी ली। आक्रोशित डॉक्टरों और नर्सिंगकर्मियों ने सुरक्षा की मांग को लेकर एक घंटेकार्य बहिष्कार किया।

कार्यालय अति. जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, जैसलमेर
पता - एडीपीसी कार्यालय, मलका प्रौल के पास, सूली डूंगर, जैसलमेर
क्रमांक :- सशि/जैसल/निविदा/नीति आयोग/2025-26/ दिनांक :- 11/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 16/2025-26
नीति आयोग आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत नीति अनटाईड फण्ड द्वारा विभाग में विभिन्न संसाधनों की आपूर्ति हेतु कार्यालय जिला कलक्टर जैसलमेर के प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 979 दिनांक-24.07.2025 व वित्तिय स्वीकृति क्रमांक 1446 दिनांक 24.09.2025 के क्रम में कुल राशि 3,20,00000/- विभाग को प्राप्त हुई है जिनमें से 1,50,00000 राशि में से जिले के 25 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम की आपूर्ति व इन्स्टालेशन की जानी है इस हेतु पंजीकृत / रजिस्टर्ड फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण **website :- http://sppp.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in** पर डाउनलोड करने की अवधि दिनांक 10.11.2025 रात्रि 10:00 बजे से दिनांक 01.12.2025 तक सांय 06:00 बजे तक रहेगी।
निविदा शुल्क ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क से सम्बन्धित दस्तावेज निविदादाता द्वारा संबंधित जिला कार्यालय में दिनांक 01.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवाया जाना सुनिश्चित करें।
दिनांक 01.12.2025 को सांयकाल 03:00 बजे खोली जायेगी।
UBN NO. RSE2526GLOB03901 अति. जिला परियोजना समन्वयक
राज.संवाद/सी/25/13788 समग्र शिक्षा, जैसलमेर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECTRICAL DIVISION KOTA
No.-623 Date: 07.11.2025
Notice Inviting Bid (NIT No. 19/2025-26)
Bids for 01 No. AC work at District Kota are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 20.11.2025 (Thursday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State The approximate value of the procurement is Rs. 150.25 Lac.
UBN-PWD2526WSOB16472 Executive Engineer
DIPR/C/16558/2025 PWD Elect Div Kota

जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता क्षैत्रीय उद्योगशाला खण्ड, नर्मदा नहर परियोजना, सांचौर
क्रमांक-लेखा/निविदा/2025-26/1212-25 दिनांक-08.11.2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26
नर्मदा नहर परियोजना के विभिन्न पम्पिंग स्टेशनों के संचालन एवं रख-रखाव कार्य हेतु जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, के.लो.नि.वि.ए.डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो से दिनांक 20.11.2025 सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड की अन्य शर्तें वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, water.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
NIB CODE- NCP2526A0001, UBN CODE-NCP2526WSOB00001
(कनिष्का चौधरी) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/16626/2025 क्षैत्रीय उद्योगशाला खण्ड न.न.प. सांचौर, मो.नं. 7425981959

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम), एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बर: (0141)2227938/2227710,2227715, फैक्स: (0141)2227360,2227761, Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 12/11/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.6(1)75/CC/Securiy Barmer/19 dated 11.11.2025 UBN No. MML2526SLOB00105	बाड़मेर जिले में स्थित लिग्नाईट खदानों पर सुरक्षा की दृष्टि से अनुबंध के आधार पर चालीस (40) अकुशल श्रेणी के श्रमिकों। अनुमानित मूल्य (रू.) 22.50 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 45,000/-, निविदा राशि- 1180/- अहस्तान्तरणीय, जी.एस.टी. सहित। रूपये 500/- डीडी द्वारा एमडी, आरआईएसएल के पक्ष में देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट **www.rsmm.com** अथवा **www.sppp.rajasthan.gov.in** अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/25/13740 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जो.वि.प्रा./पश्चिम/2025-26/राजकाज 18774245 दिनांक :- 11/11/2025
ई-बिड सूचना संख्या :- जोन पश्चिम/11/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद बिड आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.joda.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है।
NIB Code : JOD2526A0185
UBN No. : JOD2526WSOB00404 To JOD2526WSOB00421
राज.संवाद/सी/25/13746 अधिशाषी अभियंता (पश्चिम)

इंदिरा गांधी नहर में पानी बंटवारे को लेकर किसान आमने-सामने हुए

नाराज किसानों ने पथराव किया, पुलिसकर्मियों को चोट आई, पुलिस की गाड़ी और जेसीबी के शीशे तोड़े

बीकानेर, (निसं)। यहां गुरुवार को किसान और पुलिसकर्मी आमने-सामने हो गए। गुस्साए किसानों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। मामला जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र का है। इस पथराव में पुलिस की गाड़ी और जेसीबी के शीशे टूट गए। वहीं कुछ पुलिसकर्मियों को चोट भी लगी है।

जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी नहर में पानी बंटवारे को लेकर खाजूवाला क्षेत्र के किसानों ने विरोध किया था। दोपहर तीन बजे किसान नहरी क्षेत्र में शामिल होना शुरू हो गए और प्रदर्शन करने लगे। इनका कहना था कि नहरी पानी के मोघे का साइज सही नहीं है। कुछ किसानों को इस मोघे से अतिरिक्त पानी मिल रहा है। वहीं दूसरे पक्ष के किसानों का कहना था कि मोघा सही है, इसे बदलने नहीं देंगे। इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इसी को लेकर दोनों पक्षों के किसान थे। समझाइश के लिए तहसीलदार राजकुमारी बिश्नोई भी पहुंची। इसी विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हो गई और किसानों ने पथराव शुरू कर दिया। समझाइश के दौरान किसानों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा। जानकारी के अनुसार दो दिन पहले इंदिरा गांधी नहर की आरडी-145 से मोघे बदल दिए गए थे। इसी बात को लेकर किसान नाराज थे।

- **किसानों का कहना था कि नहरी पानी के मोघे का साइज सही नहीं है, कुछ किसानों को इस मोघे से अतिरिक्त पानी मिल रहा है**
- **वहीं दूसरे पक्ष के किसानों का कहना था कि मोघा सही है, इसे बदलने नहीं देंगे, इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए**

किसानों के दो पक्ष बने हुए हैं। एक पक्ष का आरोप था कि इस नजर से किसानों को ज्यादा पानी दिया जा रहा है। जबकि दूसरे पक्ष का कहना था कि पानी की बारी का समय सही है। मोघे को लेकर प्रशासन ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। इसे लेकर पूर्व में हुई शिकायत पर एक कमेटी बनाई गई थी। विवाद के बाद कमेटी भी मौके पर पहुंची। किसानों को पानी बराबर मिले इसलिए मोघे को सही करने की बात की जा रही थी। इसके बाद नाराज किसान नहर अधिकारियों पर बुलाने की जिद पर अड़ गए। कुछ देर बाद नहर अधिकारी वहां पहुंचे और दोनों पक्षों में बातचीत शुरू हुई।

बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के किसानों में विरोध शुरू हो गया। इस दौरान तहसीलदार राजकुमारी बिश्नोई भी मौके पर थी। किसानों के समझाने के प्रयास के बाद भी वे महिला तहसीलदार से उलझते रहे। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली तो कुछ गाड़ियां मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसानों को हटाने का प्रयास किया तो उन्होंने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस पत्थरबाजी में तहसीलदार बिश्नोई बाल-बाल बची। पथराव के दौरान किसानों ने पुलिस की गाड़ी और जेसीबी के शीशे तोड़ दिए। इस दौरान सब इंस्पेक्टर हरपाल सिंह भी वहां मौजूद थे। पथराव में पुलिस की दो गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि इस पथराव में दो पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी है, हालांकि कोई गंभीर रूप से घायल नहीं है।

पथराव की सूचना के बाद खाजूवाला सीओ अमरजीत सिंह और सीआई सुरेंद्र प्रजापत भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद किसानों से दोबारा समझाइश की गई कि मोघे बदलने से उन्हें पूरी मात्रा में पानी दिया जाएगा, लेकिन किसानों का कहना है कि बार-बार मोघे बदलने से किसानों की बारी सही नहीं आ पा रही है। ऐसे में देर शाम तक इनका विरोध चलता रहा। जानकारी अनुसार जब पानी की बारी खत्म होती है तो अंतिम मोघे से पानी निकलता रहता है। इस अतिरिक्त पानी को लेकर ही किसानों में विवाद होता है। जिस मोघे पर विवाद हुआ, वहां से आगे के किसानों का कहना है कि उन्हें पानी कम मिल रहा है और इस मोघ से बारी के बाद भी किसानों को पानी दिया जा रहा है।

MUNICIPAL COUNCIL RAJSAMAND
Zila Parishad Road, Near Fire Station, Rajsamand
Tel. No. :- 02952-220034 Email:- rajsamandnagarpalika@gamil.com
S.No. F( )/MCR/SBM/SWM Processing/2025-26/6426 Date :- 07.11.2025
Notice Inviting Request for Proposal (RFP)
Online Proposal are invited on behalf of Municipal Council Rajsamand from the reputed, experienced and technically eligible contractors for the services of **"Design, construction, establishment and development of processing plant and required development work and maintenance of Engineered sanitary landfill site and o&m the 20 years having a minimum adequate capacity for Rajsamand and scalable further as per requirement on VGF basis** and revised from time-to-time" The further detailed bid conditions can be downloaded from website **http://Sppp.rajasthan.gov.in**, or **http://eproc.rajasthan.gov.in**, estimate cost of work 680.00 Lacs and bid security 13.60 Lacs request for proposal submission end date of time as below :-

Publishing Date & Time	11.11.2025 at 06:00 PM
Request for Proposal Download start Date & Time	12.11.2025 at 09:00 AM
Pre-bid conference & site visit will be held on	20.11.2025 at 01.00 PM
Request for Proposal submission End Date & Time	11.12.2025 at 06:00 PM
Physically Document Submission Date & Time	12.12.2025 at 01:00 PM
Technical Bid Opening Date & Time	12.12.2025 at 04:00 PM at ULB Rajsamand
UBN NO. :-	DLB2526WLOB23741

Commissioner
Raj.Samwad/C/25/13724 Municipal Council Rajsamand

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2025-26/512 दिनांकः- 03.11.2025
:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 41/2025-26 ::
नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 645.96 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 01.11.2025 To 13.11.2025 Time 6.00 PM तक
प्री-बिड मिटिंग की तिथि व समय	Date 06.11.2025 Time 11.00 AM पर Additional Chief Engineer Chamber (Nirman Section) Municipal Corporation Ajmer
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 14.11.2025 Time 11.00 AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** एवं **http:/www.eproc.rajasthan.gov.in** पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
NIB CODE :-ANN2526A0150
UBN NO. :-ANN2526WLOB00199 अधिशाषी अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/13802 नगर निगम अजमेर

टक-टक गैंग के मास्टरमाइंड सहित तीन बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, नोएडा और गुरुग्राम में वारदातों को अंजाम दे चुका है शातिर गिरोह

जयपुर (कासं)। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय टक-टक गैंग के मास्टर माइंड समेंत तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों लूट का मोबाइल फोन और वारदात के काम में ली जाने वाली कार समेंत दो बाइक जब्त की है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने जयपुर सहित 6 शहरों में हजारों लूट की वारदात करना स्वीकार किया है। पुलिस आरोपियों से गैंग के अन्य लोगों और लूट का माल खरीदने वालों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय टक-टक गैंग के मास्टरमाइंड समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी नॉर्थ करन शर्मा ने बताया कि इलाके में बढ़ती लूटपाट की वारदातों पर अकुंश लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना के अलावा करीब 250 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर टीम ने बदमाशों को चिन्हित कर गैंग के मास्टर माइंड शाहनवाज (34) पुत्र सरवर निवासी मेरठ उत्तर प्रदेश और शाहरुख उर्फ मामा (22) पुत्र अतीक कुरैशी व शोएब कुरैशी (26) पुत्र मोहम्मद यूसुफ कुरैशी निवासी शांति कॉलोनी ट्रांसपोर्ट नगर को गिरफ्तार कर वारदात के काम में ली जाने वाली बेलैना कार और दो मोटरसाईकिल जब्त की है। इसी के साथ लूट का आईफोन भी बरामद किया गया है।

शातिर बदमाश भीड़भाड़ और ट्रैफिक लाइट पर कार चालकों का ध्यान भटकाकर शीशे को खटखटाते थे और कार चालक से गाली-गलौच कर कार का शीशा नीचे उतारने के लिए मजबूर करते थे। शीशा नीचे उतारते ही गैंग के बदमाश कार में रखा मोबाइल और अन्य सामान चोरी कर फरार हो जाते थे।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मास्टर माइंड शाहनवाज अपनी गैंग के साथ वारदात करने मेरठ से आता था। जयपुर आने पर शाहरुख और अतीक से सम्पर्क करता और दोनों साथी बाइक से आगे चलते, उनके पीछे-पीछे मास्टर माइंड अपने साथियों के साथ चलता था। भीड़भाड़ और जाम लगने वाली ट्रैफिक लाइट को चिह्नित करते थे।

■ कार चालकों से गाली-गलौच कर बदमाश उसे शीशा नीचे उतारने पर मजबूर करते और ध्यान बंटाकर सामान चुरा लेते

वहां ड्राइवर का ध्यान भटका कर मोबाइल और सामान कार से उठाकर फरार हो जाते थे।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मास्टर माइंड शाहनवाज ने जयपुर सहित गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, नोएडा और गुरुग्राम शहर में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है। शातिर बदमाश ने पुलिस पूछताछ के दौरान 6 शहरों में हजारों वारदातें करना स्वीकर किया है। शातिर बदमाश ने बताया कि वो लूट के मोबाइल फोन और अन्य सामान मेरठ के चोर बाजार में सस्ते दामों में बेच देता था। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से लूट का सामान खरीदने वालों के बारे में जानकारी जुटा रहीं है।

हरमाड़ा हादसे पर उपमुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक

जयपुर। हरमाड़ा में गुरूवार को पुनः भीषण सड़क हादसे को लेकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने दुर्घटना की विस्तृत समीक्षा करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुखद है और इससे हुई जनहानि की पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। उन्होंने संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा के सुदृढ़ उपायों और आपातकालीन राहत व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे। उन्होंने दुर्घटना में प्रभावित सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और प्रशासन को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रीको कराएगा आकेड़ा डूंगर औद्योगिक क्षेत्र में 9.85 करोड़ रु. के विकास कार्य

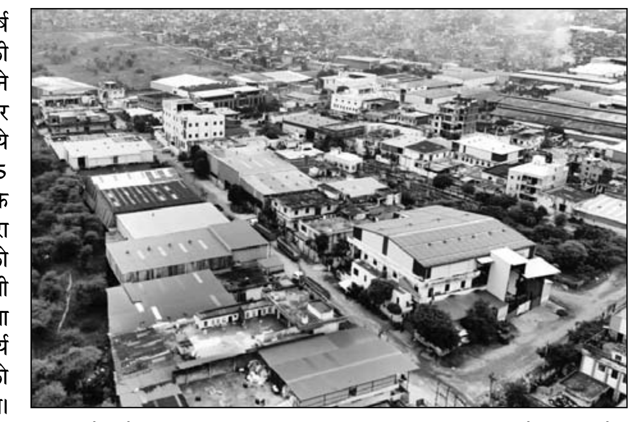

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार की वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा की पालना में रीको के निदेशक मंडल ने औद्योगिक क्षेत्र आकेड़ा डूंगर-जयपुर में उद्यिमयों की विकास कार्य कराये जाने की लंबी मांग को मानते हुये 985 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के लिये स्वीकृति प्रदान की है। रीको द्वारा पूर्व में इस औद्योगिक क्षेत्र को अविकसित आधार पर निजी विकासकर्ता को आवंटित किया गया था लेकिन विकासकर्ता द्वारा विकास कार्य नहीं कराने के कारण उद्यिमयों को दिक्कत का सामना करना पड रहा था। उद्यिमयों की समस्याओं के निस्तारण के लिये राज्य सरकार द्वारा पहल कर बजट घोषणा की गयी जिसको रीको द्वारा पूर्ण रूप प्रदान किया जा रहा है।

विकास कार्यों के तहत इस लेन में सड़कों का सुधार एवं सुदृढ़ीकरण, सीसी पेवमेंट का निर्माण, पेव्ड शॉल्डर्स का निर्माण, आरसीसी बॉक्स टाइप कल्वर्ट निर्माण, रोड जंक्शंस में यूटिलिटी डक्ट बनाने का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही इस क्षेत्र में एलईडी एवं हाई मास्ट लाइट्स भी लगाई जाएंगी जिसके उपरान्त इस औद्योगिक क्षेत्र की आधारभूत सुविधायें भी अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के समकक्ष हो सकेंगी। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि रीको का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में अच्छी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधायें विकसित की जायें जिससे उद्यमी अपनी औद्योगिक इकाइयों का संचालन सुचारू रूप से कर सकें। आकेड़ा डूंगर औद्योगिक क्षेत्र के समग्र विकास एवं रखरखाव के लिए यह प्रस्तावित विकास कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन विकास कार्यों से आकेड़ा डूंगर औद्योगिक क्षेत्र जयपुर के निकट एक विकसित औद्योगिक क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा और उद्यिमयों को भी सुविधा मिल सकेंगी जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ सकेगी।

ए.टी.एस. ने चार शातिर बदमाशों को दबोचा

फर्जी दस्तावेजों से एफ.सी.आई. के गोदामों और डिपो में खाद्य सुरक्षा गार्ड की दिलवाते थे नौकरी

जयपुर। एटीएस ने ऑपरेशन स्क्वायर पिरामिड के तहत कार्रवाई करते हुए भारतीय खाद्य निगम से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। एटीएस ने भूतपूर्व सैनिकों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर एफसीआई के गोदामों और डिपो में खाद्य सुरक्षा गार्ड के रूप में नौकरी दिलाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एटीएस ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) राजस्थान में ऑपरेशन स्क्वायर पिरामिड चलाया था। यह कार्रवाई उन निजी व्यक्तियों के खिलाफ की गई, जो भूतपूर्व सैनिकों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर एफसीआई के गोदामों और डिपो में खाद्य सुरक्षा गार्ड के रूप में नौकरी कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार की ओर से पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकारी प्रतिष्ठानों में 90 प्रतिशत कोटा दिया गया है। ये नियुक्तियां निजी सुरक्षा एजेंसियों की ओर से किए गए सत्यापन, प्रशिक्षण और गारंटी के आधार पर दी जाती हैं। भारतीय खाद्य निगम में भी सुरक्षा गार्ड के रूप में पूर्व सैनिकों की नियुक्ति विभिन्न निजी सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से की गई हैं।

एक संगठित गिरोह भूतपूर्व सैनिकों के पहचान पत्र, पेंशन पीपीओ, कैंटीन कार्ड और डिस्चार्ज प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों का दुरुपयोग करता था। वे इन दस्तावेजों को निजी व्यक्तियों के नाम से कूटरचित कर उन्हें एफसीआई में सुरक्षा गार्ड की नौकरी दिलवाते थे और बदले में नियमित रूप से कमीशन राशि प्राप्त करते थे।

एटीएस ने ब्यावर निवासी अजय कुमार (39), भीलवाड़ा निवासी रामेश्वर लाल मीना (50), बारां निवासी मुकुट बिहारी (49) और बूंदी निवासी मोहनलाल कुमावत (54) को गिरफ्तार किया है। पूर्व में इस मामले में 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सार-समाचार

रविकाश फाइनेंस की लखनऊ शाखा शुरू

जयपुर। रविकाश फाइनेंशियल का विस्तार करते हुए गुरुवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 33 वीं शाखा का शुभारम्भ किया गया। रविकाश के डायरेक्टर विकास ओझा और रवि ढींगरा ने फीता काटकर लखनऊ शाखा का शुभारम्भ किया। रविकाश फाइनेंशियल की लखनऊ के बिरला टावर में स्थित नवीन शाखा का नेतृत्व सीनियर वाईस प्रेसिडेंट के रूप में विवेक तिवारी, रीजनल सेल्स मैनेजर धीरेन्द्र पांडेय, स्वप्निल त्रिपाठी और एरिया सेल्स मैनेजर अखिलेश कुमार तथा पल्लवित श्रीवास्तव करेंगे।

सीए डॉ. अरुण जैन मीडियेटर नियुक्त

जयपुर। जयपुर निवासी सीए डॉ. अरुण कुमार जैन को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर में मीडियेटर नियुक्त किया गया है। अरुण जैन 30 वर्षों से अधिक समय से जयपुर में कार्यरत वरिष्ठ प्रैक्टिसिंग सीए है। अरुण जैन ने विधि शिक्षा में मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर से प्रो. डॉ.विजयलक्ष्मी शर्मा के निर्देशन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। अरुण जैन महिला शिक्षा, बाल शिक्षा, वृद्ध जन सेवा इत्यादि ,सामाजिक सरोकारों से गहनता से जुड़े है। उनके दीर्घ प्रोफेशनल अनुभव में वित्त, ऑडिटिंग, व अन्य संस्थाओं के वित्तीय मामलों से संबंधित विवादों की पैरवी प्रमुख रूप से शामिल है।

अजय यादव ने जन्मदिन पर किए देव दर्शन

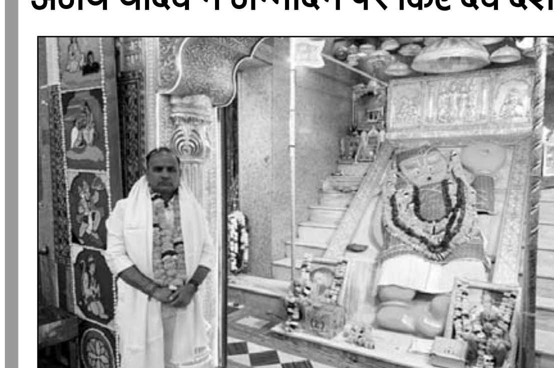

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व चेयरमैन अजय यादव का जन्मदिन गुरुवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों, पार्षदों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। सुबह से ही उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और दुपट्टों से उनका सम्मान किया। जन्मदिन के अवसर पर वातावरण पूरी तरह उत्सवमय बना रहा। अजय यादव ने इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में जाकर धोक लगाई और प्रदेश की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही उनका सबसे बड़ा उद्देश्य है और भाजपा की विचारधारा के अनुरूप समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए वे लगातार कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि अजय यादव ने हमेशा संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच रहकर समस्याओं का समाधान करने और युवाओं को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, पार्षदों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी भाग लिया। सभी ने उन्हें दीर्घायु, स्वस्थ जीवन और सफल राजनीतिक यात्रा की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में अजय यादव ने सभी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

सड़क सुरक्षा मित्र बचाएंगे घायलों का जीवन

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण के साथ प्रमाण पत्र दिए।

जयपुर (कासं)। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी जयपुर-द्वितीय धर्मेन्द्र कुमार के निर्देशन में झोटवाड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत कालवाड़, माचवां और हाथोज़ में चयनित जीवन रक्षक मित्रों के लिए ग्राम पंचायत कालवाड़ में "विशेष सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला" आयोजित की गई। जिला परिवहन अधिकारी जयपुर-द्वितीय अतुल कुमार शर्मा ने बताया कि रोड सेफ्टी एनजीओ से निशा बग्गा तथा एसएमएस अस्पताल के राजकुमार राजपाल व राधेश्याम शर्मा एवं इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण दिया। वरिष्ठ निरीक्षक दिनेश सिंह एवं झोटवाड़ा पंचायत समिति के बीडीओ हरिसिंह एवं अतिरिक्त बीडीओ ओमप्रकाश मीणा ने जीवन रक्षक मित्रों को सर्टिफिकेट जारी किये। वरिष्ठ निरीक्षक दिनेश सिंह ने रोड सेफ्टी की पालना न करने पर होने वाले नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने यातायात नियमों की पालना करने तथा सभी जीवन रक्षक मित्रों को सड़क सुरक्षा प्रतिज्ञा की शपथ दिलवाई। रोड सेफ्टी एनजीओ की ओर से निशा बग्गा ने पावर पोइंट प्रजंटेशन से रोड साइनेज व रोड मार्किंग के महत्व को समझाया। एसएमएस अस्पताल के राजकुमार राजपाल व राधेश्याम शर्मा ने प्रशिक्षण की प्रायोगिक रूप से विस्तृत जानकारी दी गई। अंत में वरिष्ठ निरीक्षक दिनेश सिंह ने सभी का धन्यवाद दिया।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने किया निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण

कुछ आवासों की घटिया नींव देखकर कमिश्नर नाराज हुईं, इंजीनियर्स को फटकार लगाते हुए जेसीबी से तुडवाई नींव

जयपुर (कासं)। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने गुरूवार को निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण किया। वे इंजीनियर्स को साथ लेकर मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन बुलाकर मकानों की नींव खुदवाकर जांच की।

ज्ञात रहे कि हाऊसिंग बोर्ड द्वारा जयपुर के महला क्षेत्र में विभिन्न आय

■ जयपुर के महला क्षेत्र में विभिन्न आय वर्गों के लिए 365 स्वतंत्र आवास बनवा रहा है हाऊसिंग बोर्ड

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने गुरूवार को महला पहुंचकर निर्माणाधीन स्वतंत्र आवासों का निरीक्षण किया।

वर्गों जैसे कि ईडब्ल्यूएस, एलआईजी एवं एमआईजी के लिए 365 स्वतंत्र आवासों का निर्माण करवाया जा रहा है। यह परियोजना राज्य सरकार की बजट वर्ष 2024-25 की घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत संचालित की जा रही है।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने गुरूवार सुबह अचानक परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। डॉ. शर्मा ने कुछ निर्माणाधीन आवासों की नींव में गुणवत्ता मापदण्डों के अनुरूप निर्माण ना होने के कारण मौके पर ही जेसीबी बुलवा नींव को ध्वस्त करवाया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और गति पर विशेष बल देते हुए अभियंताओं, अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्धारित समयसीमा (जून 2026) तक सभी आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि मण्डल का उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और योजनाबद्ध आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्माण स्थल पर कार्यरत अभियंताओं को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्रत्येक आवास का निर्माण निर्धारित मानकों और तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप ही किया जाए जिसमे किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महला आवासीय योजना के तहत निर्मित होने वाले ये आवास आमजन, विशेषकर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवासीय सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

प्रदेश में 3 दिवसीय आंगनबाड़ी ओलंपिक शुरू

जयपुर (कासं)। प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के अंतर्गत बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को तीन दिवसीय आंगनबाड़ी ओलंपिक खेल-2025 का आगाज़ हुआ।

निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि प्रदेश के 63 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों पर लगभग 12 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों की बाल्यावस्था से ही उनमें स्वस्थ खेलकूद प्रतियोगिता और स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आ सके, इसके लिए 13 नवम्बर से 3 दिवसीय आंगनबाड़ी ओलंपिक खेल-2025 का शुभारम्भ हुआ है। इस वर्ष खेलों की थीम "खेल-खेल में सीखो" रखी गई है। जिसमें स्थानीय और पारम्परिक खेलों को भी शामिल किया गया है। निदेशक ने बताया कि आंगनबाड़ी ओलंपिक खेल-2025 में बच्चों के दो समूह बनाकर 3 से 4 और 4 से 6 का समूह बनाकर विभिन्न खेलकूद की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। आयोजन में जनसमुदाय, भामाशाह, एनजीओ एवं अभिभावकों का सहयोग लिया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दो वर्षों से आंगनबाड़ी ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है।

प्रवर्तन अधिकारी तलब

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर में हुए अतिक्रमण से जुडे मामले में 9 दिसंबर को नगर निगम के प्रवर्तन अधिकारी को पेश होने के आदेश दिए हैं। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान व अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान नगर निगम आयुक्त गौरव सैनी और आवासन मंडल के अधिकारी पेश हुए। आवासन मंडल की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने अदालत को बताया कि मंडल कॉलोनियां विकसित कर उसे रखरखाव के लिए नगर निगम को हस्तांतरित कर देता है। वहीं नगर निगम की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज शर्मा ने अदालत को शहर के अतिक्रमण और उन्हें हटाने के लिए नगर निगम की ओर से की जा रही कार्रवाई से अवगत कराया।

कर्ज उतारने के लिए लूट की साजिश रचने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जालूपुरा इलाके में दो दिन पहले दिन-दहाड़े हुई दो लाख 58 हजार रुपए की लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए मास्टरमाइंड समेंत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात के काम में ली गई मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस गिरफ्तार शुदा आरोपियों से वारदात के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मास्टरमाइंड ने कर्जा उतारने के लिए अपने जीजा के पैसे ही लूटने की प्लानिंग की और अपने दोस्तों के साथ मिलकर उन्हे पैसों का लालच दिया और खुद के साथ ही लूट की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि दो दिन पहले थाना इलाके में स्थित गोपीनाथ मार्ग पर बैंक से कैश निकलवा कर जा रहे सुरेंद्र शर्मा ने खुद के साथ हुई लूट का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने बयानों के आधार पर लूट का मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरु की। जांच में सुरेंद्र शर्मा की भूमिका संदिग्ध लगी। जिसके बाद पुलिस ने सख्ती से पूछताछ शुरू की। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुरेंद्र शर्मा (31) सिकंदरा दौसा हाल सूर्य सिटी आगरा रोड निवासी ने खुद के साथ की लूट करवाने की प्लानिंग की और अपने जीजा के पैसे ही लूटने की प्लानिंग बनाई। वारदात करने के लिए उसने अपने दोस्त अनिमेश मीणा (23) निवासी सिकंदरा दौसा और हरकेश मीणा उर्फ रामकेश मीणा (31) निवासी मानपुर दौसा निवासी को राजी कर लिया। पुलिस ने तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

10 पुलिस निरीक्षकों के तबादले किए

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट ने बुधवार देर रात एक आदेश जारी कर 10 पुलिस निरीक्षकों का तबादले कर दिए। तबादले आदेशों के अनुसार विशेष तौर पर साइबर क्राइम को लेकर फोक्स करना लग रहा है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के आदेशानुसार- जारी लिस्ट में विशेष तौर पर 4 इंस्पेक्टरों को विशेष अपराध एवं साइबर क्राइम थाना जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। पुलिस निरीक्षक प्रेम कुमार शर्मा, रामधन मीणा, सुषमा कुमारी और जितेन्द्र कुमार को विशेष अपराध एवं साइबर थाने में लगाया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर महेश चंद शर्मा, सुनील कुमार, सज्जन सिंह और रतन सिंह को पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) तथा इंस्पेक्टर हेमंत जनागल को स्टाफ ऑफिसर विशेष पुलिस आयुक्त और कविता को अपराध शाखा आयुक्तालय जयपुर में तैनात किया गया है।

अल्का सक्सेना की पुस्तक "अब, जब बात निकली है.." पर चर्चा

जयपुर। जनसम्पर्क मित्र की ओर से गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में जनसम्पर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक अल्का सक्सेना की नव प्रकाशित पुस्तक अब जब बात निकली है पर सार्थक चर्चा की गई।

चर्चा के दौरान जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त निदेशक रजनीश शर्मा ने दैनिक नवज्योति के पूर्व संपादक और वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक समीक्षा का वाचन किया। महेश शर्मा ने समीक्षा में लिखा है, यह पुस्तक निश्चित रूप से जनसंपर्क ही नहीं पत्रकारिता के अध्ययन में सहायक सिद्ध होगी। वह इसलिए कि इसका फलक पत्रकारिता तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह राजस्थान के विगत तीस वर्षीय राजनीतिक इतिहास एवं महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बड़े आयोजन और सम्मेलनों का एक दस्तावेज भी है। यह कृति न केवल नवीन रचनात्मक प्रयास है बल्कि पत्रकारिता के पाठ्यक्रम में शामिल होने की प्रासंगिकता भी रखती है। यही नहीं जनसंपर्क के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों के बारे में लेखक ने विस्तार से जानकारी दी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविन्द पारीक, उप निदेशक ओटाराम वरिष्ठ जनसम्पर्क कर्मी गोपाल शर्मा, बाल मुकुंद ओझा, ईश्वर माथुर, प्रभात गोस्वामी रवि गोस्वामी, वीना करमचंदानी, रेणु जुनेजा, गोविन्द शर्मा, गणपत सिंह नारोलिया, लीलाधर दोचानिया, रूप सिंह कविया, यादवेंद्र सैन, राजेंद्र शर्मा उपस्थित थे। अंत में अलका सक्सेना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

'लार्जर बेंच तय करे कि, आर्थिक और जघन्य अपराधों के आरोपियों के गिरफ्तारी वारंट अधिकार के रूप में जमानती में बदले जा सकते हैं या नहीं'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक कानूनी बिंदु पर अदालतों के अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आने पर प्रकरण को लार्जर बेंच के समक्ष भेजा है। अदालत ने कहा कि लार्जर बेंच तय करें कि क्या आर्थिक अपराध और हत्या, बलात्कार, दहेज हत्या और डकैती जैसे जघन्य अपराध करने वाले आरोपियों के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को आरोपी के अधिकार के रूप में जमानती वारंट में बदला जा सकता है या नहीं। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश निर्मल कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सरकार भारी भरकम राशि खर्च करती है। इसमें संदेह नहीं की देश ने प्रगति की है, लेकिन विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित धन का एक बडा हिस्सा सफेदपोश अपराधियों ने अवैध गतिविधियों में शामिल होकर हथिया लिया है। मामले में आरोपी को इस सिर्फ इस आधार पर राहत नहीं दी जा सकती कि मामले में अपराध के लिए पांच साल की सजा है। अदालत ने कहा कि देश का आम आदमी विकास के लिए सीजीएसटी और एसजीएसटी सहित सभी प्रकार के करों का भुगतान कर रहा है, लेकिन याचिकाकर्ता जैसे लोग फर्जी फर्म बनाकर देश के विकास में बाधा डाल रहे हैं और सरकारी खजाने को 10.65 करोड़ रुपए का भारी भरकम नुकसान पहुंचा रहे हैं। याचिका में कहा गया कि उस पर केवल छह लाख रुपए की कर चोरी का आरोप है। जांच के दौरान अनुसंधान एजेंसी के पास याचिकाकर्ता को पकड़ने के लिए पर्याप्त अवसर था, लेकिन इस संबंध में कोई कदम नहीं उठाया गया। वहीं निचली अदालत ने गत 11 मार्च को उसके खिलाफ प्रसंज्ञान ले लिया और याचिकाकर्ता की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए। ऐसे में मामले में जारी गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदला जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील अमित गुप्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता पर 10.65 करोड रुपए के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का आरोप है। ऐसे में उसके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में नहीं बदला जाए।

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने एक कानूनी बिंदु पर अदालतों के अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आने पर प्रकरण को लार्जर बेंच के समक्ष भेजा

बिजली चोरी पर 26 लाख रुपए जुर्माना

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम के तीन सर्किलों में गुरुवार को विद्युत चोरी के खिलाफ सतर्कता कार्रवाई के दौरान 42 मामलों में करीब 26 लाख 40 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया। करौली सर्किल के मंडरायल सब डिवीजन में सतर्कता जांच अभियान के दौरान एक उपभोक्ता ने अपने मध्यम श्रेणी के औद्योगिक कनेक्शन की स्टोन कटर मशीन के अतिरिक्त उसी परिसर में एक और स्टोन कटर मशीन को निगम के थ्री फेज ट्रांसफार्मर की एलटी बुशिंग से सीधे केबल से जोड़कर चला रखा था। इस प्रकरण में संबन्धित के खिलाफ वीसीआर भरकर 20 लाख 21 हजार रूपये से अधिक का जुर्माना लगाया है।

Celebrating Tangy Traditions

National Pickle Day is a fun celebration of one of the world's most beloved tangy treats. Observed annually, this day honours the art of pickling, a culinary tradition that spans cultures and centuries. From crisp cucumbers to spicy mangoes and zesty mixed vegetables, pickles add flavour, character, and a bit of nostalgia to meals. Beyond taste, pickles reflect cultural heritage and homegrown ingenuity in preserving foods. On this day, enthusiasts celebrate by tasting, sharing, and even making their own pickles, reminding us that small bites of flavour can bring big joy and connect us to tradition.

#FASHION

Middle Ages was the poulaine

Poulaine Shoes: The Long-Toed Trend That Took Medieval Europe by Storm

When you think of medieval fashion, images of flowing robes, chainmail armor, and towering hats might come to mind. But one of the most striking, and sometimes puzzling, footwear trends of the Middle Ages was the poulaine: shoes with exaggeratedly long, pointed toes that stretched far beyond the foot itself.

What Are Poulaines?

Poulaine shoes, sometimes called crakows or pikes, were characterized by their distinctive elongated toes. These pointed tips could range from modest extensions to comically long projections, sometimes reaching several inches past the wearer's actual toes! They were typically made from leather, richly decorated, and worn by both men and women across Europe during the 14th and 15th centuries.

The name 'poulaine' is thought to derive from the French term for 'Polish,' as the style may have originated or been inspired by footwear popular in Poland and Eastern Europe before spreading westward.

Fashion and Function

At first glance, the poulaines may seem impractical, but they were a powerful fashion statement. The length of the toe was often a symbol of social status and wealth. Nobles and the aristocracy sported the longest points, signaling their elevated rank and ability to afford such extravagant footwear.

Interestingly, some poulaines were so long that they had to be tied to the leg with chains or straps to prevent the wearer from tripping, a fashion meets function compromise that added to their theatrical flair.

Symbolism and Controversy

The poulaines didn't just raise eyebrows for their length; they also stirred moral debate. Some religious leaders and social critics of the time condemned them as vain and excessive, emblematic of vanity and decadence in society. In fact, various sumptuary laws were enacted in different regions to restrict the length of poulaines and who could wear them.

Despite this, the shoes remained popular for decades, influencing other styles and even art. In medieval manuscripts and tapestries, poulaines often appear, capturing the imagination of historians and fashion enthusiasts alike.

Legacy

Although poulaines eventually fell out of fashion by the late 15th century, their legacy endures as a fascinating glimpse into medieval culture's complex relationship with fashion, status, and identity. Today, they remain a popular subject in historical reenactments, museum collections, and the study of medieval art and costume.

A Jaipur Launch of Plain-Spoken Feeling

Boarding life at Mayo gave Singh the habits these poems prize: early discipline, silence that sharpens attention, and a long train gaze readers often take as a metaphor for departures and returns. Teachers there, later echoed by Suresh Mathur, pressed form and plain speech together: think hard, write plain, care anyway. The book's trains, platforms, and timetables trace back to that boy boarder learning schedules and separations. Friends asked for Anthology 3.0 to be lighter, closer to Singh's banter. Two projects are on his desk: a novella with love and a hopeful end, and Mayo reminiscences for the school's 150th year (2025).

Mr. Suresh Mathur, Mr. Apurv Kumar, Mr. Tilak Devasher, Mr. Jagdeep Singh, Ms. Saumya Kulshreshtha

Ms. Saumya Kulshreshtha in conversation with Mr. Jagdeep Singh.

Mrs. Uma Sharma, Ms.Tusharika and Mr. Divij Sharma

Mr. Mahaveer Pratap

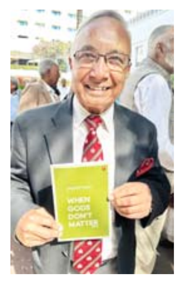

Mr. Suresh Mathur, Mr.Jagdeep Singh's teacher from Mayo College, Ajmer

Mr. Rajiv Sahai

Ms. Tabeenah Anjum and Ms. Reetika Bhargava

Mrs. Bhavna and Mr. Ashok Jagwani

Thakur and Mrs. Ram Pratap Diggi

Lt Gen Padam Singh, Lt Gen Anindya Sengupta and Lt Gen Raghu Srinivasan

Ms. Swati Vashishtha

Ms. Dharmendra Kanwar and Kanwar NPS Jhala

Mrs. Pinky Singh

Pushpendra Bhargava

At Hotel Clarks Amer, Jagdeep Singh's 50 free-verse poems turn Covid loss, classrooms, and city life into lean confession and wit, with an audience to really appreciate it all, and nostalgia flowed.

The Room and the Reason

A full house welcomed Jagdeep Singh, publicist, teacher, long-time Jaipur voice, for the launch of *When Gods Don't Matter*. Friends sometimes call him the 'Khushwant Singh of Jaipur' for candour and reach; admirers simply say he's a 'spark.' The event mixed quick readings with a plain argument: when the sacred feels far, language and care still do the work. Apurv and Timmi Kumar were gracious hosts; moderator Saumya Kulshreshtha kept it brisk. The city's literature crowd showed up, as did decades of Mayo College alumni. The book's stance is contemporary and personal, free verse without hedging, closer to talk than sermon.

The Book (What's in It)

When Gods Don't Matter gathers free-verse poems written over four years. Covid shadows many pages; so do insomnia, hospitals, travel, first love, and last words. As the press note puts it, "Contemporary poetry reflects the true expression of today's thoughts, emotions and experiences… not bound by any particular subject, style or tradition." Singh salutes T. S. Eliot, W. B. Yeats, Sylvia Plath, James Joyce, S. T. Coleridge, and Jean-Paul Sartre, felt here as echoes, not costume.

Poems to Start With

- "I Forget, I Forgive." First published at 21; very young and direct. (Reprinted with permission of the author.)

I FORGET, I FORGIVE

You're
just another
insect
being led
by his
crafty charm
into his
intricate web
of affluence
of deceit
of lust.
Don't tell me
I didn't warn you.
With a swollen womb
and
with a badge of infamy
when repulsed
ask not
for cyanide
my love
just ask
for my shoulder
to weep on
my love.
(My first published poem at the age of 21.)

- "When Gods Don't Matter" (p. 57). A dare and a plea from the Covid years; faith tested, care restored.
- "Hey Dad" (p. 23). Rail timetables and retiring rooms; a son's soft ache for one more lesson.
- "Cath-Labbed" (p. 19). Stents, fear, and a twist towards sunlight.
- "Insomnia" (p. 29). Anger at 3 a.m.; a line arrives before dawn.
- "Hawking Love" (p. 35). Brief peace in a divided time.
- "The Verse" (p. 76). Process as poem, Wordsworth's 'spontaneous overflow' reframed.
- "The Flash" (p. 28). Whitman embraced: "I contain multitudes."

Teachers and Threads

The launch doubled as a quiet Teacher's Day. Singh thanked Suresh Mathur and Jaipur professors, Rajul Bhargava, Mini Nanda, Rimika Singhvi, Sudha Rai. Prof. Rajul Bhargava called the book 'a tunnel that opens into a rose garden.' I was taught by each of these professors at the University of Rajasthan, so the acknowledgements felt like walking back into class. I remember Jagdeep's lines, "The six years I taught English literature at St. Xavier's were the best of my life, pure literature, pure joy. I also recall Father Mani's mix of informality and rigor (a memory)." Among Xavierites he once taught are three presently serving lieutenant generals: Padam Singh, Raghu Srinivasan, Anindya Sengupta. That classroom cadence meets a boarder's discipline in the next chapter, Mayo.

Mayo College: The Spine

Boarding life at Mayo gave Singh the habits these poems prize: early discipline, silence that sharpens attention, and a long train gaze readers often take as a metaphor for departures and returns. Teachers there, later echoed by Suresh Mathur, pressed form and plain speech together: think hard, write plain, care anyway. The book's trains, platforms, and timetables trace back to that boy boarder learning schedules and separations. Friends asked for Anthology 3.0 to be lighter, closer to Singh's banter. Two projects are on his desk: a novella with love and a hopeful end, and Mayo reminiscences for the school's 150th year (2025).

Mayo, Then Xavier's: How the Voice Formed

Mayo built the frame, routine, restraint, and that watchful traveller's eye. St. Xavier's tuned the cadence, classroom clarity, humour, and a listener's ear. Read 'Hey Dad' (p. 23) and you'll hear both: timetables and retiring rooms (Mayo's order), followed by the gentle afterthought of a teacher who knows how to leave space (Xavier's ease).

Book Facts

Title: When Gods Don't Matter
Author: Jagdeep Singh
Form: 50 poems, free verse
Publisher: Hawakal Publishers Pvt. Ltd., New Delhi
Themes: Covid years; love and loss; insomnia; hospitals; travel; teachers
Influences named: Eliot, Yeats, Plath, Joyce, Coleridge, Sartre

Influences in Plain English

Eliot's structure without stiffness; Plath's candour without cruelty; Whitman's room for contradiction; Wordsworth's overflow, trimmed to the bone. Homage, not imitation.

WHEN GODS DON'T MATTER

A call to home

Dr. Yannis Laribi, from France (a french guest at the Jaipur Inn who attended the poetry reading). He is taking the book back with him from Jaipur as precious memories.

He writes: "À peine cinq minutes après avoir posé le pied à Jaipur pour mon premier voyage en Inde, Reetika, mon hôte, une Indienne au français impeccable, m'invite à une récitation de poème en anglais. L'auteur s'appelle Jagdeep Singh, un nom que je n'avais encore jamais entendu.

Dans la voiture, on me tend son livre: When Gods Don't Matter.

Je l'ouvre au hasard et tombe sur le poème Hey Dad!.

Les mots décrivent des moments si justes qu'ils m'ont ramené, malgré les milliers de kilomètres, vers ma propre relation avec mon père.

Je me suis dit que dire je t'aime, c'était peut-être aussi ça : mettre en lumière ces instants ordinaires, ces gestes silencieux qui contiennent tout.

Chaque ligne transpire l'amour avec pudeur. J'ai été beaucoup touché.

Puis vient la récitation.

Un moment suspendu, presque irréel, dans un jardin baigné de lumière, entouré de bougainvilliers et de fleurs multicolores. Les voix s'élèvent, les mots résonnent, et le temps s'arrête.

Un bel hommage.

Merci Ritika.

Merci Jagdeep Singh, vous ne me connaissez pas mais moi j'ai l'impression de vous connaître un peu. Vous avez gagné un lecteur.

Dr. Yannis Laribi (translation of **Je l'ouvre au hasard et tombe sur le poème Hey Dad!.**

Les mots décrivent des moments si justes qu'ils m'ont ramené, malgré les milliers de kilomètres, vers ma propre relation avec mon père.

Je me suis dit que dire je t'aime, c'était peut-être aussiça: mettre en lumière ces instants ordinaires, ces gestes silencieux qui contiennent tout.

Chaque ligne transpire l'amour avec pudeur. J'aiété beaucoup touché.

"I open the book and by chance I fell upon the poem 'Hey Dad!'

The words describe the moments so perfectly that they took me, inspite of thousands of kilometres, towards my own relationship with my father.

I told myself that saying I love you, it was perhaps also that: highlight these ordinary moments, these quiet gestures which contain all.

Every line exudes love with pudeur. I was touched a lot.")

1. **Page vs. person. Offstage, you're understated; on the page, you're fiercer. Where does that split come from, craft or temperament?**

Ans. True. Some of my poems reflect angst, anger, disillusionment, and disappointments. However, I don't think my countenance or demeanour should ever portray those emotions.

2. **Mayo & the trains. What did boarding-school life at Mayo, and those long train journeys, give your poetry (discipline, distance, rhythm)?**

Ans. I have written a long piece on 'The Mayo Special to Delhi' from Ajmer. The trains have never been used as a metaphor or symbol in my verses. The greatest takeaway from Mayo was some very fine teachers. My former English teacher, Mr. Suresh Mathur, to whom I have dedicated my anthology, imbued in me the love for literature. Having said that, I never wrote poetry in school.

3. **Leadership change. When a younger principal (Mr. Shomie Das, of Gordonstou school attended by King Charles III succeeding Principal Jack Gibson) took charge, what shifted in the school's air? Did that handover shape your voice?**

Ans. Mr. Shomie R. Das was just 34 when he became Principal. I hero-worshipped him. He introduced a number of new initiatives. However, that doesn't take away Mr. Jack Gibson's solid legacy.

4. **One classroom moment that still echoes in a poem. Six Xavier's years as the happiest: 'pure literature, pure joy?'**

Ans. When I look back, the six-and-a-half years that I taught at St. Xavier's, Jaipur emerge as the most memorable. I loved teaching there. I convinced the school management to introduce Elective English. I loved teaching poets like Sylvia Plath and Ted Hughes, who were in the syllabus. As moderator for the school publication X-Rays, I introduced a creative-writing page and made students write poetry in class. They still remind me of that when we meet.

5. **Do you still write like a boarder on a platform, packing small truths in a rucksack?**

Ans. I have never written very long poems. Even some of my shortest verses have considerable depth and layers.

6. **How has Jaipur shaped you and your verse?**

Ans. A city always impacts a poet. In my first anthology, I wrote a poem titled 'Maharaja Sawai Jai Singh II.' I (the statue at Statue Circle) appealed to him not to take a walk around the city, he would have been utterly shocked at its state.

Pull-Quotes

"Unbound by any limitations."
-Jagdeep Singh

"Still waters run deep."
-Timmi Kumar

"Poetry mixes memories with desires… spring rains on dull routes."
-Rajiv Sahai

rajeshsharma1049@gmail.com

#DR. JANAKI AMMAL

Making Sugarcane Sweeter

Trailblazing Botanist and Her Remarkable Contributions

Dr. Edavalath Kakkat Janaki Ammal (1897-1984) stands as a towering figure in Indian science, renowned for her groundbreaking work in botany, cytogenetics, and plant breeding. As one of the earliest Indian women scientists to make a global mark, her achievements not only advanced botanical sciences but also broke social barriers, inspiring generations of women in STEM fields.

Early Life and Education

Born in Kerala, India, Janaki Ammal showed a passion for plants and nature from an early age. After completing her education in India, she earned a scholarship to study abroad. She pursued advanced studies at the University of Michigan, USA, where she earned her Ph.D. in cytogenetics, the study of chromosomes and their role in heredity.

Pioneering Work in Cytogenetics and Plant Breeding

Dr. Janaki Ammal's research focused primarily on plant cytogenetics, a field that combines genetics with the microscopic study of chromosomes to understand plant heredity and variation.

- **Chromosome Studies:** She conducted pioneering work on chromosome numbers and behaviour in plants, helping to classify various species and understand their evolutionary relationships.
- **Sugarcane Hybridization:** One of her most notable contributions was her work on improving sugarcane varieties. Through hybridization and breeding techniques, she helped develop strains that were more productive and disease-resistant, significantly benefiting the sugar industry.
- **Development of 'Coorg Honey Dew' Banana:** Janaki Ammal played a key role in developing improved banana varieties such as the famous Coorg Honey Dew, known for its taste and yield.

International Collaborations and Recognition

Her scientific career spanned continents. Dr. Janaki Ammal worked at prestigious institutions like the John Innes Institute in England and the Royal Horticultural Society's gardens at Wisley, where she conducted cytogenetic research and plant breeding. Her contributions earned her international acclaim, making her one of the few Indian women scientists of her era to be recognized globally. She was a member of various scientific organizations and participated in conferences worldwide.

Championing Indigenous Plants and Biodiversity

Dr. Ammal was a strong advocate for the conservation of indigenous Indian flora. She conducted extensive research on Indian medicinal plants, promoting their importance for healthcare and biodiversity. Her work highlighted the value of India's rich botanical heritage and emphasized sustainable utilization of plant resources.

Honours and Legacy

- **Padma Shri Award:** In recognition of her outstanding scientific contributions, Dr. Janaki Ammal was honoured with the Padma Shri by the Government of India in 1977.
- **First Woman Cytogeneticist in India:** She is celebrated as India's first woman cytogeneticist and a pioneer in plant genetics.
- **Inspiration to Women Scientists:** Beyond her scientific achievements, her career broke gender stereotypes, paving the way for countless women in science.

Several institutions and botanical gardens have been named in her honour, preserving her legacy and inspiring future generations.

Dr. Janaki Ammal's life and work reflect a rare blend of scientific brilliance, dedication to national development, and a commitment to empowering women in science. Her pioneering research in cytogenetics and plant breeding not only enriched the field of botany but also contributed significantly to India's agricultural progress. As a trailblazer, educator, and environmental advocate, Dr. Janaki Ammal remains a shining example of how passion and perseverance can change the world, one chromosome at a time.

THE WALL

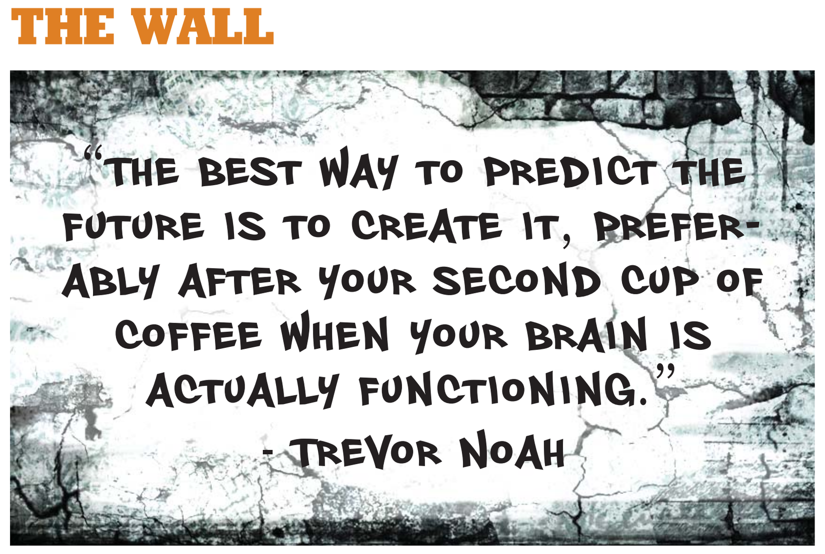

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

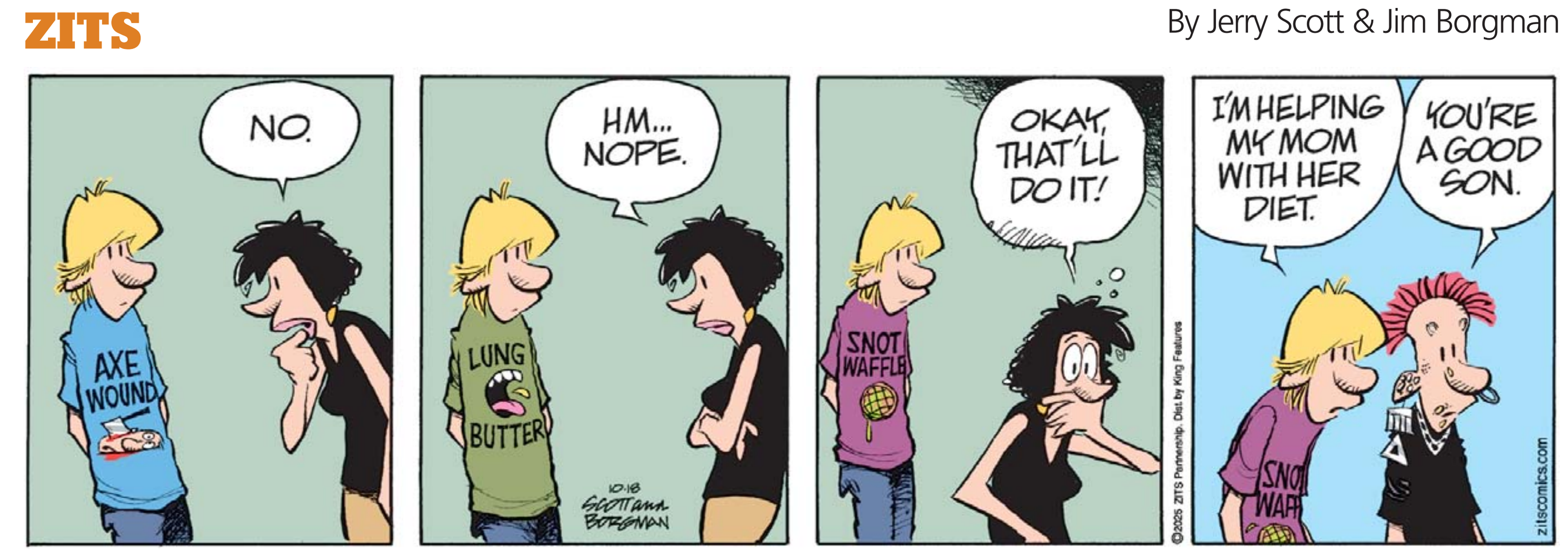

कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लगी, लाखों रुपये का नुकसान हुआ

आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में पास के एक अन्य गोदाम को भी चपेट में लिया

अजमेर, (निसं)। श्रीनगर रोड नाका मदार नेहरू नगर स्थित कबाड़ के गोदाम में बुधवार देर रात लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में उसने पास के एक अन्य गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटनास्थल पर उठती लपटें दूर से दिखाई दे रही थी और क्षेत्र में धुएं का बादल फैल गया।

स्थानीय लोगों ने आग को देखकर अग्निशमन विभाग और पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। आग से गोदाम में रखे पुराने टायर और प्लास्टिक सामग्री जलकर राख हो गई। भीषण आग को देखते हुए फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियों ने दो-दो फेरे लगाए, तब जाकर आग पर नियंत्रण पाया जा सका। भीषण आग के कारण आसपास रहने वाले लोग पूरी रात दहशत में रहे। कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए ताकि फैलती लपटें और धुएं से सुरक्षित रह सके। आग को बुझाने का काम देर रात से लेकर गुरुवार तड़के तक चलता रहा। बीच-बीच में फिर से उठती लपटों ने मुसीबतें बढ़ा दी। प्लास्टिक और रबर सामग्री होने के कारण आग बार-बार धधक उठी थी, जिससे ऑपरेशन मुश्किल होता गया।

मौके पर पहुंचे दमकल वाहनों ने गोदाम में लगी आग बुझाई।

- गोदाम में मौजूद ज्वलनशील पदार्थ पुराने टायर और प्लास्टिक ने आग तेजी से फैलाई
- सात दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जांच में जुटी पुलिस

मुख्य अग्निशमन अधिकारी जगदीश प्रसाद फुलवारी ने बताया कि गोदाम में मौजूद अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ पुराने टायर और प्लास्टिक ने आग को तेजी से फैला दिया। यही कारण रहा कि पास वाले गोदाम को भी नुकसान पहुंचा।

कबाड़ गोदाम रवि जैन के अनुसार आग में जलकर नष्ट हुई सामग्री की कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर विभाग संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी अन्य कारण से। सूचना पर अलवर गेट थाना पुलिस वहां पहुंची और भीड़ को हटाकर फायर टीम को काम करने में मदद की। पुलिस क्षेत्र के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के समय मौजूद किसी भी संदिग्ध गतिविधि का सुराग मिल सके।

लूणकरनसर की झील में प्रवासी और विदेशी पक्षी आना शुरू

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरनसर में सेम के पानी से बनी झील में प्रवासी और विदेशी पक्षी आना शुरू हो गए हैं। इसके लिए विदेशी के साथ ही देशी पक्षियों का भी अध्ययन किया जा रहा है। वन विभाग ने इसके लिए पंद्रह नवम्बर से एक दिसम्बर तक अभियान चलाने का निर्णय किया है। इस दौरान गणना भी की जाएगी।

उप वन संरक्षक लखन सिंह ने बताया कि लूणकरणसर साल्टलेक पर प्रवासी और स्थानीय पक्षियों, स्थानीय वनस्पति, लुप्त हो रहे पक्षी, जलीय पक्षी और मछलियों आदि की वास्तविक जानकारी एकत्रित करने के लिए 15 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक गणना होगी। इसके लिए पर्यावरण प्रेमियों, वनस्पति विज्ञानियों, पक्षी विशेषज्ञों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से रामसर साइट के लिए अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की लूणकरणसर साल्ट लेक का गजट नोटिफिकेशन 19 फरवरी 2024 को जारी किया जा चुका है।

- वन विभाग अभियान चलाएगा, 15 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक होगी गणना

वैटलैंड नियम 2017 के तहत वैटलैंड घोषित किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 320 हेक्टेयर है। उन्होंने कहा कि रामसर स्थल का चयन होना जिले के लिए गौरव का विषय होगा। उन्होंने पर्यावरण प्रेमियों, वनस्पति विशेषज्ञों, पक्षी विशेषज्ञों और स्वयं सेवी संस्थाओं को सूचना दी है कि वन विभाग लूणकरणसर साल्ट लेक पर प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों, स्थानीय वनस्पति, संकटग्रस्त एवं जलीय पक्षियों, मछलियों की जानकारी एकत्रित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आव्हान किया है कि इनके द्वारा रामसर स्थल के लिए पक्षियों और वनस्पतियों आदि का डेटा और जानकारी एकत्रित करवाने में विभाग का सहयोग प्रदान करें। रामसर स्थल से संबंधित पक्षी, वनस्पति, मछली आदि से जुड़ा कोई भी डाटा अथवा जानकारी उपलब्ध है, तो वन विभाग को उपलब्ध करवाएं, जिससे जिले में अंतराष्ट्रीय महत्त्व के रामसर स्थल के लिए आवश्यक कार्यवाही करवाई जा सके।

कुख्यात अपराधी धनसिंह को हथियार उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार

आरोपी पर जयपुर ग्रामीण पुलिस ने पांच हजार का

सरवाड़, (निसं)। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी धनसिंह को हथियार उपलब्ध करवाने वाले 'डी गैंग' के शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर जयपुर ग्रामीण पुलिस ने पांच हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी धनसिंह गैंग का सक्रिय बदमाश है तथा पिछले डेढ़ साल से फायरिंग व जानलेवा हमले जैसे गंभीर मामलों में फरार चल रहा था।

- दो नवंबर को पुलिस ने मुलजिम धनसिंह को हथियार समेत गिरफ्तार किया था

जानकारी के अनुसार दो नवंबर को पुलिस ने मुलजिम धनसिंह उर्फ धनसा उर्फ धनु प्रतापसिंह (46) पुत्र गजराज सिंह राजपूत निवासी पीपरोली थाना सराना को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से दो देशी पिस्टल व 12 बोर बंदूकें, छह जिंदा कारतूस व तीन गोल ग्रेनेडनुमा विस्फोटक जब्त किए थे। पुलिस ने आर्म्स एक्ट विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तथा धनसिंह से पूछताछ शुरु की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि धनसिंह को ये हथियार व गोला-बारूद वांछित अपराधी शिवराज सिंह उर्फ शिवसा पुत्र सुमेर सिंह निवासी जडावता थाना नरैना जिला जयपुर ग्रामीण द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इस खुलासे के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आसूचना इंटेलिजेंस के आधार पर शिवराज सिंह की तलाश की और उसे डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया।

सरवाड़ पुलिस ने कुख्यात धनसिंह को हथियार उपलब्ध कराने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार आरोपी शिवराज सिंह के खिलाफ केकड़ी सदर बिजयनगर व दूदू में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में सरवाड़ थानाधिकारी गिरिराज कुमार सराना, थानाधिकारी उगमाराम, सरवाड़ थाना पुलिस के कांस्टेबल राज किरण, शुभकरण हरिराम व दातार सिंह एवं सरवाड़ हनुमान साहित अन्य ने अहम भूमिका निभाई है।

महिला की हत्या का खुलासा, दो आरोपी बापर्दा गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मंगरोप थाना क्षेत्र में गत दिनों महिला की लाश मिलने के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

एसपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर पुलिस थाना मंगरोप क्षैत्र में घटित घटना के खुलासे व आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पारस जैन आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय के निर्देशन में व माधव उपाध्याय (आईपीएस) सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत सदर के सुपरविजन में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। नौ नवम्बर की सुबह थाना मंगरोप पर सूचना मिली कि सरहद सालारीया में माधोपुरा रोड पर रोड की साइड में एक महिला की लाश पड़ी है। उक्त सूचना पर थाना मंगरोप से पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा, वहां पर मृतका की शिनाख्त की। जिस पर मृतका के पति द्वारा पेश रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस ने बीटीएस लोकेशन, मृतका की घटना दिनांक को घर से रवाना होने से लेकर फैक्टरी व जिस स्थान पर मृतका की लाश पड़ी हुई मिली। उक्त स्थानों के मध्य पड़ने वाले समस्त सीसीटीवी कैमरों की फुटेज प्राप्त कर गहन विश्लेषण कर अज्ञात मुल्जिमानों की तलाश की गई। ठेकों के सेल्समैनों से घटना से संबंधित जानकारी प्राप्त की व साईबर टीम का गठन किया जाकर सीसीटीवी कैमरे के फुटेज का अवलोकन से मृतका के साथ में रास्ते में पड़ने वाले ठेके पर मृतका के साथ दो लड़के शराब के ठेके के पास में स्थित एक अण्डे की दुकान पर साथ में शराब का सेवन करते हुए एवं आपस में बातचीत करते हुए व लडकों द्वारा शराब के ठेके से ओर शराब खरीदते हुए एवं शराब खरीदने के उपरान्त उनमें से एक व्यक्ति द्वारा मोटरसाईकिल को चलाना व मृतका को मोटरसाईकिल पर बीच मे बिठाकर पीछे एक अन्य व्यक्ति द्वारा बैठकर तीनों एक ही मोटरसाईकिल पर चित्तौड रोड की तरफ जाते हुए दिखाई देने पर संदिग्ध दो व्यक्ति की पहचान हुई।

जिनको डिटेन कर पूछताछ की गई तो पाया गया कि दोनों व्यक्तियों द्वारा मृतका महिला के साथ चित्तौड़ रोड स्थित एक शराब के ठेके के पास अण्डे की दुकान पर बैठकर शराब का सेवन करना एवं मृतका को अपने साथ मोटरसाईकिल पर बीच मे बैठाकर चितौड रोड की तरफ से जाकर मण्डपिया माधोपुर रोड के किनारे सुनसान जंगल में ले जाकर तीनों के द्वारा शराब का सेवन कर महिला के साथ जबरन बलात्कार करना एवं मृतका के द्वारा आरोपियों से विरोध कर भागने के लिए मजबूर होने पर मृतका आरोपियों से पीछा छुडाकर भागती हुई रोड पर आई। अंधेरे में ट्रेक्टर-ट्रॉली से टकरा जाने से दुर्घटना होने के उपरान्त मृतका को उपचार के लिए नहीं ले जाकर बिना किसी को सुचित किए मृतका को रोड से घसीटकर सबूत मिटाने के आशय से झाड़ियों में पटक देना और उसका चेहरा कपडे से ढककर फरार हो जाना प्रथम दृष्टया अनुसंधान में पाया जाने से दो आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

स्ट्रीट लाइट टेंडर में हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग

भरतपुर, (निसं)। नगर निगम द्वारा शहर में 6 करोड़ रुपये की लागत से लगाई जाने वाली स्ट्रीट लाइट के टेंडर में हुए भ्रष्टाचार की जांच एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराने के लिए समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने संभागीय आयुक्त को पत्र लिखा है।

पत्र में कहा गया है कि स्वायत्तशासी संस्था में हो रहे इस तरह के भ्रष्टाचार से लोगों में नकारात्मक सोच बनने लगी है। गुप्ता द्वारा लिखे पत्र में कहा है कि स्ट्रीट लाइट के टेंडर में अपनी चहेती फर्म को लाभ पहुँचाने के लिए नियमों को दरकिनार किया गया। इस भ्रष्टाचार के उजागर होने के बाद भी जिम्मेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। पत्र में यह भी कहा है कि निगम द्वारा किये गए अन्य विभागीय कार्यों की जाँच भी कराई जाए तो निगम में हो रहे भ्रष्टाचारों की परतें भी खुल सकती हैं। इसी प्रकार गोलमोल बगीची के पास स्थित कुंडे की जीर्णोद्धार पर करीब 5 करोड़ रुपये व्यय किये गए लेकिन कुंडे को देखने से नहीं लगता है कि इस का जीर्णोद्धार नियमानुसार व तकमीना के अनुसार हुआ है। कुंडे के चारों तरफ किया गया कार्य क्षतिग्रस्त हो चुका है तथा चारदीवारी भी जीर्ण-शीर्ष होकर गिरने लगी है। पत्र में आग्रह किया है कि निगम व बी डी ए ने शहर के विकास के लिए एक हजार करोड़ रुपये का ऋण ले रखा है, यदि इस ऋण की राशि से कराए जा रहे कार्यों में भ्रष्टाचार होता है तो भरतपुरवासियों में दोनों संस्थाओं के प्रति नकारात्मक सोच बनती जा रही है , जिसकी जांच कराकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जुताई के दौरान ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना क्षेत्र के नंदौड गांव में खेतों में जुताई के दौरान ट्रैक्टर पलटने से किसान की दबने मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर किसी को बताए बिना घर जाकर सो गया। सुबह जब किसान की बेटी पिता को खोजते हुए खेत पहुंची, तो हादसे का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार मनजी सिंघाडा पुत्र रुपए सिंघाडा, मूल निवासी जोहनिया माफी थाना गढी बांसवाड़ा था। वह पिछले एक वर्ष से नंदौड गांव में अपने परिवार के साथ रहकर खेती-बाड़ी करता था।

- हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर किसी को बताए बिना घर जाकर सो गया

मृतक के भाई वीरजी सिंघाडा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बुधवार रात मनजी खेतों में ट्रैक्टर से जुताई का कार्य करवा रहा था। गांव का ही मगन पुत्र धारजी बामनिया ट्रैक्टर चला रहा था। इस दौरान रिवर्स लेते समय ट्रैक्टर अचानक बेकाबू होकर गड्ढे में पलट गया। मनजी ट्रैक्टर के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घबराए ड्राइवर मगन ने किसी को कुछ नहीं बताया और चुपचाप घर जाकर सो गया। देर रात जब मनजी घर नहीं लौटा तो उसकी बेटी पिंकी उसे खोजते हुए खेतों की ओर पहुंची, जहां उसने यह मंजर देखा।

सूचना मिलते ही परिजन बांसवाड़ा से नंदौड गांव पहुंचे। शव को सागवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत, भाई घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे टीडी सर्विस लाईन पर ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई तथा उसका भाई घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकरी के अनुसार बुधवार रात को टीडी थानाक्षैत्र सर्विस रोड़ पर ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में राहुल (18) पुत्र लक्ष्मण निवासी पडूणा की मौत हो गई तथा उसका भाई संदीप (21) घायल हो गया। जिसे जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। दोनों बाइक से शहर से उदयपुर लौट रहे थे। जहां पडूणा सर्विस लाईन पर लघुशंका करने रूके थे। इस दौरान हादसा हो गया।

उपचार के दौरान महिला की मौत : उदयपुर में टेम्पो की टक्कर से घायल स्कूटी सवार महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे पूर्व तीन दिन पूर्व उसकी दुधमुंही पुत्री को मौत हो चुकी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र भानु कुमार शास्त्री एनक्लेव आर 5 निवासी हर्षिता श्रीमाली (38) पत्नी प्रकाश श्रीमाली की हादसे में घायल होने से मौत हो गई। रविवार को हर्षिता अपनी दुधमुही पुत्री मानवीक (3) स्कूटी पर लेकर दवा लेने के लिए मेडिकल स्टोर की तरफ जा रही थी। जहां बीच रास्ते में टेंपो वाहन ने स्कूटी को चपेट में ले लिया था। जिससे दोनों को घायल अवस्था में चिकित्सालय पहुंचाया, जहां मानवीक की पूर्व में मृत्यु हो गई थी, जबकि हर्षिता उपचाररत थी। एएसआई धर्मवीरसिंह ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

मिठाई में नशीला पदार्थ खिलाकर महिला से दुष्कर्म

बीकानेर, (निसं)। महिला को मिठाई में नशा देकर बेसुध और उसके साथ दुष्कर्म करने, अश्लील फोटो खींचकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की ओर से कोटगेट थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि वह विवाहिता है और वर्ष, 2020 में पति से अलग हो गई। उसके बाद वह सिक्यूरिटी गार्ड की नौकरी करने लगी। इस दौरान उसकी कंपनी में ही काम करने वाले सिक्यूरिटी गार्ड ललित राणा से जान-पहचान हो गई। वह बीमार हुई तो राणा उसके घर आने-जाने लगा। इस दौरान 25 अप्रैल को राणा मिठाई लेकर उसके घर पहुंचा और प्रसाद बताकर उसे खिला दी। इससे वह बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में राणा ने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो खींच ली। बाद में फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। उससे 53 हजार रुपए भी ऐंठ लिए। सादे कागजों पर हस्ताक्षर भी कराए। आरोपी उसे जयपुर ले गया और वहां होटल में भी दुष्कर्म किया। राणा के परिजनों ने भी जान से मारने की धमकी दी। कोटगेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिक्षक पर छात्रा से अशोभनीय व्यवहार का आरोप

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बिलिया (पोकरण) में गुरुवार सुबह उस समय हंगामा मच गया, जब विद्यालय के एक शिक्षक पर छात्रा के साथ अशोभनीय व्यवहार करने का आरोप लगा।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक, ग्रामीण और छात्र विद्यालय परिसर में एकत्रित हो गए। आक्रोशित लोगों ने विद्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया और आरोपी शिक्षक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलने पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुशीला और अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हेमशंकर जोशी मौके पर पहुंचे और अभिभावकों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया।

अभिभावकों का आरोप है कि छात्रा ने शिक्षक की हरकत की जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके बाद मामला सामने आया। घटना फैलते ही पूरे क्षेत्र में रोष व्याप्त हो गया और विद्यालय में शिक्षण कार्य ठप पड़ गया। ग्रामीणों और अभिभावकों ने आरोपी शिक्षक के साथ-

- अभिभावक, ग्रामीण और छात्रों ने विद्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

साथ मामले को दबाने में शामिल कार्यवाहक प्रधानाचार्य पर भी कार्रवाई की मांग की। समझाइश के बावजूद लोग आरोपी की गिरफ्तारी पर अड़े रहे। मौके पर उपखंड अधिकारी हीर सिंह चारण, थानाधिकारी छत्तर सिंह देवडा, सीबीईओ सुशीला, एसीबीईओ हेमशंकर जोशी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वहीं परिजनों की ओर से पार्षद आईदान पंवार, मांगीलाल गहलोत, धूडाराम माली, जगदीश माली, रामेश्वर गहलोत और ईश्वर माली सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। वहीं प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हुई वार्ता में यह तय हुआ कि यदि सोमवार तक आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी नहीं होती, तो माली समाज और शहरवासी पुनः धरना प्रदर्शन करेंगे।

उदयपुर : राष्ट्रीय कृषि एवं पशुपालन उद्यिमता कार्यशाला का समापन

उदयपुर/जयपुर। राष्ट्रीय कृषि एवं पशुपालन उद्यिमता कार्यशाला के समापन सत्र के रूप में आयोजित बॉयर-सेलर मीट ने एसएचजी उद्यमों, उत्पादक समूहों, किसान उत्पादक संगठनों और देशभर के प्रमुख संस्थागत खरीदारों के बीच प्रत्यक्ष बाजार संवाद के लिए एक अभूतपूर्व मंच तैयार किया। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक का उद्देश्य महिला संचालित ग्रामीण उद्यमों के लिए मूल्य श्रृंखला एकीकरण को मजबूत करना हैं।

बैठक की अध्यक्षता स्वाति शर्मा, आईएएस, संयुक्त सचिव (ग्रामीण आजीविका), ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा नेहा गिरि,आईएएस, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका ने की। इस अवसर पर आर.वी. शाजीवना, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तमिलनाडु एसआरएलएम भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बाजार पहुँच एवं उद्यम विकास के लिए टीएन-एसआरएलएम द्वारा अपनाई गई प्रमुख रणनीतियों को साझा किया।

एसएचजी महिलाओं के लिए बाजार पहुँच को सशक्त बनाना :- राजीविका द्वारा राजस्थान के 41 जिलों से बाजार-उपयुक्त उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जो मसाले, शहद, पशुधन उत्पाद, अनाज, प्राकृतिक खेती उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में संलग्न हजारों एसएचजी महिलाओं के कार्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। बॉयर-सेलर मीट में खाद्य, कृषि, मसाले, पशुधन, प्रसंस्करण और निर्यात क्षेत्रों की 25 से अधिक कंपनियाँ शामिल हुईं, जिन्होंने सामुदायिक संस्थानों के साथ संरचित संवाद स्थापित किए।

उदयपुर में राष्ट्रीय कृषि एवं पशुपालन उद्यिमता कार्यशाला का समापन सत्र आयोजित हुआ।

- उच्च-स्तरीय खरीदार-विक्रेता बैठक के साथ, अग्रणी कंपनियों ने राजीविका एसएचजी उद्यमों के साथ हस्ताक्षर किए

महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन :- कई प्रमुख कंपनियों ने राजीविका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एसएचजी उद्यमों से बड़े पैमाने पर क्रय की तत्परता व्यक्त की गई। ये प्रतिबद्धताएँ ग्रामीण उत्पादकों के लिए सुनिश्चित बाजारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

खरीदार-विक्रेता बैठक के प्रमुख परिणाम :- इस बैठक से प्रत्यक्ष विपणन चैनल स्थापित कर एसएचजी, पीजी एवं एफपीओ ने बिचौलियों को दरकिनार करते हुए सीधे खरीदारों से संबंध स्थापित हुए। राजस्थान के ग्रामीण उत्पाद अनाज, शहद, पशुधन नस्लें एवं प्राकृतिक खेती उत्पादों में उच्च मात्रा की खरीद में रुचि दिखाई। कई खरीदारों ने एसएचजी महिलाओं को खरीद, प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक्स श्रृंखला में शामिल करने की तत्परता दिखाई। राष्ट्रीय स्तर के खरीदारों ने एसएचजी उत्पादों की गुणवत्ता, स्थिरता और विविधता की सराहना की। 25 से अधिक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की भागीदारी से अंतर-राज्यीय सीख और सहयोग को बढ़ावा मिला।

राष्ट्रीय कार्यशाला का ऐतिहासिक समापन :- तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन बाजार विश्वास, संस्थागत सहयोग और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ हुआ। खरीदारों की सक्रिय भागीदारी, एसएचजी उत्पादों में गहरी रुचि और ग्रामीण महिला उत्पादकों के उत्साह ने राजस्थान की महिला संचालित ग्रामीण उद्यिमता में अग्रणी भूमिका को पुनः स्थापित किया। यह कार्यशाला ग्रामीण मूल्य श्रृंखलाओं के विस्तार, आजीविका विविधीकरण को गहराने और लाखों एसएचजी महिलाओं को सतत उद्यमी एवं भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की प्रमुख योगदानकर्ता बनने के लिए सशक्त करने हेतु एक मजबूत आधार तैयार करती है।

अनैतिक कार्य की सूचना पर होटल में छापा मारा

डूंगरपुर, (निसं)। स्पेशल पुलिस टीम ने धम्बोला थाना क्षेत्र के पीठ कस्बे में भाजपा सलारेश्वर मंडल उपाध्यक्ष की एक होटल पर छापेमारी की। होटल में वैश्यावृत्ति में लिप्त होने के आरोप में एक युवती और दो युवकों को पकड़ा गया है। पुलिस ने पीटा एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

धम्बोला थाना क्षेत्र के पीठ कस्बे में स्थित होटल में अवैध गतिविधियों की शिकायतें लगातार मिल रही थी। इन शिकायतों पर जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से गठित स्पेशल टीम ने बुधवार रात कार्यवाही की। टीम के होटल पहुंचते ही हड़कंप मच गया। काउंटर पर एक युवक बैठा मिला, जबकि एक कमरे में एक युवक और युवती मौजूद थे। होटल पर ठहरने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। स्पेशल टीम ने मौके से युवती और दोनों युवकों को डिटेन कर धम्बोला थाना पुलिस को सुपुर्द किया। बाद में पुलिस ने तीनों को पीटा एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि होटल में इस तरह की गतिविधियां कब से चल रही थी और इसमें अन्य कौन लोग शामिल हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित होटल भाजपा सलारेश्वर मंडल उपाध्यक्ष महिपालसिंह की है।

होटल पर छापेमारी के बाद भाजपा सलारेश्वर मंडल उपाध्यक्ष महिपालसिंह ने बताया कि होटल उन्होंने अप्रैल महीने से किराए पर दिया हुआ है। किरायेदार ही होटल का संचालन कर रहे हैं। अगर होटल में गलत काम किया जा रहा है, तो वे उसे खाली करवाएंगे और पुलिस अपनी कार्यवाही करें।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में प्रतापनगर थाना क्षेत्र अनियंत्रित ट्रक से बाइक टकरा गई। हादसे में चालक घरहरा भगुआ केमुर बिहार हॉल मेडता डबोक निवासी रवि (28) उज्ज्वल पुत्र विद्यासागर सिंह की मौत हो गई। रवि मादड़ी इंडस्ट्रीज एरिया में स्थित फैक्ट्री में नौकरी करता था। बुधवार रात में बाइक पर शहर से गांव लौट रहा था। जहां बीच रास्ते में आगे चल रहे ट्रक के चालक ने अचानक गाड़ी मोड़ दी जिससे बाइक जा टकराई। हदसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। इस पर एएसआई भगवत सिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

मतदाता सूची में शून्य त्रुटि और पूरी गति सुनिश्चित करें : संभागीय आयुक्त

संभागीय आयुक्त भरतपुर, डॉ. टीना सोनी और जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर, उत्सव कौशल ने कुम्हेर, कामां और पहाड़ी के दूरदराज के गांवों का सघन दौरा किया।

- गांव-गांव पहुंचे संभागीय आयुक्त व कलेक्टर, पहाड़ी में डिजिटाइजेशन का किया लाइव टेस्ट, बीएलओ की मदद के लिए अतिरिक्त कार्मिक टीमें लगाने के निर्देश

भरतपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गति देने के लिए गुरुवार को संभागीय आयुक्त भरतपुर, डॉ. टीना सोनी और जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर, उत्सव कौशल ने खुद जमीनी मोर्चा संभाला। दोनों उच्चाधिकारियों ने उपखंड कुम्हेर, कामां और पहाड़ी के दूरदराज के गांवों का सघन दौरा किया और बूथ लेवल अधिकारियों से लेकर आम मतदाताओं तक, सभी से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदाता सूची के कार्य में शून्य त्रुटि के साथ अधिकतम गति लाई जाए। 'गांव की चौपाल पर मतदाताओं से सीधा संवाद' अधिकारियों का काफिला जब गांवों में पहुंचा, तो उन्होंने सीधे चौपालों और घरों के बाहर बैठे आम मतदाताओं से बातचीत की। संभागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी ने स्थानीय ग्रामीणों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनसे पूछा कि क्या बीएलओ उनके घर तक पहुंचे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को इस अभियान के महत्व को समझाते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर एक वोट कीमती है और सभी पात्र नागरिकों को अपना नाम सूची में जुड़वाना चाहिए।

इस औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परमदरा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गया कुंड (कामां), राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अऊ, दीवानपुरा और छापर मोहल्ला पहुंचकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का भौतिक सत्यापन किया।

पहाड़ी उपखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान, डॉ सोनी ने तहसील कार्यालय स्थित चुनाव सेल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने केवल रिपोर्ट लेने के बजाय, प्रक्रिया का लाइव टेस्ट करने का निर्णय लिया।उन्होंने बीएलओ द्वारा एकत्रित किए गए प्रपत्रों को मौके पर ही पोर्टल पर अपडेट करने की पूरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य यह जांचना था कि क्या बीएलओ को फॉर्म अपलोड करते समय किसी तकनीकी समस्या का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी तकनीकी बाधा को तुरंत दूर किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपडेट प्रक्रिया उचित गति से संचालित पाई गई।

इस पर संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बीएलओ की मदद के लिए तत्काल अतिरिक्त कार्मिकों की टीमें नियुक्त की जाएं, ताकि प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन के काम में सुविधा हो सके। उन्होंने निरीक्षण किए गए विद्यालयों के प्रिंसिपलों और स्टाफ से भी बात की और उन्हें बूथ लेवल अधिकारियों को हरसंभव प्रशासनिक और तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देश दिए।

डॉट्स प्रोवाइडर्स को दिया प्रशिक्षण

टोंक। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला क्षय निवारण केंद्र में गुरूवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें खंड टोंक-पीपलू के सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (सीएचओ) तथा डॉट्स प्रोवाइडर्स को टीबी उन्मूलन की रणनीतियों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल ने अभियान के छह प्रमुख इंडिकेटर्स पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ. मित्तल ने कहा कि नॉट साइट्स पर अधिक से अधिक बलगम सैंपल भेजकर संदिग्ध मरीजों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित की जाए, ''टीबी मुक्त पंचायत का सपना तभी साकार होगा जब हर स्वास्थ्यकर्मी अपनी जिम्मेदारी को मिशन की तरह निभाए।

टीबी मरीज को निक्षय पोषण योजना के तहत 1000 रूपये मासिक सहायता तथा निक्षय मित्र के माध्यम से अतिरिक्त पोषण/आर्थिक मदद दिलवाने के बाद निक्षय पोर्टल पर तत्काल ऑनलाइन एंट्री अनिवार्य है। साथ ही डॉ0 मित्तल द्वारा बाल चिकित्सा टीबी के लक्षण, निदान व प्रबंधन पर विशेष सत्र लिया।

व्यापारी पर फायरिंग, आक्रोशित व्यापारियों ने बंद रखा बाजार

- अधिकारियों के आश्वासन के बाद खोला गया बाजार
- रूपवास क्षेत्र में बुधवार शाम सर्राफा व्यापारी पर फायरिंग की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बदमाशों ने व्यापारी से लूट का प्रयास किया और विरोध करने पर फायरिंग कर दी।
- घटना में गोली लगने से एक व्यक्ति घायल

भरतपुर। रूपवास कस्बे के रूपवास क्षेत्र में बुधवार शाम सर्राफा व्यापारी पर फायरिंग की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बदमाशों ने व्यापारी से लूट का प्रयास किया और विरोध करने पर फायरिंग कर दी। घटना में एक व्यक्ति को गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के विरोध में रूपवास व्यापार संघ ने गुरुवार को बाजार बंद रखने का आ ान किया। सुबह से ही कस्बे के सभी प्रमुख बाजार पूरी तरह बंद रहे। व्यापारियों ने महादेव चौक पर एकत्र होकर घटना की कड़ी निंदा की और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

घटना की जानकारी मिलते ही विधायक डॉ. ऋतु बनावत, पूर्व विधायक अमर सिंह जाटव, और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। एएसपी हरिराम कुमावत, सीओ नीरज भारद्वाज, डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार, थानाधिकारी चंद्रमोहन, तथा क्यूआरटी टीम समेत सर्किल का पूरा जाप्ता रूपवास में मौजूद रहा।

पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से शांति बनाए रखने और सहयोग की अपील की। वही जल्द मामले में अपराधियों को पकड़ने का आश्वासन दिया जिसके बाद व्यापारियों अपनी अपनी दुकानें खोली है बताया जा रहा है कि बुधवार शाम बांके बिहारी कॉलोनी में सर्राफा व्यापारी से लूट का प्रयास किया गया था। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी।

गोली एक जने को लग गई जिससे वह घायल हो गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है जल्दी ही अपराधीयो को पकड़ने की बात कह रही है स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रूपवास क्षेत्र में चोरी और लूट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन अब तक पुलिस किसी भी बड़ी घटना का खुलासा नहीं कर सकी है।

इससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और व्यापारियों में भय का माहौल व्याप्त है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पंचायत प्रशासन के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

निवाई। गांव राहोली के रैगरों के मोहल्ले से गुजर रही रोड पर यात्रियों व मोहल्ले वासियों के लिए पंचायत द्वारा पेयजल के लिए टंकी रखवाई गई थी। मगर उसमें पंचायत द्वारा पानी नहीं भरा जाता है जिससे यात्रियों व मोहल्ले वासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणो ने टंकी के पास पंचायत प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करके विरोध प्रदर्शन किया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक 90A/JDA/2025-26/100337 लोक सूचनाः दि.:10.11.2025
श्री VIKAS SETHIYA पुत्र श्री VIJAY SINGH SETHIYA जाति JAIN निवासी- E-902, PALM SPRINGS, GOLF COURSE ROAD, Opp. IBIS HOTEL, SECTOR-54, SIKANDERPUR, GHOSI (68), GURGAON HARYANA-122002 ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थातः

ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टे)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हेक्टे)
रलावता बस्सी जयपुर	1) विकास सेठिया पुत्र विजयसिंह सेठिया हिस्सा पूर्ण जाति जैन मकान संख्या E-902 कॉलोनी पाम स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स रोड इबिस होटल के सामने सेक्टर सिकंदरपुर घोसी क्षेत्र/स्थान गुड़गांव शहर गुड़गांव पिन कोड 122002 जिला GURGAON राज्य HARYANA खातेदार	203/104	0.17	0.17
		कुल	0.17	

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉगिनकर 90-A for Development Authority (JDA) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अप लोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं हैं और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 10.11.2025 को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जविप्रा, जयपुर

30 नवंबर को मुख्य समारोह

दौसा। दा लेडिज क्लब के तत्वावधान में आयोजित वुमन एम्पावरमेंट समारोह 2025 में सम्मानित होने वाली महिला शख्सियतों की अंतिम सूची घोषित कर दी गई है। सम्मानित होने के लिए 46 प्रतिभाओं ने आवेदन किये थे, जिसमें से 11 महिलाओं का चयन किया गया है। इधर रविवार 16 नवंबर को ऑडिशन होगा, समारोह की मुख्य संरक्षक भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला एवं संरक्षक नगरपरिषद सभापति कल्पना जैमन की रायशुमारी से दौसा जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली एवं प्रतिभाशाली 11 महिला शख्सियतों का नाम सम्मान सूची में शामिल किया गया है। इन शख्सियतों में राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से सम्मानित सुनीता गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष नारी शक्ति शोभा ट्रस्ट की अध्यक्ष शोभा शर्मा, दसवीं कक्षा में राजस्थान स्तर पर तीसरी मेरिट होल्डर अर्पणा दुबे, जूडो कराटे में स्टेट-नेशनल एंड इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट ज्याशिखा एवं शारीरिक शिक्षक व पर्यावरणप्रेमी बलेश पटेल गुर्जर के नाम शामिल है।

उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा को किसानों ने सौपा ज्ञापन

उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा को ज्ञापन सौंपते हुए किसान।

- निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने व किसानों के नुकसान की भरपाई करवाने की मांग की

निवाई। गांव चनानी व सजिया के काश्तकारों ने तहसील प्रशासन पर भू-माफियाओं से मिलीभगत कर उनकी पुश्तैनी जमीनों को मनमानी तरीके से तरमीम करने का आरोप लगाते हुए उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि राजस्व विभाग की टीम ने एक तरफा नाप-चोक करके उनके वर्षों पुराने खेतों की सीमाएं बदल दी। खेतों में खड़ी सरसों, गेहूं व चने की फसलें उजाड़ दी, जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि वह अपनी कई पीढियों से उक्त भूमि पर काश्तकारी कर रहे हैं और राजस्व अभिलेखों में भी भूमि उनके कब्जे में दर्ज है।

उन्होंने बताया कि न्यायालय उपखंड अधिकारी ने 17 अक्टूबर 2025 को कमलेश बनाम तहसीलदार प्रकरण में कुछ खसरों में पत्थरगढ़ी के आदेश दिए थे, लेकिन भू-माफियाओं ने राजस्व कर्मचारियों से मिलीभगत कर उन खसरों की तरमीम चनानी व सजिया गांव में करवा दी। ग्रामीणों ने मांग की है कि गलत तरमीम को तत्काल निरस्त कर सही सीमाएं बहाल की जाएं।

प्रपत्र सं. 7 (देखिए नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर
मुकदमा नं. DEVJAIPUR-II/TRUST/2025/121
चूंकि प्राथी श्री Rajan Choudhary, Hanuman Pura, Jhunjhunu-333704 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम की धारा 1959 की धारा 17(1)के अन्तर्गत प्रन्यास शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबंधक समिति 1/129, Housing Board, Jhunjhunu-333001 के सम्बंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए,यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 07.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर द्वितीय

प्रपत्र सं. 7 (देखिए नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर
मुकदमा नं. DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/125
चूंकि प्राथी श्री Niranjan Singh, 10/170, New Housing Board, Jhunjhunu ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम की धारा 1959 की धारा 17(1)के अन्तर्गत प्रन्यास इंटीग्रेटेड रिसर्च एंड रिसोर्स फाउंडेशन, 10/170, New Housing Board, Jhunjhunu-333001 के सम्बंध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए,यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 07.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर द्वितीय

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा के निर्देशन में वृत्ताधिकारी आशीष प्रजापत एवं डिग्गी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीमन ने अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये डिग्गी कस्बा क्षेत्र के कालीबाड़ जाने वाली रोड से रामचरण पुत्र देवकरण बैरवा उम्र 36 साल निवासी गणशपुरा, भीपुर थाना डिग्गी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 48 देशी शराब के पव्वे जब्त किया गया।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नदी की भूमि पर हो रहा अतिक्रमण, भू-माफिया काट रहे प्लॉट

- गौवंश हेतु भूमि खाली करवाने की मांग

पावटा। पंचायत समिति सभागार पावटा में गुरुवार को जन सुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को ग्रामीणों की ओर से एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने वालों में रिछपाल यादव, भैरू, चुन्नीलाल, बंसी यादव सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में बताया कि कस्बा शिवनगर, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र में स्थित आराजी खसरा नंबर 1860, जो कि गैर-मुमकिन नदी भूमि के अंतर्गत आती है, पर लंबे समय से लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने इस भूमि पर कच्चे-पक्के निर्माण कर कब्जा कर लिया है, वहीं नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा द्वारा इस भूमि में कचरा डालकर नदी का प्रवाह पूरी तरह बाधित कर दिया गया है।

उपखंड अधिकारी को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा ।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध गतिविधि की आड़ में भू-माफिया अब उक्त भूमि को भूखंडों में विभाजित कर बेच रहे हैं और अवैध रूप से धन अर्जित कर रहे हैं। ज्ञापन में ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी से सीमा अवलोकन कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

खोया पाया

मेरा मकान नं. 29/डी 374 घरौंदा प्रताप नगर, सांगानेर का मूल आवंटन पत्र गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें-अरूण कुमार 9799134524

मेरे प्लाट नं. ई-52 और ई-53 निमोडिया मोड, चाकसू के मूल कागजात जो किसान मजदूर गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा जारी किये गये थे, CBI फाटक से खो नागौरियान के मध्य कहीं गिर गये है मिलने पर सूचित करें फैजान इलाही 9414078678

मैं रवि माथुर मेरी फर्म सैन्ड ड्यून्स कन्सट्रक्शन्स प्रा. लिमिटेड के मूल दस्तावेज में शेयर सर्टिफिकेट, रेजुलेशन फाइल, शेयर ट्रांसफर डीड फाइल, मीटिंग और मिनिट्स बुक, मेंबर, लोन, डायरेक्टर के ओरिजिनल रजिस्टर और कुल जरूरी कागज सहकार मार्ग लाल कोठी जयपुर में कहीं गिर गया। मिलने पर सूचित करें-9680896379

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-8543 दिनांक-13.11.2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 35/72 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री बृज मोहन शर्मा पुत्र श्री तुलसी राम शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3708 दिनांक 19.12.2003 को जारी किया गया। श्री कैलाश चन्द शर्मा पुत्र श्री छोटूराम शर्मा के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 278/954 दिनांक 03.06.2008 के द्वारा किया गया। श्री कैलाश चन्द शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 20.06.2008 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री कैलाश चन्द शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 07.08.2008 के द्वारा श्रीमती सैयदा सबीहा खातून पत्नी श्री सैयद राशिद अली नकवी एवं श्री सैयद राशिद अली नकवी पुत्र श्री इदरीस अली नकवी को विक्रय कर उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती सैयदा सबीहा खातुन एवं श्री सैयद रशिद अली नकवी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 31.08.2020 के द्वारा श्रीमती गिजाला खान पत्नी श्री सखावत उल्ला खॉन को विक्रय कर उप पंजीयक अष्टम, मानसरोवर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती गिजाला खान के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 13460 दिनांक 03.01.2022 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्रीमती गिजाला खॉन द्वारा उक्त आवास को दिनांक 31.12.2024 के द्वारा श्री मौहम्मद काशिफ पुत्र श्री मोहम्मद सदिक को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर सप्तम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता श्री मौहम्मद काशिफ पुत्र श्री मोहम्मद सदिक द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री मौहम्मद काशिफ पुत्र श्री मोहम्मद सदिक के नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ/2025/296 दिनांक: 10.11.2025
ई-निविदा सूचना संख्या:- 03/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से अधि0 अभि0 (प्रोजेक्ट-प्रथम) से सम्बन्धित विकास कार्यो की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIT No. 03/2025-26 UBN No. :- JMC2526WSOB01992
अधिशाषी अभियन्ता (प्रोजेक्ट-प्रथम)
नगर निगम जयपुर
राज.संवाद/सी/25/13766

कार्यालय नगर परिषद् शाहपुरा, जयपुर (राज0)
(पीपली तिराहे के पास, शाहपुरा,जयपुर)
Email:- shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांकः-न.प.शा./भूमि/2025-26/352 दिनांक- 10.11.2025
आपत्ति आमन्त्रण सूचना
सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर में कृषि भूमि नियमन/69ए पट्टा/ उपविभाजन/पुर्नगठन हेतु आवेदन किया गया है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पिता /पति का नाम	स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता , खसरा नं. व दिशा	कुल क्षेत्रफल (वर्ग गज)	विशेष विवरण
1	श्री विष्णु कुमार कुमावत पुत्र श्री बालूराम कुमावत	जोगियो का बास, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 3938/1, पूर्व-अन्य का प्लॉट , पश्चिम-30 फुट आम रास्ता, उत्तर-भगवती देवी पत्नी फूलचन्द मोदी का प्लॉट , दक्षिण- अन्य का प्लॉट	135.25	आवासीय पट्टा हेतु
2	श्री सूदर्शन शर्मा पुत्र श्री चौथमल शर्मा	प्लॉट नं. 60, स्मार्ट सिटी, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 4947, पूर्व- प्लाट नं. 64 , पश्चिम-30 फुट आम रास्ता, उत्तर-प्लॉट नं. 59, दक्षिण-प्लॉट नं.61	133.33	आवासीय पट्टा हेतु
3	श्री विकास लाम्बा, पुत्र श्री प्रहलाद लाम्बा, मुकेश कुमार लाम्बा पुत्र श्री सीताराम लाम्बा, श्री सुरेन्द्र कुमार लाम्बा पुत्र श्री रामेश्वर प्रसार लाम्बा	शॉप नं. 59, सिद्वी विनायक ट्रान्सपोर्ट नगर , बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 816 , पूर्व- शॉप नं.60, पश्चिम- शॉप नं. 58, उत्तर- 60 फट आम रास्ता दक्षिण- शॉप नं. 62	90.87	व्यवसायिक पट्टा हेतु
4	श्री जयप्रकाश पलसानियां पुत्र श्री राम सहाय पलसानियां	प्लॉट नं. 20, श्याम नगर , बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 454, पूर्व- अन्य कृषि भूमि , पश्चिम-30 फुट रोड, उत्तर-प्लॉट नं. 21 दक्षिण-प्लॉट नं. 19	124.70	आवासीय पट्टा हेतु
5	श्री जगदीश नारायण सैनी पुत्र श्री प्रभाती लाल सैनी	डाबर मौहल्ला, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 4031 , पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम- 3 फुट की गली, उत्तर- 18 फुट आम रास्ता, दक्षिण-भोला राम सैनी का मकान	323.75	आवासीय पट्टा हेतु
6	श्री खेम चन्द पुत्र श्री छीतरमल बुनकर	जाजैखुर्द , शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 240, पूर्व -आम रास्ता, पश्चिम- सरकारी भूमि, उत्तर- , कृष्णा देवी का खाली प्लॉट, दक्षिण- धीमान विश्वास का मकान	150.00	आवासीय पट्टा हेतु
7	श्री मूलचन्द शर्मा पुत्र श्री छाजूराम शर्मा	बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 351, पूर्व -प्लॉट नं. 74,, पश्चिम- प्लॉट नं. 76, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण- अन्य की भूमि	156.66	आवासीय पट्टा हेतु
8	श्रीमती शकुन्तला गुप्ता पत्नी श्री श्याम सुन्दर गुप्ता	प्लॉट नं. 27, श्रीराम वाटिका, बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा न. 850, पूर्व - आम रास्ता, पश्चिम- प्लॉट नं. 28, उत्तर-प्लॉट नं. 26, दक्षिण-40 फट आम रास्ता	193.44	आवासीय पट्टा हेतु
9	श्री श्याम सुन्दर गुप्ता पुत्र श्री नागरमल गुप्ता	प्लॉट नं. 28, श्रीराम वाटिका, बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा न. 850, पूर्व - प्लॉट नं. 27, पश्चिम- आम रास्ता, उत्तर-प्लाट नं. 29, दक्षिण-40 फुट आम रास्ता	193.44	आवासीय पट्टा हेतु
10	श्री जयराम जांगिड पुत्र श्री कन्हैया लाल जांगिड	कांट, शाहपुरा, जयपुर, खसरा न. 1587, 1588, पूर्व - बजरंग जांगिड का भूखण्ड, पश्चिम- तोताराम कुम्हार का भूखण्ड, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण- आम रास्ता	350.00	आवासीय पट्टा हेतु
11	श्री रामशरण जांगिड पुत्र श्री कन्हैया लाल जांगिड	कांट, शाहपुरा, जयपुर, खसरा न. 1587, 1588, पूर्व - ओमप्रकाश गुर्जर की जगह , पश्चिम- ओमप्रकाश जांगिड का भूखण्ड , उत्तर- खाली जगह, दक्षिण- आम रास्ता	350.00	आवासीय पट्टा हेतु
12	श्री संतोष अग्रवाल पुत्र श्री गोवर्धन लाल अग्रवाल व श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री संतोष अग्रवाल	बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा न. 430, 431, 1010, पूर्व - अन्य की भूमि व प्लॉट नं. 34 , पश्चिम- अन्य की भूमि , उत्तर- अन्य की भूमि, दक्षिण- 30 फुट आम रास्ता	1010.00	आवासीय पट्टा हेतु
13	श्री सत्य नारायण टेलर पुत्र श्री मूलचन्द टेलर	अमरसर दरवाजे के पास मीठे कुएं के पास, शाहपुरा,जयपुर खसरा नं. 3456, पूर्व -सामलाती भाईयो का दरवाजा, सामलाती चौक व रास्ता, पश्चिम- आम रास्ता व चौक उत्तर-आम रास्ता, दक्षिण- उमेश व मुकेश का मकान	14.14	आवासीय पट्टा हेतु

अतः किसी को भी इस बाबत् आपत्ति हो तो 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को आपत्ति पेश करे, बाद अवधि विचार संभव नही होगा।
राज.संवाद/सी/25/13801 आयुक्त

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः जविप्रा/उपा. जोन-08/2025 दिनांकः 06.11.2025
प्रारूप 13
(नियम 13(2) देखिए)
लोक सूचना
राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क (8) के प्रावधान के अन्तर्गत यदि किसी नगरीय क्षेत्र में कृषि प्रयोजनों के लिये कोई भूमि धारण करने वाले किसी व्यक्ति ने ऐसी भूमि या उसके भाग का गैर कृषि उपयोग किया है या उपयोग के लिये अनुज्ञात किया है वहां उक्त भूमि या जोत या यथा स्थिति उसके भाग में के ऐसे व्यक्ति के अधिकार और हित पर्यवर्सित किये जाने के दायी होंगे और राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी ऐसे व्यक्ति को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात और ऐसा करने के कारणों को लेखबद्ध करने के पश्चात ऐसी भूमि मे ऐसे व्यक्ति के अधिकारों और हित के पर्यवसान का आदेश देगा। अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि निम्न वर्णित खातेदारी कृषि भूमि या भूमि के कुछ भाग का 31.12.2021 से पूर्व की काल अवधि से गैर कृषिक प्रयोजनार्थ उपयोग किया गया है। अतः उक्त भूमि या उसके भाग के खातेदारों/वारिसान/हितधारी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मौका स्थिति एवं मौका रिपोर्ट अनुसार उक्त भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग में ले लिया गया है। उक्त कारण से आपका एवं आपके पश्चातवर्ती हस्तान्तरियों का कृत्य राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क(1) में वर्णित प्रावधानों का उलंघन होने के कारण आपके खातेदारी अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 90-क(8) एवं राजस्थान अभिधृति अधिनियम की धारा 63 (II) और तद्धीन बनाये गये नियमों के उपबंधो के प्रावधानों के अन्तर्गत राज्य सरकार में पुर्नग्रहण योग्य है। अतः क्यों नही आपकी खातेदारी की निम्न वर्णित भूमि के खातेदारी अधिकारों को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क(8) एवं सपठित राजस्थान अभिधृति अधिनियम की धारा 63 (II) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित कर लिया जावें।

ग्राम का नाम मय तहसील	हाल खसरा नम्बर	रकबा (हैक्टेयर)	खातेदार
ग्राम कल्याणपुरा तहसील सांगानेर	706 707	0.3300 में से 0.0936 0.1000 में से 0.0255	1. कैलाश मीणा पुत्र चंदा हिस्सा- 1/24 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 2. गुल्ली पत्नी बद्री हिस्सा- 1/48 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 3. गोकुल चन्द मीणा पुत्र चंदा हिस्सा-1/24 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 4. गोविन्द मीणा पुत्र चंदा हिस्सा- 1/24 जाति- मीणा सा. देह खातेदार, 5. चेतन पुत्र नन्छा हिस्सा 1/18 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 6. चन्द्री पत्नी बिरदा हिस्सा 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 7. छोटू पुत्र काना हिस्सा- 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 8. दिनेश पुत्र बद्री हिस्सा- 1/48 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 9. दीपक पुत्र बद्री हिस्सा 1/48 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 10. प्रताप पुत्र बिरदा हिस्सा 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 11. प्रभु पुत्र काना हिस्सा 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 12. बृजेश कुमार पुत्र देवा हिस्सा- 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 13. नाबालिग ममता पुत्री बद्री संरक्षक सरपरस्त माता गुल्ली पत्नी बद्री हिस्सा-1/48 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 14. रामफूल पुत्र बिरदा हिस्सा- 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 15. रामस्वरूप मीणा पुत्र चंदा हिस्सा-1/24 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 16. रामसहाय पुत्र नन्छा हिस्सा 1/18 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 17. लालाराम पुत्र बिरदा हिस्सा- 1/12 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 18. श्योनाथ पुत्र नन्छा हिस्सा 1/18 जाति- मीणा सा. देह खातेदार
सांगानेर	786	0.8500 में से 0.0819	1. केसरलाल पुत्र मांगीलाल हिस्सा-1/3 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 2. चौगान पुत्र मांगीलाल हिस्सा- 1/3 जाति- मीणा सा. देह खातेदार 3. सुल्तान पुत्र मांगीलाल हिस्सा- 1/3 जाति- मीणा सा. देह खातेदार
सांगानेर	741	0.1719 में से 0.1654	1. ख्यालीराम पुत्र मांगीलाल हिस्सा-1/4 जाति- महाजन सा. धनकोली जिला जोधपुर खातेदार 2. जेठमल पुत्र ज्वालादत्त हिस्सा- 1/4 जाति- महाजन सा. लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर खातेदार 3. बूधमल पुत्र मांगीलाल हिस्सा- 1/4 जाति- महाजन सा. धनकोली जिला जोधपुर खातेदार 4. विनोद कुमार पुत्र टोडरमल हिस्सा-1/8 जाति-महाजन सा. धनकोली जिला जोधपुर खातेदार 5. श्यामसुन्दर पुत्र टोडरमल हिस्सा-1/8 जाति- महाजन सा. धनकोली जिला जोधपुर खातेदार
सांगानेर	907	1.3200 में से 0.0874	1. रिंकू देवडा पत्नी विभूतिसिंह देवडा हिस्सा- 1/2 जाति- देवडा नि. 315 आदर्श नगर जयपुर खातेदार 2. हेमा राठौड पत्नी देवेन्द्र सिंह राठौड हिस्सा- 1/2 जाति- राठौड नि. 90 मौजी मालवीय नगर खातेदार
सांगानेर	907/1	0.2500 में से 0.0275	1. कुसुम देवडा पत्नी डॉ. एम.एस. देवडा हिस्सा- पूर्ण जाति- देवडा सा. कल्याणपुरा तह. सांगानेर खातेदार
सांगानेर	774/1	0.0700 में से 0.0290	1. विजेन्द्रसिंह पुत्र माधोसिंह हिस्सा-4/7 जाति-राजपूत सा. ग्राम गुढा, जिला झुन्झुनु, हाल नि. जयपुर खातेदार 2. श्री लक्ष्मी गृ.नि.स.स.लि. जयपुर रजि. नं. 2737/एल हिस्सा-3/7 खातेदार
सांगानेर	774/2	0.0800 में से 0.0071	1. खुशीमौहम्मद पुत्र नूरमौहम्मद हिस्सा- 3/8 जाति-मुसलमान सा. जयपुर खातेदार 2. योगेशकुमार शर्मा पुत्र गंगासहाय हिस्सा- 1/8 जाति-ब्राह्मण सा. जयपुर खातेदार 3. रमेशकुमार शर्मा पुत्र नाथूराम शर्मा हिस्सा- 1/8 जाति-ब्राह्मण सा. जयपुर खातेदार 4. विजेन्द्रसिंह पुत्र माधोसिंह हिस्सा-3/8 जाति-राजपूत सा. जयपुर खातेदार

अतः इस नोटिस के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में हित रखने वाले खातेदार/वारिसान/हितधारी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में कमरा नम्बर 305, पार्किंग भवन, तृतीय तल, जविप्रा स्थित न्यायालय में कार्यालय समय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत समय में आपत्तियां प्रस्तुत नही करने की दशा में प्रकरण में एकतरफा कार्यवाही अमल में लायी जायेगी और आपके खातेदारी अधिकारों को पर्यावसित कर भूमि को पुर्नग्रहित किया जा सकेगा। सूचित रहें। नोटिस आज दिनांक 06.11.2025 यथाहस्ताक्षरित को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
राज.संवाद/सी/25/13803 प्राधिकृत अधिकारी, जोन-8

संक्षिप्त

अष्टमी मनाई

सांभरझील। सब्जी मंडी की कूंट पर स्थित भैरव मंदिर में चाचा टेलर परिवार की ओर से हर वर्ष की भांति अर्धरात्रि तक भजन संध्या का आयोजन किया गया। विनोद जैन व प्रदीप कुमार की ओर से गाए गए भेरुजी के भजनों पर उपस्थित श्रोता नाच उठे। इस मौके पर भेरुजी की प्रतिमा के नया सिंदूर लगाकर श्रृंगार किया गया। मंदिर को फूलों की झांकी से सजाया गया। भजन संध्या से पहले दीप प्रज्ज्वलित कर भेरुजी की आरती उतारी गई। भेरुजी के दूध से निर्मित बूंदिया और नमकीन का भोग लगाया। सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। सुनील टेलर ने बताया कि भजन संध्या का आयोजन अर्धरात्रि तक चला जिसमें सभी श्रोताओं ने भैंरुजी के प्रति आस्था प्रकट करते हुए उत्साह के साथ भाग लिया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाईक सवार घायल

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बरौनी पुलिया के समीप एक मोटरसाइकिल व एक ट्रैक्टर में भिड़ंत हो गई। जिसमें बाईक सवार दो जने घायल हो गए। बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि विशाल पुत्र राजू नायक निवासी चोरू व दिनेश पुत्र हनुमान प्रजापत निवासी गाडौली जिला टोंक बाईक पर सवार होकर निवाई से टोंक की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बरौनी पुलिया के समीप एक ट्रैक्टर ने उनकी बाईक के टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस से दोनों घायलों को टोंक सआदत अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। दोनों वाहनों को थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है।

नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

निवाई। कृषि महाविद्यालय में अधिष्ठाता डॉ. आर. एस. मीना की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता डॉ. आर. एस. मीना ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया तथा छात्र-छात्राओं को मैं न तो नशा करुंगा व न ही किसी पडौसी व मित्र आदि को करने दूँगा की शपथ दिलाई। सहायक निदेशक छात्र कल्याण डॉ. ओपी मीना ने छात्र-छात्राओं को बताया कि नशा करने से मस्तिष्क कमजोर होता हैं, जिससे आप अपने कैरियर को नही छू सकते। इसलिए स्वस्थ मस्तिष्क हेतु नशे से दूर रहे। एन.एस.एस. प्रभारी व सहायक आचार्य राजेश ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. आर.एल. मीना, डॉ. के. ए. मीना, डॉ. पी. सी. बैरवा व डॉ. जोगेन्द्र सिंह सहित समस्त स्टाफ मौजूद थे।

चोरी प्रकरण में दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे वृताधिकारी उनियारा अनुज डाल व सोप थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा चोरी के प्रकरण में दो आरोपीयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराये गये सोने चांदी के जेवरात व 25 हजार रुपये नकद बरामद किये गये है। थानाधिकारी सोप ने बताया कि थाना टीम ने दौराने अनुसंधान के बाद आरोपी विशाल बैरवा पुत्र गिर्राज उम्र 22 साल निवासी डाबला व जितेन्द्र बैरवा पुत्र प्रेमराज उम्र 18 साल निवासी शरीफनगर पुलिस थाना को गिरफ्तार किया गया है।

चार हमलावर गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा के निर्देशन मे वृताधिकारी आशीष प्रजापत के सुपरविजन मे मोर थानाधिकारी राकेश कुमार द्वारा गठित टीम ने जान से मारने की नियत से किये गये हमले के प्रकरण में कार्यवाही करते चार आरोपी परमेश्वर पुत्र नानूला गुर्जर उम्र 21 साल निवासी बनकाखेडा, कुलदीप पुत्र रामाजी उम्र 24 साल, प्रधान गुर्जर पुत्र देवलाल उम्र 20 साल निवासी बनकाखेडा व प्रहलाद सिंह पुत्र गणपत सिंह उम्र 25 साल निवासी कूकड पुलिस थाना मोर को गिरफ्तार किया गया ।

विष्णुकान्त बने संयुक्त कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष

निवाई। राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ राठौर के प्रदेशाध्यक्ष महावीरप्रसाद शर्मा की सहमति से जिलाध्यक्ष जसवंतसिंह नरूका ने निवाई तहसील अध्यक्ष के पद पर विष्णुकान्त शर्मा को नियुक्त किया है। नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष विष्णुकान्त शर्मा को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने रात्रि चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

पावटा। पंचायत समिति पावटा की ग्राम पंचायत तुलसीपुरा में जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आमजन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान पर बल देते हुए प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को मजबूत करने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के निस्तारण को लेकर निरंतर सक्रिय है। इसी क्रम में बुधवार की रात जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने ग्राम पंचायत तुलसीपुरा में आयोजित रात्रि चौपाल में क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद स्थापित किया। चौपाल में पहुंचे सैकड़ों ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति, बिजली व्यवस्था, नगरपालिका सेवाओं, राजस्व विवादों

कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

और अतिक्रमण से जुड़ी समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं।

कलेक्टर गोस्वामी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित कराया कि प्रत्येक शिकायत को चौपाल रजिस्टर में विधिवत दर्ज किया जाए और तय समय सीमा में उसका समाधान प्रस्तुत किया जाए। रात्रि चौपाल के दौरान कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने की है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्राथमिकता से किया जाए।

कलेक्टर ने यह भी कहा कि चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात्रि चौपाल में प्राप्त सभी प्रकरणों की अनुपालना रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करें, ताकि आमजन को वास्तविक राहत मिल सके।

रात्रि के समय आयोजित इस चौपाल में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए

- जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने ग्राम पंचायत तुलसीपुरा में आयोजित रात्रि चौपाल में क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद स्थापित किया

कहा कि इससे गांव स्तर की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया और अधिक सशक्त हुई है। रात्रि चौपाल का समापन सामूहिक संवाद और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिसने जनसुनवाई की इस परंपरा को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

सम्मान समारोह का जश्न मनाया

मनोहरपूर। आरी तरी दस्तकार मजदूर कल्याण संस्थान के तत्वाधान में ईदगाह के सामने दिल्ली बायपास रोड में दीपावली मिलन में सम्मान समारोह का शानदार आयोजन किया गया मीडिया प्रभारी फिरोज आलम खान ने बताया कि इस प्रोग्राम में आदर्श नगर विधायक श्री रफीक खान विधायक और पूर्व डायरेक्टर आकाशवाणी रेडियो मोहतरमा रेशमा खान और पार्षद गण समाजसेवी को का संस्था के अध्यक्ष आजम खान ने गुलदस्ता व माला पहनकर स्वागत किया सम्मान स्वरूप ट्रॉफी दी आजम खान ने संस्था की ओर से विधायक रफीक खान के सामने दो मांगे रखी जिसमें घनी आबादी क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाओं में चिकित्सा सुविधा के लिए दिल्ली रोड पर सेटेलाइट हॉस्पिटल नहीं होने पर उसे बनवाने की मांग की दूसरी गरीब मजदूर कल्याण संस्था द्वारा गरीब मजदूर लोगों को प्रशिक्षण हेतु जगह उपलब्ध कराई जाऐ जिससे वह उनको प्रशिक्षण दिया जा सके।

पंचकर्म चिकित्सा के प्रति आमजन को जागरुक किया

भरतपुर। आयुर्वेद निदेशालय अजमेर से भरतपुर निरीक्षण पर आए अतिरिक्त निदेशक डॉ रमेश मीणा द्वारा राजकीय आयुर्वेद एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला आयुर्वेद चिकित्सालय का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सालय में संचालित सेवा प्रकल्पों के बारे में विस्तृत जानकारी ली एवं उपचार करा रहे रोगियों से हालचाल जाने एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पंचकर्म चिकित्सा से संबंधित व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए जाने के लिए आवश्यक सुझाव देते हुए आमजन को पंचकर्म चिकित्सा के प्रति जागरूक किए जाने की बात कही। इस अवसर पर औषधीय लेपों से उपचार करा रहे रोगियों से मुलाकात की और लेपों से

अतिरिक्त निदेशक डॉ रमेश मीणा ने चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला आयुर्वेद चिकित्सालय का अवलोकन किया।

मिल रहे उपचार के बारे में जानकारी ली। आयुर्वेद विभाग द्वारा जिला आयुर्वेद चिकित्सालय के बेहतर प्रबंधन के लिए आवंटित राशि द्वारा करवाए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना द्वारा रोगियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ यशपाल सिंह उपाधीक्षक डॉ चन्द्र प्रकाश दीक्षित प्रधान चिकित्सक डॉ रीना खंडेलवाल सहित चिकित्सालय में कार्यरत सभी अधिकारी कर्मचारी गण मौजूद रहे।

साइबर ठगी मामले में युवक गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृताधिकारी पीपलू अरविन्द कुमार के सुपरविजन साइबर अपराधों की रोकथाम के तहत बरोनी थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक मोबाइल व एक कार जब्त की गई है। बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए थाना पुलिस की विशेष टीम ने ओमप्रकाश मीणा पुत्र हरफूल मीणा निवासी हरदेवा की ढाणी, जामडोली को गिरफ्तार कर आरोपी से वीन गो गेम के फर्जी प्रॉफिट स्क्रीनशॉट पाए गए, आरोपी इन स्क्रीनशॉट को ग्रुप चैनलों में प्रसारित करता था और कई व्यक्तियों पर लिंक के जरिए गेम में निवेश करने का दबाव बनाता था। जिससे वह कई युवको को फंसाकर वह मोटी राशि देने का झांसा देकर व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर फर्जी स्क्रीनशॉट का उपयोग करता था।

सिंधी समाज ने किशनगढ़ बास में अमित बघेल का पुतला फूंका

किशनगढ बास। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना प्रमुख अमित बघेल की ओर से दिए गए गलत बयान से आक्रोशित सिंघी समाज ने संत कंवर राम मंदिर गुरुद्वारे में बैठक कर शहर में रैली निकालकर नारेबाजी की और पुतला फूंक एसडीएम मनीष जाटव को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सिंधी समाज के महिला पुरूष बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

- रैली निकालकर नारेबाजी की और पुतला फूंक एसडीएम मनीष जाटव को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

सिंधी समाज के मुखी गोकुल दास मृगवानी,व संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी ने बताया- छत्तीसगढ़ में एक राजनीतिक पार्टी के अमित बघेल ने सिंधी समाज के लिए गलत बयान दिया था। इस बयान में उन्होंने सिंधी समाज को पाकिस्तानी बताया है। क्षेत्रीय पार्टियों के जनप्रतिनिधी राजनीति के चक्कर में मंच से अपशब्द बोलते हैं, इससे सिंधी समाज में भारी

अमित बघेल के खिलाफ देशद्रोह की धाराओं में मामला दर्ज हो। एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन।

रोष है।

सिंघी समाज के लोगों ने कहा हमें जाति के आधार पर आजादी मिली है 14 अगस्त 1947 में विभाजन विभीषिका दिवस पर हम सब सिंध प्रांत छोड़कर आए हैं। देश को जाति के आधार पर आजादी मिली थी तो हम सभी सिंध प्रांत छोड़कर आए थे। लेकिन अब आजादी के बाद अगर हमें यह सुनना पड़े कि हम पाकिस्तानी है तो ये काफी निंदनीय है। उन्होंने ने कहा हम अखंड भारत में पैदा हुए हम जब पाकिस्तान के सिंध प्रांत पैदा हुए तब भी अखंड भारत था,आज भी आजादी के बाद का नया भारत है। समाज के लोगों की मांग है कि बघेल के खिलाफ देशद्रोह की धाराओं में मामला दर्ज हो, जिस पार्टी के मंच से बोला है उस पार्टी को बैन किया जाए। जिससे कोई भी क्षेत्रीय पार्टी अथवा कोई भी व्यक्ति इस तरीके से भारत को तोड़ने वाली और किसी भी समाज को आहत करने वाली बात नहीं करें।

सिंधी समाज के मुखी गोकुलदास मृगवानी , झूलेलाल मंडल अध्यक्ष अध्यक्ष बाबूलाल चदनानी ,व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी ,दर्शन लाल बतरा, डॉ राजेश पमनानी , प्रभु दयाल, दौलत भारती, जनेश भुटानी,पार्षद मनीष लखयाणी , सुनील बतरा, संजय बजाज , दिलीप भगत, लक्ष्मण दास मंगलानी, बसंत लखयानी, नरेश गब्बर, मनीष गनवानी, राजेश कामदार,राजकुमार नानकानी सहित अनेक महिलाएं भी थी।

891178 मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरित

कोटपूतली । जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम.2026 के अंतर्गत मतदाता सूची को अद्यतन करने हेतु परिगणना प्रपत्रों का वितरण कार्य तेज गति से किया जा रहा है। जिले में कुल '975219' मतदाताओं में से 13 नवंबर को सायं 4 बजे तक '891178' मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरित कर दिए गए हैं। विधानसभा स्तर पर यदि वितरण की प्रगति देखी जाए तो कोटपुतली में '225063' बहरोड़ विधानसभा में '205675' बानसूर विधानसभा में '249403' एवं विराटनगर विधानसभा में '211037' परिगणना प्रपत्रो का वितरण कार्य पूरा किया गया है। इस प्रकार जिले की परिगणना प्रपत्र वितरण में राज्य स्तर पर '12वीं' रैंक है वहीं एसआइआर-2026 के समस्त आयामों में प्रदेश में जिले की रैंक 10वीं हैं । जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे परिगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग दें, ताकि मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन एवं पूर्ण रूप में तैयार हो सके।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में मतदाता सूची को नवीनतम एवं शुद्ध बनाने के उद्देश्य से घर-घर जाकर

- ऑनलाइन परिगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया सरल, जिले के मतदाता तेजी से ले रहे सुविधा का लाभ

परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं संकलन कार्य किया जा रहा है। नागरिक स्वयं भी यह कार्य ऑनलाइन माध्यम से सरलता से कर सकते हैं। इसके लिए मतदाता चुनाव आयोग की वेबसाइट://...पर जाकर अथवा आयोग द्वारा जारी क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे पोर्टल पर पहुंच सकते हैं। वेबसाइट के सेक्शन में -2026 पर क्लिक करने पर दो विकल्प दिखाई देंगे। सबसे पहले विकल्प पर जाकर अपनी विधानसभा से संबंधित जानकारी भरकर अपना सीरियल नंबर एवं विवरण देखें। जिन मतदाताओं का नाम गत एसआईआर-2002 में शामिल नहीं था, वे अपने परिवारजनों जैसे माता-पिता, दादा-दादी के नाम का सीरियल नंबर खोजकर नोट कर लें। इसके बाद पुनः में उपलब्ध पर क्लिक कर रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर अथवा वर्तमान नंबर के माध्यम से लॉगिन करें।

हिमाचल नालागढ़ में आईटीबीपी जवान की संदिग्ध मौत

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के पावटा कस्बे में तीन दिन से लापता आइटीबीपी जवान काशव बरामदहुआ है। गुरुवार की सुबह उसका शव दिल्ली जयपुर सड़क मार्ग स्थित पावटा कस्बे स्थित किसान धर्मकांटा के पास खाली प्लॉट में जवान का शव मिला। शव के मिलने के बाद आसपास के इलाके में सनसनी मच गई।

शव मिलने की खबर प्रागपुरा थाना पुलिस को दी गई। जिस पर प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह ने मय जाप्ता मौके पर पहुंचकर मृतक जवान के शव की पहचान के लिए परिजनों को सूचित किया। जहां परिजनों द्वारा मृतक जवान की पहचान ढाणी सितापसिंहपुरा वीटीनगर निवासी 36 वर्षीय जवान विक्रम लम्बोरा पुत्र कैलाश चंद लम्बोरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जवान 10 नवंबर को छुट्टी लेकर गांव आने वाला था। विक्रम सिंह की अपनी पत्नी कविता से 10 नवंबर को बात भी हुई थी कि मैं घर पर आ रहा हूं। विक्रम चौधरी के 5 महीने की बेटी भी है।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ जवान का अंतिम संस्कार

लेकिन तीन दिन बाद भी घर नहीं आने पर परिजनों ने नालागढ़ थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया था। गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे किसी ने प्रागपुरा थाना पुलिस को शव की सूचना दी।

प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह ने परिजनों द्वारा शव की शिनाख्त करवाकर एफएसएल टीम को सूचित किया। जिला कोटपुतली बहरोड़ एफएसएल टीम ने मौके पर आकर साक्ष्य जुटाए। वही प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके पर जवान के मिले सामान को अपने कब्जे में लिया व शव को पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल पावटा की मोर्चरी में रखवाया। जहां पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर

- परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, मर्ग दर्ज

परिजनों को सुपुर्द किया। इस दौरान आईटीबीपी के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपनी साथी को श्रद्धांजलि दी। मृतक जवान विक्रम के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटा गया व राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के दौरान मृतक जवान विक्रम के छोटे भाई ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। नगर के लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पूर्व सैनिकों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।वही मृतक जवान के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर राजेंद्र बुरड़क व प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह ने बताया कि पुलिस आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। जिससे जवान की मौत का कारण का पता लग सके।

'बिरसा मुंडा के योगदान को जन-जन तक पहुचाएं'

टोंक। भगवान बिरसा मुंडा की 150वी जयंती जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर को पूरे जिले में मनाया जाएगा। सीईओ धानका ने आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। धानका ने निर्देश दिए कि भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को जन-जन तक पहुचांए, जिन्होने अग्रेंजी हुकुमत के खिलाफ संघर्ष अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि विशेष रुप से इन कार्यक्रमों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, युवावर्ग, सामाजिक संगठनों को जोड़ो जाएं, छात्र-छात्राओं को बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष के बारे में बताया जाएं।

15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के तहत ग्राम, पंचायत समिति एवं जिला मुख्यालय पर विविध कार्यक्रम आयोजित होगें। राष्ट्रीय आयोजन का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का जिला स्तर पर सीधा प्रसारण, जनजातीय गौरव से संबंधित प्रदर्शनी, हाट एवं चिकित्सा शिविर, मुख्य चौराहों व राजकीय भवनों पर रोशनी की जाएगी।

सार-समाचार

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

दौसा। जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये है। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने समिति के सदस्यों को सड़क सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए। रोड सेफ्टी के प्रोटोकॉल की सख्ती से पालना कराने के लिए निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करें। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को अवैध कटों को बन्द करने के लिए लम्बा मेटल क्रेश बेरियर लगाने तथा आवारा पशुओं के रिफ्लेटिव टेप लगाकर नियमित रूप से रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी रोड एजेंसियों को निर्देशित किया कि जंक्शनों पर साईन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर आदि सड़क सुरक्षा सम्बन्धित उपाय करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अवैध ढाबों के अतिक्रमण के संबंध में नियमित जांच कर रिपोर्ट भिजवाने को कहा। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में चल रही बालवाहिनियों की जांच करें एवं अवैध रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर नियमित कार्यवाही कर रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश प्रदान किए। चिकित्सा विभाग को चार नई एम्बुलेंस के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा श्रम विभाग को निर्देशित किया कि वाहन चालकों को सजग संचालन के लिए जागरूक किया जाए।

व्याख्यान का आयोजन

कोटपूतली । राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविधालय में नई किरण नशा मुक्त भारत अभियान प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्त्वाधान में गुरूवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के तहत हमें युवाओं को नशे की लत से मुक्त करना हैं एवं गांव-गांव जाकर जागरूकता फैलानी है। उन्होंने बताया कि नशे की लत युवाओं के स्वास्थ्य व कैरियर को बर्बाद कर रही हैं जो चिंता का विषय है। मुख्य वक्ता डॉ. नरेंद्र जांगिड़ ने नशे और स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने नशे के विभिन्न प्रकारों से अवगत कराया एवं शारीरिक, मानसिक व सामाजिक पक्षों पर नशे के दुष्प्रभाव बताये। उन्होंने नशे की विभिन्न स्टेज बताई एवं प्रत्येक स्टेज पर होने वाले बचाव एवं उपचार की जानकारी दी। संचालन प्रो. हरिराम धनेटिया ने किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. शुभलता यादव, प्रो. चन्दन सिंघल, प्रो. शीशराम मीणा, प्रो. गजराज सिंह, प्रो. मालीराम मीणा, प्रो. कृष्ण पोसवाल समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहें।

फुलेरा व काचरोदा में एसआईआर की प्रक्रिया जारी

फुलेरा। संक्षिप्त पुनरीक्षण 2026 प्रक्रिया के तहत फुलेरा एवं काचरोदा क्षेत्र में मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म की जांच का कार्य जारी है। यह कार्य फुलेरा नगरपालिका सभागार में किया जा रहा है, जहां बूथ लेवल ऑफिसर और सुपरवाइजर मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य कर रहे हैं। कार्य में बूथ लेवल ऑफिसर पांचूराम प्रजापति, सुनील कुमावत, लालचंद चौधरी, वंदना सैनी और शोभावती ढाका सहित ग्राम विकास अधिकारी (काचरोदा) विजयप्रकाश कुमावत तथा सुपरवाइजर सोहनलाल व मदनलाल बलाई सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। सभी अधिकारी मतदाताओं द्वारा भरे गए फॉर्मों की सावधानीपूर्वक जांच कर रहे हैं ताकि आगामी ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे और पात्र मतदाताओं के नाम सही रूप से शामिल किए जा सकें। चुनाव विभाग के अनुसार यह प्रक्रिया एसआईआर 2025 के तहत पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारी मतदाताओं से समय पर अपने दस्तावेज़ प्रस्तुत कर सत्यापन पूर्ण कराने की अपील भी कर रहे हैं।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पावटा। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जिलेभर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इसी के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोनावास में शिविर में बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लेते हुए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि विभाग द्वारा आयोजित शिविर में विभिन्न रोगों की जांच, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनजागरूकता, एएनसी जांच, टीकाकरण, तथा आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर में ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण यादव, डॉ.हंसा ताखर सहित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीमों द्वारा मरीजों की स्क्रीनिंग कर आवश्यक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। सीएमएचओ डॉ. शेखावत ने बताया कि शिविरों में 40 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की एनसीडी स्क्रीनिंग, गर्भवती महिलाओं की जांच एवं शिशुओं का टीकाकरण किया गया। साथ ही, स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य संदेशों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं रोगों की रोकथाम के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस ने गुमशुदा युवक को खोजा

दौसा। लवाण थाना पुलिस ने आश्रय अभियान के तहत सराहनीय कार्य करते हुए गुमशुदा युवक को मात्र चार घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों से मिलवाया। थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तेज़ी से कार्रवाई करते हुए गुमशुदा अरविन्द दास को दौसा क्षेत्र से बरामद किया।पुलिस के अनुसार, बुधवार को ग्राम डुगरावता स्थित पावर ग्रिड में मजदूरी करने आए पश्चिम बंगाल निवासी एक व्यक्ति ने अपने बेटे अरविन्द दास के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवक बिना बताए लेबर कॉलोनी, पावर ग्रिड डुगरावता से कहीं चला गया था। गुमशुदा के संबंध में कोई प्रत्यक्षदर्शी या ठोस साक्ष्य नहीं होने से मामला चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद पुलिस टीम ने आश्रय अभियान के तहत सूचना एकत्र कर, तकनीकी विश्लेषण व कई स्थानों पर दबिश देकर अरविन्द को बनियाना रेलवे स्टेशन से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। दस्तयाबी के बाद युवक को परिजनों से मिलवाया गया। इस पूरे अभियान में कांस्टेबल सुमेर सिंह और जगमोहन की उल्लेखनीय भूमिका रही, जबकि टीम में थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के साथ एचसी कमलेश कुमार भी शामिल थे।

15.79 ग्राम स्मैक बरामद

दौसा। दौसा कोतवाली पुलिस एवं साइवर सैल दौसा की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुये गुरुवार को दौसा शहर में दबिश देकर मादक पदार्थो की तस्करी करते हुये एक युवक को गिरफ्तार कर मौके से 15.79 ग्राम स्मैक बरामद की है। इधर पुलिस मादक पदार्थ के व्यवसाय से जुडे अन्य लोगो की जानकारी जुटाने में लग गई है। उल्लेखनीय है कि पुलिस कप्तान सागर राणा के निर्देश पर इन दिनों जिले भर में मादक पदार्थो की तस्करी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कप्तान ने प्रत्येक थाना स्तर पर टीमों का भी गठन किया गया है, जिसमें साइबर सैल को भी शामिल किया गया है। बताया जाता है कि गुरुवार को कोतवाली पुलिस एवं साइबर सैल को सूचना मिली की मादक पदार्थो की तस्करी से जुडा एक युवक शहर में स्मैक बेचने की फिराक में है। सूचना मिलने के साथ ही संयुक्त टीम शहर के संत सुन्दरदास स्मारक दौसा के पास पहुंची तथा दबिश देकर रामभजन मीना को दबोच लिया तथा तलाशी लेने पर रामभजन मीणा के पास 15.79 ग्राम स्मैक मिली, जिसे जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर लिया। इधर पुलिस रामभजन मीणा से लगातार पुछताछ कर रही है तथा इस गिरोह में शामिल अन्य लोगो की तलाश में जुट गई है।

दीक्षांत समारोह 15 नवंबर को

टोंक। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के आरटीसी देवली परिसर में 15 नवंबर को बल के 59वें बैच आरक्षक,जीडी का दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गुरुवार को समारोह की पूर्व तैयारियों का जायजा लेने और अंतिम रूप देने के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि अभिषेक गोयल (आईपीएस), महानिरीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल होंगे, जो परेड की समीक्षा करेंगे और नव-प्रशिक्षुओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर स्वागत भाषण, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को पुरस्कार वितरण, मुख्य अतिथि का संबोधन, परेड निष्क्रमण (मार्च पास्ट) और विभिन्न प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे। यह दीक्षांत समारोह 59वें बैच के नए आरक्षकों को औपचारिक रूप से राष्ट्र सेवा के कर्तव्य पथ पर शामिल करेगा। इस बैच में कुल 1700 प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं।

ये खेल अधिक प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बधिरों को खेलों को एक स्वस्थ जीवनशैली के रूप में अपनाना चाहिए। - दीक्षा डागर

पेशेवर गोल्फर, डेफ ओलंपिक को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शार्दुल ठाकुर

लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर, दोनों फ्रैंचाइजी के बीच हुए व्यापार के बाद, मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मुंबई के इस ऑलराउंडर को लखनऊ सुपर जायंट्स ने लीग के 18वें संस्करण के लिए चोटिल खिलाड़ी के रूप में 2 करोड़ रुपये में चुना था, जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे। शार्दुल जिन भी फ्रैंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं, उनके लिए एक उपयोगी खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने कई बार शानदार प्रदर्शन किया है। इस ऑलराउंडर को उनकी मौजूदा खिलाड़ी फीस 2 करोड़ रुपये पर मुंबई इंडियंस में व्यापार किया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 2007 में उद्घाटन 20 विश्व कप और 2024 में भी यह खिताब जीता।

हमारे पास बेहतरीन ऑलराउंडर है : गिल

कोलकाता, 13 नवंबर। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि वह इतने भाग्यशाली हैं कि उनके पास इतने अच्छे आलराउंडर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट की पूर्व संध्या पर गिल ने कहा,मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ कि सभी ऑलराउंडर इतने अच्छे बल्लेबाज हैं। आप किसी का भी रिकॉर्ड देख सकते हैं, अक्षर पटेल का, वाशिंगटन सुंदर का या जड्डू भाई का। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, खासकर भारत में, इसलिए एक कप्तान के तौर पर यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि आप किसे खिलाना चाहते हैं और किसे नहीं।'' ये ऑलराउंडर उन्हें स्पिनरों के तौर पर भी बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से ऐसे विकेट पर जहाँ गेंद घूम रही हो, गेंद को घूमने के लिए थोड़ा समय चाहिए होता है। इसलिए आम तौर पर ऑफ-द-विकेट, जब तक कि आप लाल मिट्टी वाले विकेट पर नहीं खेल रहे हों, गति थोड़ी धीमी होती है। इसलिए अगर आपके गेंदबाज तेज गति से गेंदबाजी कर रहे हैं, तो इससे बल्लेबाजों को तालमेल बिठाने का थोड़ा कम समय मिलता है।

गिल इंग्लैंड से काफ़ी प्रतिष्ठा के साथ लौटे हैं। वह वहां सीरीज में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने की चाहत लेकर गए थे और 754 रन बनाकर अपनी बात पर खरे उतरे। उन्होंने संसाधनों, कार्यभार और कड़े फैसलों को उसी तरह संभाला जैसे कोई भी पहली बार कप्तान बनने वाला खिलाड़ी किसी कठिन विदेशी दौरे पर कर सकता है। फिर अपने पहले घरेलू मैच में एक कर्वबॉल ने उन्हें परेशान कर दिया।

यह आत्म-जागरूकता एक ऐसे कप्तान के लिए ताज़गी देने वाली है जो अपने घरेलू मैदान पर खुद को ऐसी ही परिस्थितियों में पाता है। क्रिकेट के ऐसे लंबे दिन होंगे जो कड़ी धूप में खिंचेंगे, जहाँ खुद को संयमित रखने की ज़रूरत उन्हें एक अच्छे और महान कप्तान से अलग करेगी।

मुझे लगता है कि अपनी तैयारियों में, मैं मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित करता हूँ कि मैं एक बल्लेबाज के रूप में कैसे सफल हो सकता हूँ, और फिर जब हम मैदान पर होते हैं, तो मैं चाहता हूँ कि जब भी मैं अपनी टीम की कप्तानी कर रहा होता हूँ, मेरी सहज प्रवृत्ति हावी हो जाए। गिल ने कहा, ''तभी मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए रणनीतिक रूप से सबसे अच्छे फैसले लेता हूँ।'' यह उनकी बल्लेबाजी और कप्तानी को तर्कसंगत बनाने का उनका तरीका है, ताकि दोनों के तार आपस में न उलझें और दोनों प्रक्रियाओं में कोई गड़बड़ी न हो।

अपने कार्यभार के बारे में उन्होंने कहा, ''मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूँ कि इसे कैसे प्रबंधित किया जाए।'' गिल ने ऑस्ट्रेलिया में सभी पांच टी20 मैचों में हिस्सा लिया, जो 8 नवंबर तक चले और फिर टेस्ट टीम की अगुवाई करने के लिए कोलकाता पहुंचे। ''मुझे लगता है कि एशिया कप से ही हम लगातार खेल रहे हैं, विभिन्न देशों की यात्रा कर रहे हैं, 4-5 दिन। इसलिए मैं यह भी जानने की कोशिश कर रहा हूँ कि मुझे उन सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन करने और सफल होने का सबसे अच्छा मौका क्या देता है जिनमें मैं खेलने वाला हूँ।

''जब हम इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में खेलते हैं, तो तेज़ गेंदबाज़ों पर कार्यभार भारत की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक होता है। लेकिन साथ ही, तेज गेंदबाज यहाँ अपने स्पेल को भी पहचानते हैं - अगर गेंद रिवर्स हो रही है, तो वे 4-5 ओवर पूरी गति से फेंकेंगे।'' वहीं, अगर आप इंग्लैंड जैसे देश में खेल रहे हैं जहाँ तेज़ गेंदबाज़ ज़्यादातर ओवर फेंकने वाले हैं, तो काम का बोझ बढ़ जाता है।

पहले टेस्ट के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग-11 पर एक नजर

कोलकाता, 13 नवंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका शुक्रवार से यहां ईडन गार्डन्स में होने वाले पहले टेस्ट के लिए तैयार हो गए हैं। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन पर एक नजर इस प्रकार है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत लगभग दस खिलाड़ियों के साथ खेला था। नितीश कुमार रेड्डी को मौके दिए गए क्योंकि भारत एक तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर तैयार करना चाहता है। हालांकि पूरी सीरीज में उनका योगदान सीमित रहा। अब जब ऋषभ पंत फिट हैं, तो भारत ने ध्रुव जुरेल को बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज टीम में बनाए रखा है और रेड्डी को इंडिया ए टीम में भेजा गया है। बाक़ी टीम में किसी भी बदलाव की संभावना नहीं है। दक्षिण अफ्रीका को वह संयोजन अपनाना चाहिए, जिससे उन्होंने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ रावलपिंडी में पिछला टेस्ट जीता था। उनके प्रमुख गेंदबाज़ों की बल्लेबाज़ी क्षमता उन्हें बिना गेंदबाज़ी कमज़ोर किए टीम में गहराई देती है। मार्को यानसन को वियान मुल्डर पर प्राथमिकता मिलनी चाहिए क्योंकि यहां पारंपरिक सीम गेंदबाज़ी को ज़्यादा मदद नहीं मिलेगी। वहीं वापसी करने वाले कप्तान तेम्बा बावुमा, डेवाल्ड ब्रेविस की जगह लेंगे।

पिच और परिस्थितियां - शुरुआती संकेत बताते हैं कि ईडन गार्डन्स में बल्लेबाज़ी के लिए अच्छी पिच होगी, जो शायद रिवर्स स्विंग को खेल में ला सकती है। पिच पर ज्यादा घास नहीं होगी और ना ही यह बहुत सूखी या फटी होगी। टॉस हारने वाली टीम के लिए चुनौती भरा दिन हो सकता है।

भारत (संभावित) : 1 यशस्वी जायसवाल, 2 केएल राहुल, 3 बी साई सुदर्शन, 4 शुभमन गिल (कप्तान), 5 ऋषभ पंत (विकेटकीपर), 6 ध्रुव जुरेल, 7 रवींद्र जडेजा, 8 वॉशिंगटन सुंदर, 9 कुलदीप यादव, 10 जसप्रीत बुमराह, 11 मोहम्मद सिराज, **साउथ अफ्रीका (संभावित)** : 1 एडन मार्करम, 2 रियान रिकलटन, 3 ट्रिस्टन स्टब्स, 4 टोनी डे ज़ॉर्जी, 5 तेम्बा बावुमा (कप्तान), 6 काइल वेरेन (विकेटकीपर), 7 सेनुरन मुतुसामी, 8 साइमन हार्मर, 9 मार्को यानसन, 10 केशव महाराज, 11 कगिसो रबाडा।

भारत-ए ने दक्षिण अफ्रीका-ए को चार विकेट से हराया

राजकोट, 13 नवंबर। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (117) की शतकीय और कप्तान तिलक वर्मा (39) की शानदार पारियों के दम पर भारत ए ने गुरुवार को पहले अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए टीम को तीन गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 286 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए की ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 10वें ओवर में ब्योर्न फ़ोर्टेन ने अभिषेक शर्मा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका ए को पहली सफलता दिलाई।

अभिषेक शर्मा ने 25 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रन बनाये। 14वें ओवर में रियान पराग आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने गायकवाड़ के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी हुई। तीसरे विकेट के रूप में तिलक वर्मा 39 रन बनाकर आउट हुये। इशान किशन (17) और नीतीश कुमार रेड्डी 37 रन बनाकर आउट हुये। 41वें ओवर में टियान वैन वुरेन ने ऋतुराज गायकवाड़ को आउट किया। ऋतुराज गायकवाड़ ने 129 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 117 रन बनाये। भारत ने 49.3 ओवर में छह विकेट पर 290 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। निशांत संधु 29 रन और हर्षित राणा छह रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए टियान वैन वुरेन, ब्योर्न फ़ोर्टेन और ऑटनील बार्टमैन को दो-दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ए ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ए की शुरुआत बेहद खराब रही और भारतीय गेंदबाजों ने महज 16 रन के स्कोर पर उसके चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। पहले ओवर में अर्शदीप सिंह ने रूबिन हरमन (शून्य) का शिकार किया। इसी ओवर में ओवर में तिलक वर्मा ने जॉर्डन हरमन (शून्य) को रनआउट कर भारत दूसरी सफलता दिलाई।

बांग्लादेश के गेंदबाजों ने आयरलैंड को बड़ी हार की ओर धकेला

सिलहट, 13 नवंबर। बंगलदेश ने महमुदुल हसन जॉय (171) और कप्तान नजमुल शान्तो की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन स्टंप्स के समय दूसरी पारी में आयरलैंड के 86 के स्कोर पर पांच विकेट झटक कर अपनी टीम के लिए बड़ी जीत का दरवाजा खोल दिया। एक विकेट पर 338 रन से आगे खेलते हुए आज बंगलादेश को दूसरा झटका सुबह के सत्र में बैरी मक्कार्थी ने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे महमुदुल हसन जॉय को आउटकर दिया। महमुदुल हसन जॉय ने 286 गेंदों में 14 चौके और चार छक्के लगाते हुए 171 रन बनाये। इसके बाद 89वें ओवर में मक्कार्थी ने मोमिनुल हक (82) को अपना शिकार बना लिया। मुशफिकुर रहीम (23), लिटन कुमार दास 60 रन बनाकर आउट हुये। इन दोनों को मैथ्यू हम्फ्रीज ने आउट किया। कप्तान ने 114 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 100 रन बनाये। उन्हें एंडी मैक्ब्राइन ने आउट किया। मेहदी हसन मिराज (17) और हसन मुराद 16 रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने 141 ओवर में आठ विकेट पर 587 का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद 301 की बढ़त के साथ पारी घोषित कर दी। आयरलैंड की ओर से मैथ्यू हम्फ्रीज को पांच विकेट मिले। बैरी मक्कार्थी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। एंडी मैक्ब्राइन ने एक विकेट लिया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने चौथे ही ओवर में केड कार्माइकल (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद हैरी टेक्टर ने पॉल स्टर्लिंग के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। इसी दौरान 18वें ओवर में पॉल स्टर्लिंग (43) रनआउट हो गये। हैरी टेक्टर (18), कर्टिस कैमफर (पांच) और लोर्कान टकर नौ रन बनाकर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने के समय आयरलैंड ने 29 ओवर में पांच विकेट पर 86 रन बना लिये है और वह अभी भी बंगलादेश के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 215 रन पीछे है। बंगलादेश के लिए हसन मुराद ने दो विकेट लिये। नाहिद राणा और तैजुल इस्लाम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अर्जुन एरिगैसी और पी. हरिकृष्णा प्री-क्वार्टर फाइनल में, आर. प्रज्ञानंदधा बाहर

पणजी, 13 नवंबर। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने गुरुवार को दोनों रैपिड गेम्स में ग्रैंडमास्टर पीटर लेको को हराया, जबकि पी हरिकृष्णा ने दूसरे गेम में ग्रैंडमास्टर निल्स ग्रैंडेलियस को हराकर मिले मौकों का पूरा फायदा उठाया और फिडे विश्व कप 2025 के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, आर प्रज्ञानंदधा का अभियान पांचवें राउंड में पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन ग्रैंडमास्टर डेनियल डुबोव से हारने के बाद समाप्त हो गया। प्रणव वी और कार्तिक वेंकटरमन के पांचवें राउंड में क्लासिकल गेम्स में हारने के बाद, टाईब्रेक में तीन भारतीय थे और उनमें से दो अंततः अगले राउंड में पहुंच गए। अर्जुन दिन के सबसे बड़े स्टार साबित हुए क्योंकि उन्होंने शुरुआती रैपिड गेम काले मोहरों के साथ 40 चालों में जीत लिया। उन्होंने लेको की मोहरों की बलि देने की गलती का फायदा उठाया और फिर किल का प्रयास किया। दूसरे गेम में, हंगरी के खिलाड़ी को जीतना जरूरी था और भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 57 चालों में जीत हासिल की। अर्जुन ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूँ। टाईब्रेक अच्छा रहा। क्लासिकल गेम काफ़ी कड़े थे और दूसरे गेम में मुझे थोड़ी बढ़त मिली थी, लेकिन उसने ड्रॉ खेलने में अपनी कुशलता दिखाई। लेकिन टाईब्रेक में, मैं काफ़ी हद तक नियंत्रण में था। अर्जुन का सामना अब दो बार के विश्व कप विजेता ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन से होगा। हरिकृष्णा भी अगले दौर में पहुंच गए, जिन्होंने शुरुआती गेम में काले मोहरों के साथ ग्रैंडेलियस को रोकने में कामयाबी हासिल की।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता
सावन के शतक, एनबी क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 13 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज एन.बी क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने सावन 135 रन (65 गेंद, 18 चौके, 4 छक्के) के शतक की बदौलत एलिट क्रिकेट एकेडमी को 91 रन से हराकर महत्त्वपूण 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर एनबी. क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सावन 135 रन नाबाद व दर्शिल घीया 29 रन ने मिलकर 5.1 ओवर में 67 रन जोड़कर शानदार शुरुआत की। सावन के साथ मध्यक्रम में नारायण सिंह 28 रन अभिषेक मीणा 17 रन नाबाद के साथ मिलकर निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 227 रन पंहुचा दिये। एलिट स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से राहुल 27 रन पर 2 विकेट, जसविन्दर सिंह 45 रन पर 1 विकेट सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में गेंदबाजी के बाद राहुल ने बल्लेबाजी में भी दमखम दिखाते हुये 58 रन (36 गेंद, 8 चौके, 2 छक्के) की अद्धर्शतकीय पारी खेली उनके अलावा सोहन 23 रन को छोड़कर एलिट स्पोर्ट्स एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में विफल रहा और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। गेंदबाजी में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी रोहन मीणा 13 रन पर 3 विकेट, मोहम्मद कुर्बान 21 रन पर 2 विकेट तथा जीतू रावत, नारायण सिंह व अतुल कुमार प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच सावन एन.बी. क्रिकेट एकेडमी रहे।

राजस्थान टीम के चयन हेतु प्रक्रिया के संबंध में एक अवलोकन समिति का गठन

जयपुर, 13 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की तदर्थ कार्यकारिणी के बहुमत से यह निर्णय लिया गया है कि जूनियर, सीनियर (पुरुष) एवं महिला चयन समितियों द्वारा चयनित खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया की देखरेख हेतु निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की गई है:- सतीश व्यास, महेंद्र शर्मा, मानद कोषाध्यक्ष, डीसीए उदयपुर, सुमेंद्र तिवारी मानद सचिव, डीसीए धौलपुर, रतन सिंह मानद सचिव, डीसीए बीकानेर, अरिथ सिंघवी, मानद सचिव, डीसीए जालौर। मानद सचिव, डीसीए जोधपुर। उपर्युक्त समिति राजस्थान क्रिकेट संघ को राजस्थान टीमों के चयन हेतु अपने क्रिकेट अनुभव से सहायता प्रदान करेगी।

शेरफेन रदरफोर्ड को गुजरात टाइटन्स से मुंबई इंडियंस में ट्रेड किया गया

मुंबई, 13 नवंबर। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड, गुजरात टाइटन्स (जीटी) से सफल ट्रेड के बाद, आईपीएल 2026 सीजन में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। जीटी द्वारा 2.6 करोड़ रुपये की फीस पर खरीदे गए रदरफोर्ड अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई टीम में शामिल होंगे। 27 वर्षीय इस खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के लिए 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंद्रे रसेल के साथ 139 रनों की साझेदारी की थी। रदरफोर्ड ने अब तक 23 आईपीएल मैच खेले हैं, इससे पहले उन्होंने 2019 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह 2020 में मुंबई इंडियंस और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन सीजन के दौरान प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे।

भारतीय टेनिस टीम बेंगलुरु में इतिहास रचने की कोशिश में

बेंगलुरु, 13 नवंबर। भारतीय महिला टेनिस टीम शनिवार को बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में अपने बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ अभियान की शुरुआत करेगी। बिली जीन किंग कप रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज भारत को बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ़ में दुनिया की 14वें नंबर की टीम नीदरलैंड और 19वें नंबर की टीम स्लोवेनिया के साथ ग्रुप जी में रखा गया है। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन मैचों में आमने-सामने होंगी और ग्रुप विजेता 2026 के क्वालीफायर में पहुंच जायेंगी। अन्य दो टीमें अगले सीजन के लिए अपने-अपने 2026 क्षेत्रीय ग्रुप एक मुकाबलों में वापस आ जायेंगी। भारत बिली जीन किंग कप के क्वालीफायर में कभी आगे नहीं बढ़ पाया है। नीदरलैंड और स्लोवेनिया शुक्रवार को ग्रुप का पहला मुकाबला खेलेंगे। नीदरलैंड की अगुवाई दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी सुज़ैन लामेंस करेंगी, जबकि स्लोवेनिया की टीम में पूर्व फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट तमारा ज़िदानसेक शामिल हैं। भारत का पहला मुकाबला शनिवार को स्लोवेनिया से होगा, उसके बाद रविवार को नीदरलैंड से मुकाबला होगा। विश्व की 309वें नंबर की खिलाड़ी सहजा यामालापल्ली, जो इन मुकाबलों के लिए भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी हैं, बेंगलुरु में टीम का नेतृत्व करेंगी। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने मेक्सिको में डब्ल्यूटीए 125 इवेंट में 2017 यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस को हराया था। वह पिछले महीने चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए 250 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची थीं। एशियाई खेल 2018 की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना, जो वर्तमान में एकल वर्ग में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 482वें स्थान पर हैं, भी टीम में हैं। श्रीवल्ली भामिदीपती (रैंक 381), रिया भाटिया (रैंक 468) और युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे टीम की अन्य सदस्य हैं। भारतीय टेनिस टीम ने अप्रैल में बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में दूसरे स्थान पर रहकर अपनी जगह पक्की कर ली थी। भारत इससे पहले 2021 में प्ले-ऑफ में पहुंचा था, जहां उसे लातविया से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, 13 नवंबर। भारत की उभरती क्रिकेट प्रतिभाएं शुक्रवार को कतर के दोहा में शुरू होने वाले राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में सुर्खियों में रहेंगी। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट - जिसका पहला आयोजन 2013 में इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के रूप में हुआ था - अब तक छह संस्करण पूरे कर चुका है। 2025 में होने वाली यह प्रतियोगिता, जो टी20 प्रारूप में खेली जाएगी, नए राइजिंग स्टार्स बैनर तले पहली बार आयोजित की जाएगी। अंडर-23 भारतीय क्रिकेट टीम ने सिंगापुर में आयोजित पहले संस्करण में जीत हासिल की थी, जबकि अफ़ग़ानिस्तान ए ने पिछले साल ओमान में आयोजित पिछले इमर्जिंग टीम एशिया कप का खिताब जीता था। श्रीलंका और पाकिस्तान भी पिछले चैंपियन हैं। इस साल का संस्करण 14 से 23 नवंबर तक चलेगा, जिसमें आठ टीमें - पूर्ण सदस्य देशों की पांच ए या विकासात्मक टीमें और तीन सहयोगी राष्ट्रीय टीमें - महाद्वीपीय टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए क्रिकेट टीम को ग्रुप बी में पाकिस्तान शाहीन (पाकिस्तान ए), यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। पिछले साल की विजेता अफ़ग़ानिस्तान, ग्रुप ए में है।

कूच बिहार ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम घोषित

जयपुर, 13 नवम्बर। बीसीसीआई की आगामी अंडर 19 कूचबिहारट्रॉफी (डेज) के लिए राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर राजस्थान टीम का चयन किया। राजस्थान का मुकाबला आगामी 16-19 नवम्बर को पॉण्डिचेरी टीम के विरुध्दजयपुर में होगा।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (डेज) के लिए घोषित राजस्थान टीम :- कुशाग्र ओझा (कप्तान), मनय कटारिया (उपकप्तान), आदित्य सैनी, चिराग सुखवाल, गुलाब सिंह, अभिषेक मुंड, हनी प्रताप सिंह, जतिन सैनी, कविश घुणावत, केतनदेवासी नावेदखान, ओसनिक ग्रोवर, रक्षित लुनावत, सानिल दुल्लर, शिफॉन खान, शिवांग सिंह शेखावत।

विनय की घातक गेंदबाजी से तारिक एकेडमी 7 विकेट से विजयी

जयपुर, 13 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में तारिक क्रिकेट एकेडमी ने विनय शर्मा 7 ओवर 3 मेडन 12 रन 5 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर तारिक क्रिकेट एकेडमी ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया उनका यह फैसला सही प्रतीत हुआ जब मीडियम पेसर विनय शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 12 रन पर 5 विकेट लेकर विपक्षी टीम की बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। तारिक क्रिकेट एकेडमी की ओर से सम्बित 15 रन पर 2 विकेट तथा गवनेश व विवेक प्रत्येक 1-1 विकेट ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुये पूरी टीम को 19.1 ओवर में मात्र 72 रन पर समेटने में महत्वपूर्ण योगदार दिया। डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से जय शर्मा 32 रन ही एक मात्र बल्लेबाज रहे जो विपक्षी गेंदबाजों का डटकर मुकाबला कर सके। जवाबी पारी में तारिक क्रिकेट एकेडमी की ओर से भव्य सैनी 38 रन नाबाद नीरज 11 रन, दक्ष 10 रन नाबाद ने मिलकर विजय लक्ष्य 73 रन 3 विकेट खोकर मात्र 12.2 ओवर में हासिल कर 7 विकेट से जीत दिला दी। डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से एक मात्र सफल गेंदबाज 12 वर्षीय सम्यक जैन 21 रन पर 3 विकेट रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच विनय शर्मा तारिक क्रिकेट एकेडमी रहे।

अंडर-23 एक दिवसीय ट्रॉफी में राजस्थान ने हरियाणा को हराया, अमोल चेलानी शतक से चूके

जयपुर, 13 नवम्बर। अहमदाबाद में खेली जा रही अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी में आज राजस्थान ने हरयाणा को 5 विकेट से हराया। राजस्थान की जीत में अमोल चेलानी 99 रन बनाते हुए मैच मेंशतक से चुके। हरयाणा पारी 306 आल आउट। टीम के लिए विवेक कुमार 119, अंश 54, ऋषभ 44, सर्वेश 39 रन।

राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 47 / 4, दीपेंद्र 51 / 3 व चेतन शर्मा 65 / 2 व मोहित चांगरा 47 / 1 विकेट। राजस्थान पारी 307 / 5, लक्ष्य को राजस्थान टीम ने अमोल चेलानी, मुकुल चौधरी के अर्धशतकों व रोहन राजभर, अनिरुद्ध सिंह की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से 5 विकेट के नुकसान पर 307 रन बनाते हुए मैच में विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए अमोल चेलानी 99, मुकुल चौधरी नाबाद 58, अनिरुद्ध सिंह चौहान 43, रोहन राजभर नाबाद 33 व करण लाम्बा 28 रन। हरयाणा के गेंदबाज प्रथम 51/2 ।

अंडर 19 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी

वृंदा शर्मा का शतक, तानिया शर्मा, भव्या, प्रीत, अनुष्का, धृति, प्रियांशी, अल्पना के अर्धशतक, पलक, अनुष्का की बढ़िया गेंदबाजी।

पहला मैच टीम एच - टीम ई (टीम एच जीती), टीम एच पारी 235 आल आउट। टीम के लिए वृंदा शर्मा 115, मुस्कान 31 रन। टीम ई के गेंदबाज वध्या 30/2 विकेट। टीम ई पारी 161/8, टीम के लिए संजू 26 व मानशि 24 रन। टीम एच के गेंदबाज पलक 19/4 व तम्मना 13/2 विकेट।

दूसरा मैच टीम बी - टीम सी (टीम सी जीती), टीम बी पारी 224/4, टीम के लिए गौरवी 75, भव्या नाबाद 58, अंशुका 31, अनु 24 व तानिया शर्मा 16 रन। टीम सी की गेंदबाज भूमिका, वंशिका, मीनाक्षी, हृतिका 1-1 विकेट। टीम सी पारी 226/5, टीम के लिए तानिया शर्मा नाबाद 91, हैप्पी 37, रिया 37 व अंशु 23 रन। टीम बी की गेंदबाज संजू 25/2 विकेट।

तीसरा मैच टीम ऐ - टीम डी (टीम डी जीती), टीम ऐ पारी 243 आल आउट। टीम के लिए मैना 38, कनिष्का 34 व कंचन 33 रन, टीम डी की गेंदबाज अनुष्का 28/3, प्रियंका, ऋषिता 2-2 विकेट। टीम डी पारी 247/4, टीम के लिए प्रीत नाबाद 92, अनुष्का नाबाद 50, औली श्रीमाली 39 रन टीम ऐ की गेंदबाज सरोज, प्रिया 1 - 1 विकेट।

चौथा मैच टीम एफ - टीम जी (टीम एफ जीती), टीम एफ पारी 187/6, टीम के लिए धृति माथुर 69, प्रियांशी 64 रन। टीम जी की गेंदबाज अल्पना, दिव्यांशी, शिवानी, निकिता, प्रिया प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम जी पारी 114/9, टीम के लिए अल्पनां 56 रन, टीम एफ की गेंदबाज रुतबा 14 / 2 व तनुश्री 20 / 2 विकेट।

ब्रदर्स ने फुटसल को 12-0 से हराया

जयपुर, 13 नवम्बर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में गाड़ौता स्थित फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड के फुटबॉल मैदान पर जारी अंडर - 17 बॉयज राजस्थान लीग 2025 - 26 के दूसरे दिन तीन मैच खेले गए, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि पहला मुकाबला स्टेट फुटबॉल एकेडमी जोधपुर और राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 3 - 0 से अपने नाम किया, विजेता टीम की तरफ से शुभ, चुंग और ककचिंगदबाम ने एक - एक गोल किया, दूसरा मैच रिहान फुटबॉल एकेडमी और जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में जयपुर एलीट ने मानव के अंतिम क्षण में किए गोल से मुकाबला 2 - 1 से जीत लिया, एलीट की तरफ से जतिन और मानव ने एक - एक गोल तथा रिहान की तरफ से अंकुर ने एकमात्र गोल किया।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की शुरुआत 12 जुलाई से होगी

नई दिल्ली, 13 नवंबर। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की बहुप्रतीक्षित वापसी 12 जुलाई से शुरू होगी, और उसी महीने की 20 और 29 तारीखें पदक मुकाबलों के लिए निर्धारित हैं। आयोजकों ने बुधवार को लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों के लिए प्रतियोगिता कार्यक्रम जारी किया। अब तक ओलंपिक में क्रिकेट की एकमात्र उपस्थिति पेरिस 1900 में हुई थी, जिसमें केवल दो टीमें - एक ग्रेट ब्रिटेन की और एक फ्रांस की - एक दो दिवसीय मैच में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं - जिसे अब एक अनौपचारिक टेस्ट के रूप में मान्यता प्राप्त है। ग्रेट ब्रिटेन ने स्वर्ण पदक जीता। लॉस एंजेलिस 2028 में, क्रिकेट पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग टी20 प्रारूप टूर्नामेंटों के साथ और भी आधुनिक रूप में वापसी करेगा - प्रत्येक टूर्नामेंट के अपने-अपने पदक होंगे - स्वर्ण, रजत और कांस्य। 14 और 21 जुलाई को लॉस एंजेलिस 28 में कोई क्रिकेट मैच निर्धारित नहीं है। ज़्यादातर मैच के दिन दो मैच होंगे, जिनमें स्थानीय लॉस एंजेलिस समय के अनुसार खेल सुबह 9:00 बजे और शाम 6:30 बजे शुरू होंगे। पदक मैचों के लिए भी यही नियम है। भारतीय मानक समय के अनुसार, पहला मैच रात 9:30 बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा मैच अगले दिन सुबह 7:00 बजे से शुरू होगा। पुरुष और महिला दोनों ही टूर्नामेंटों में छह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें कुल 28 मैच होंगे। प्रत्येक लिंग के लिए कुल 90 एथलीट कोटा आवंटित किए गए हैं, जिससे प्रत्येक टीम 15 सदस्यीय टीम का चयन कर सकेगी।

आईपीएल 2026 में वॉटसन होंगे केकेआर के सहायक कोच

कोलकाता, 13 नवंबर। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेल चुके क्वींसलैंड के शेन वॉटसन, अभिषेक नायर के साथ काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली में ऊर्जा, जल परियोजनाओं व स्किल डवलपमैंट पर चर्चा की

वे ऊर्जा मंत्री खट्टर, जल शक्ति मंत्री पाटिल व कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी से मिले

नई दिल्ली/जयपुर, 13 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल एवं केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को नए आयाम देने की दिशा में शहरी विकास, ऊर्जा, जल परियोजनाओं एवं कौशल विकास से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सौर ऊर्जा व विद्युत निकासी सुदृढ़ीकरण, फिरोजपुर फीडर रीलाइनिंग व रामजल सेतु की प्रगति से केन्द्रीय मंत्रियों को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राजस्थान में सौर ऊर्जा के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भेंट के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक की। बैठक में राजस्थान में भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए विद्युत निकासी के सुदृढ़ीकरण को लेकर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात के दौरान प्रदेश में जल आपूर्ति, जल संचयन सहित, जल परियोजनाओं पर वार्ता की। दोनों के मध्य फिरोजपुर फीडर रिलाइनिंग एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना की प्रगति को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में चल रहे ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' अभियान की सफलता की सराहना की गई।

इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से भी मुलाकात की। शर्मा एवं चौधरी के बीच केन्द्र सरकार के सहयोग से राजस्थान को स्किल डवलपमेंट हब बनाने से जुड़े रोडमैप पर चर्चा की गई।

'अगर सरकार नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माँग हुई तो भाजपा नीतीश कुमार को एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने के पूरे विरोध में शायद नहीं होगी।

एक प्रश्न के उत्तर में, वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसला नतीजों के बाद ही लिया जाएगा। लेकिन पार्टी खेमे में बढ़ती चिंता अब स्पष्ट दिख रही है। आंतरिक आकलनों के मुताबिक, भाजपा के कई मौजूदा मंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में कड़े मुकाबले का सामना कर रहे हैं। अगर भाजपा की सीटों की संख्या 2020 के मुकाबले घटती हैं, तो मुख्यमंत्री पद पर उसका दावा कमजोर हो जाएगा और उसे चुनाव बाद नए समीकरणों पर विचार करना पड़ सकता है। पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने स्वीकार किया, ''अगर संख्या नहीं बढ़ी, तो केन्द्रीय नेतृत्व के लिए भाजपा के मुख्यमंत्री पर अड़े रहना मुश्किल होगा।''

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है और कांग्रेस की सीटें बढ़ती हैं, तो स्थिति तेजस्वी यादव के पक्ष में जा सकती है। सूत्र बताते हैं कि आरजेडी ने पहले से ही एक आक्रामक रणनीति तैयार कर ली है, ताकि नतीजों के बाद भाजपा के किसी भी राजनीतिक कदम का तुरंत जवाब दिया जा सके और जल्दी से बहुमत हासिल किया जा सके।

बिहार में शुक्रवार को वोटों की गिनती से पहले भाजपा एक पारंपरिक राजनीतिक दुविधा में फंसी दिख रही है - क्या वह अपनी ''अकेले चलने'' की महत्वाकांक्षा पर कायम रहे या व्यावहारिक होकर एक बार फिर नीतीश कुमार को गले लगाये, ताकि राज्य की जटिल सत्ता संरचना में अपनी पकड़ बनाए रख सके।

सख्त सुरक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरजेडी और कांग्रेस शामिल हैं और जिसका नेतृत्व तेजस्वी यादव कर रहे हैं, को अप्रत्याशित जीत मिलेगी।

चुनाव आयोग (इलैक्शन कमीशन-ईसी) ने बताया है कि मतगणना 38 जिलों के 46 केन्द्रों पर होगी। कुल 7.4 करोड़ पात्र मतदाता 2,600 से अधिक उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

चुनाव आयोग ने बताया, 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में हुए मतदान में करीब 67 प्रतिशत लोगों ने हिस्सा लिया, जो स्वतंत्र भारत में 1951 से अब तक बिहार में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है।

नतीजों से पहले के दिनों में सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी कर दी गई है, क्योंकि आरजेडी ने चुनाव आयोग और राज्य प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव, 2025 के नतीजों से एक दिन पूर्व, गुरुवार को पटना के एएन कॉलेज, जो मतगणना केन्द्र है, के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई।

ईसी अधिकारियों के अनुसार, मतदान मशीनें स्ट्रॉन्ग रुम्स में ''डबल लॉक सिस्टम'' से सील की गई हैं। इन परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था द्वि-स्तरीय रखी गई है- भीतरी घेरे की जिम्मेदारी केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों को सौंपी गई है, जबकि बाहरी सुरक्षा राज्य पुलिस कर रही है। सभी जगह सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, खासकर इस स्थिति में, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है, पूरी मतगणना प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। यह कार्य केन्द्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त प्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा।

नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में छूट दी जाए या नहीं। इसके बावजूद, एकलपीठ ने सरकार के राजनीतिक दबाव में होने, जातीय लॉबी समूह के वोटों के दबाव और कई इंटरनेशनल मीडिया की रिपोर्टिंग में युवाओं के भविष्य को लेकर चिंता जताने की बात कही। जबकि याचिका में किसी भी पक्ष की ओर से इस संबंध में कोई बहस नहीं की गई थी और न ही याचिका में इस तरह की कोई प्रार्थना की गई थी। इसके बावजूद एकलपीठ ने इस तरह की गंभीर टिप्पणियां कर दीं।

बांग्लादेश सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर ''जुलाई चार्टर'' नामक दस्तावेज़ तैयार किया, जिसमें बांग्लादेश के पुनर्निर्माण और राज्य संस्थाओं के सुधार का खाका प्रस्तुत किया गया।

इस चार्टर में मांग की गई कि छात्र आंदोलन और सरकार के निष्कासन को संवैधानिक रूप से मान्यता दी जाए और नए संविधान में ''संतुलन और नियंत्रण'' के सिद्धांतों को शामिल किया जाए। इसमें कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अधिकारों की सीमाएँ स्पष्ट रूप से तय करने की बात भी कही गई। इसके अलावा, छात्रों ने यह भी मांग की थी कि बांग्लादेश को बहु-जातीय, बहु-धार्मिक और बहुभाषी राष्ट्र के रूप में पुनर्गठित किया जाए। उनका कहना था कि जब तक इस चार्टर को स्वीकृति नहीं मिलती, तब तक नया चुनाव वैध नहीं ठहराया जा सकता। इसीलिए, राष्ट्रीय चार्टर पर जनमत संग्रह और संसदीय चुनाव दोनों एक ही दिन कराए जाने का प्रस्ताव है। चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार को इस चार्टर को अपनी नीतियों की आधारशिला बनाना होगा।

वर्तमान सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने वादा किया है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे। हालांकि अभी तक कोई ऐसा संकेत नहीं मिला है कि प्रमुख राजनीतिक दल अवामी लीग को प्रतिबंधित दलों की सूची से हटाया जाएगा या नहीं।

भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठिकानों में शुमार न्योमा एयर बेस करीब 13 हजार 500 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इस बेस से चीन की सीमा केवल 23 किलोमीटर दूर है। थॉयस, करगिल और लेह के बाद लद्दाख में यह वायु सेना का चौथा बेस है।

तेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने से गौरीशंकर उछलकर दूर जा गिरा। वहीं सोनू, बाइक सहित डंपर के नीचे घसीटता हुआ चला गया, जिसके बाद सोनू ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़ा आठवां गिरफ्तार व्यक्ति 40 वर्षीय डॉ. शाहीन सईद है, जो फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी में अध्यापन कर रही थी। उन्होंने एक सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि शाहीन की कार से एक असॉल्ट राइफल बरामद की गई और यह भी दावा किया गया कि ''उसे पता था कि उसकी कार से विस्फोटक सामग्री ले जाई जा रही थी।'' आरोप है कि वह कश्मीर घाटी के बाहर आतंकी संगठन के लिए एक नया ठिकाना (बेस) तैयार करने के प्रयास का हिस्सा थी।

छः दिसम्बर को पूरे देश में 32 कारों से सीरियल ब्लास्ट की साजिश थी

- लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच में हो रहे हैं सनसनीखेज खुलासे
- सीरियल ब्लास्ट के लिये ब्रैत्ज़ा, स्विफ्ट डिज़ायर और आई-20 जैसी 32 गाड़ियां जुटाई गई थीं, श्रीनगर का रहने वाला एक और संदिग्ध डॉ. निसार भी फरार है।

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार धमाके की जांच में लगातार रोंगटे खड़े करने वाले खुलासे हो रहे है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह धमाका एक बड़ी और खतरनाक साजिश का छोटा सा हिस्सा था। आतंकियों का मकसद बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी, यानी 6 दिसंबर को, दिल्ली सहित देशभर में 32 कारों में बम लगाकर सीरियल ब्लास्ट करना था। वे बाबरी का बदला लेना चाहते थे। इस धमाके में अब तक 13 लोगों की जान जा चुकी है। इस सीरियल रिवेंज अटैक के लिए ब्रैत्ज़ा, स्विफ्ट डिज़ायर और आई20 जैसी 32 गाड़ियां जुटाई गई थीं। 10 नवंबर को आई20 कार में हुआ धमाका इसी का हिस्सा था। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें मिल चुकी हैं। केंद्र सरकार ने भी इस ब्लास्ट को आतंकी हमला मान लिया है। इस बीच, हरियाणा के खंदावली गांव में एक और लावारिस गाड़ी मिलने से हड़कंप मच गया है, जिसकी जांच एनएसजी की टीम कर रही है। इस पूरे मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी बन गई थी। यहीं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी ने किराए के कमरे को विस्फोटक जमा करने का अड्डा बनाया था।

पुणे में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई और आग लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। ट्रक में आग लगने से इसका ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका। लिहाजा उसकी भी जलकर मौत हो गई। पीछे एक यात्री वाहन था, वह भी आग की चपेट में आ गया। उसमें 17-18 लोग सवार थे। सभी घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए।

पंजाब में आईएसआई के आतंकी मॉड्यूल का खुलासा, 10 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 13 नवम्बर। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा समर्थित हमले के एक नेटवर्क का बृहस्पतिवार को पर्दाफाश कर इस सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया। राज्य के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब में अशांति पैदा करने के लिए ग्रेनेड हमला करने हेतु पाकिस्तान स्थित आकाओं के संपर्क में थे। गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों में से तीन की पहचान कुलदीप सिंह, शेखर सिंह और अजय सिंह उर्फ अजय के रूप में हुई है और वे सभी मुक्तसर साहिब के निवासी हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908